

18) मुगल साम्राज्य (1526-1857)

सामान्य
परिचय

मुगल

प्रशासन

अर्थव्यवस्था

कला व संस्कृति

मुगल

- बाबर (1526-1530)
- हुमायूं (1530-1540)
- अकबर (1556-1605)
- जहांगीर (1605-27)
- शाहजहां (1627-58)
- औरंगजेब (1658-1707)

परवर्ती मुगल

- बहादुरशाह
- जहांदारशाह
- फर्रुखशियर
- मुहम्मदशाह
- अहमदशाह
- आलमगीर II
- शाहआलम II
- अकबर II
- बहादुर शाह जफर



18) Mughal Empire (1526-1857)

General
Introduction

Mughal

Administration

Economy

Art and Culture

Mughal

Later Mughals

- Babur (1526-1530)
- Humayun (1530-1540)
- Akbar (1556-1605)
- Jahangir (1605-27)
- Shah Jahan (1627-58)
- Aurangzeb (1658-1707)

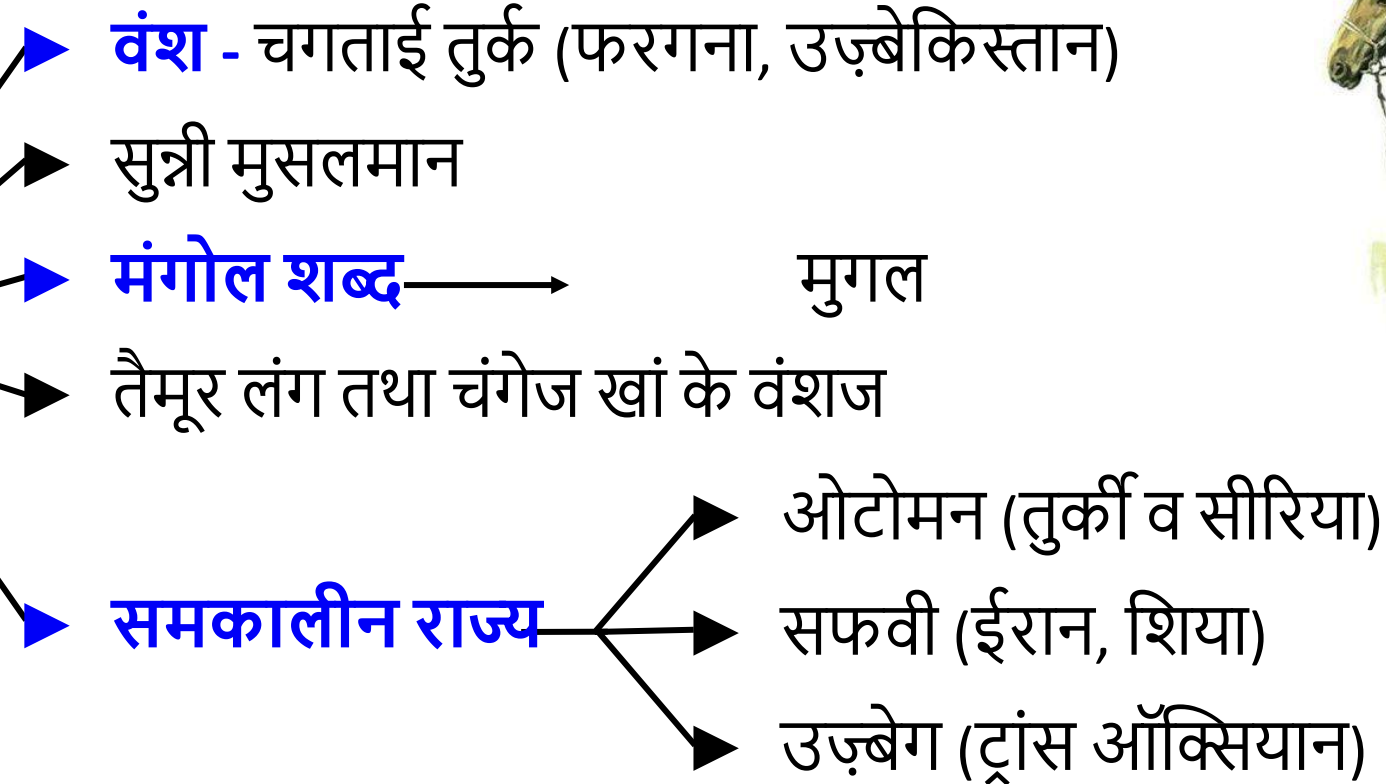
- Bahadur Shah
- Jahandar Shah
- Farrukhsiyar
- Muhammad Shah
- Ahmad Shah
- Alamgir II
- Shah Alam II
- Akbar II
- Bahadur Shah Zafar





1) सामान्य परिचय

1) उत्पत्ति



- फरगना रियासत में बाबर का जन्म
- 1519 → भारत आगमन
 - 1526 → मुगल साम्राज्य व पद पादशाही (बादशाह)

1) General Introduction

1) Origin

Dynasty - Chagatai Turks (Fergana, Uzbekistan)

Sunni Muslims

Word Mongol → Mughal

Descendants of Timur Lang and Genghis Khan

Contemporary Kingdoms

Ottoman (Turkey and Syria)

Safavid (Iran, Shia)

Uzbek (Trans-Oxiana)

Birth of Babur in Fergana principality

○ 1519 → Arrival in India

○ 1526 → Mughal Empire and title Padshah (Badshah/Emperor)



- 2) वंश —————> चगताई तुर्क (चंगेज खां के द्वितीय पुत्र के नाम पर)
- 3) मातृभाषा —————> चगताई तुर्की
- 4) राजभाषा —————> फारसी
- 5) संस्थापक —————> बाबर
- 6) वास्तविक संस्थापक —> अकबर
- 7) सर्वाधिक समय तक शासन :- अकबर
- अकबर : 49 वर्ष, 8 माह, 11 दिन
 - औरंगजेब : 48 वर्ष, 7 माह, 11 दिन
- 8) सबसे कम समय तक शासन -
- ☀ रफी-उद-जात (3 माह, 7 दिन)
 - ☀ रफी-उद-दौला (3 माह, 11 दिन)



बाबर

- हिन्दू माँ की सन्तान शासक –
 - जहाँगीर
 - शाहजहाँ
- उत्तर मुगल काल में हिन्दू माँ की सन्तान शासक-
 - बहादुरशाह प्रथम,
 - अहमद शाह,
 - बहादुर शाह द्वितीय

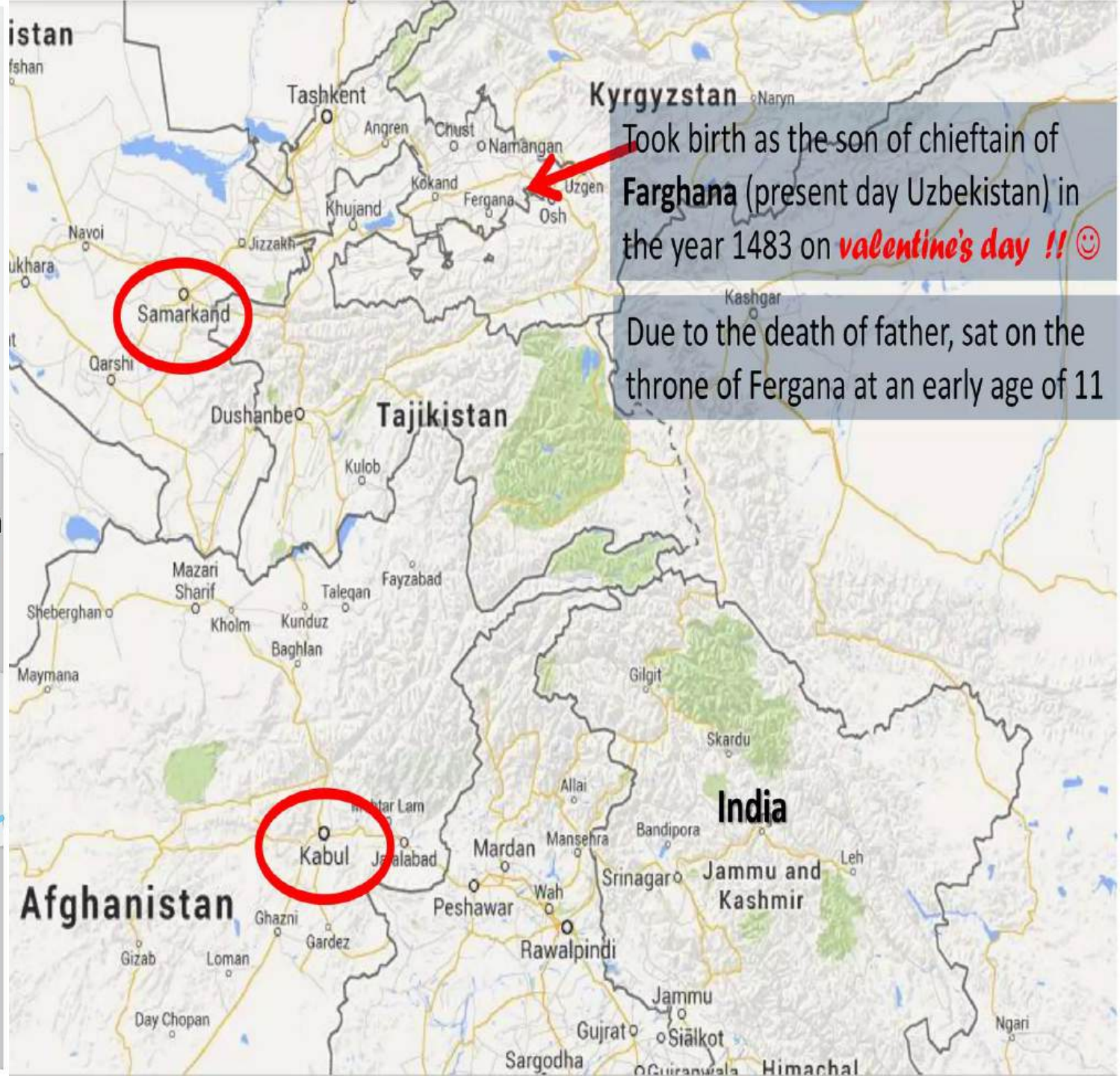
- 2) **Dynasty** → Chagatai Turks (named after Genghis Khan's second son)
- 3) **Mother Tongue** → Chagatai Turkish
- 4) **Official Language** → Persian
- 5) **Founder** → Babur
- 6) **True Founder** → Akbar
- 7) **Longest Reign : Akbar**
- Akbar: 49 years, 8 months, 11 days
 - Aurangzeb: 48 years, 7 months, 11 days
- 8) **Shortest Reign -**
- ☀ Rafi-ud-Jat (3 months, 7 days)
 - ☀ Rafi-ud-Daula (3 months, 11 days)



بابر

- Rulers born of Hindu mothers :
 - Jahangir
 - Shah Jahan
- Later Mughal period rulers born of Hindu mothers :
 - Bahadur Shah I
 - Ahmad Shah
 - Bahadur Shah II

Kazakhstan



2) ज़हीरुद्दीन मुहम्मद बाबर (1526-1530)

1) सामान्य परिचय

2) फरगना का शासक

3) काबुल

4) भारत

1519 : प्रथम आक्रमण

21 अप्रैल 1526 : पानीपत

17 मार्च 1527 : खानवा

20 जनवरी 1528 : चंदेरी

6 मई 1529 : घाघरा

बाजौरा (युसुफ जाई जाति) : **उत्तर भारत में बारूद, तोप तथा बंदूक का प्रयोग**

इब्राहिम लोदी
(दिल्ली सल्तनत)

राणा सांगा
(मेवाड़)

मेदिनीराय
(चंदेरी)

महमूद लोदी
(लोहानी अफगान)

2) Zahir-ud-din Muhammad Babur (1526-1530)

General
Introduction

2) Rular of Fargana

3) Kabul

4) India

1519 : First
invasion

21 April 1526 :
Panipat

17 March 1527
Khanwa

20 January
1528 : Chanderi

6 May 1529 :
Ghaghra

Bajaur (Yusufzai
tribe): Use of
gunpowder,
cannons, and guns
in North India

Against Ibrahim
Lodi (Delhi
Sultanate)

Against Rana
Sanga (Mewar)

Against Medini
Rai (Chanderi)

Against Mahmud
Lodi (Lohani
Afghans)

A) सामान्य परिचय



- 1) **जन्म :-** 14 फरवरी 1483, फरगना (उज़्बेकिस्तान)
- 2) **पिता :-** उमर शेख मिर्जा
 - फरगना शासक
 - तैमूर का पांचवां वंशज
 - सूफी संत "अहरारी" (हनफी मत) द्वारा नामकरण
- 3) **माता** → कुतलुग निगार खानम (चंगेज खां की 14 वीं वंशज)
- 4) **बाबर** → स्वयं को "तैमूरिया"
- 5) **बाबर** → 1494 में फरगना का शासक
 - आयु - 11 वर्ष
 - राजधानी - अंदिजान
 - सहायक - नानी ऐसान दौलत बेगम

A) General Introduction



1) **Birth :-** 14 February 1483, Fergana (Uzbekistan)

2) **Father :-** Umar Sheikh Mirza

- Ruler of Fergana
- Fifth descendant of Timur
- Naming: By Sufi saint "Ahrari" (Hanafi sect)

3) **Mother** → Qutlugh Nigar Khanum (14th descendant of Genghis Khan)

4) **Babur** → Babur called himself "Timurid"

5) **Babur** → 1494: Became ruler of Fergana

- Age : 11 years
- Capital : Andijan
- Assistant : Grandmother Esan Daulat Begum

B) फरगना व काबुल का शासक

समरकंद हेतु युद्ध

कारण : तैमूर लंग की राजधानी

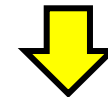
युद्ध

सर-ए-पुल (1501) → उज़्बेग शैबानी खा द्वारा तुगलुमा पद्धति
अरचियान (1503) → पुनः शैबानी खा जीता



- 1504 : बाबर द्वारा काबुल पर अधिकार
- 1507 : बाबर ने बादशाह की उपाधि ली जबकि मिर्जा की उपाधि का त्याग

गज़दवान का युद्ध (1514) → उज़्बेगों ने हराया



“बाबर ने पूरा ध्यान भारत पर लगाया”

B) Ruler of Fergana and Kabul

Wars for Samarkand

Reason : Capital of Timur Lang

Battles

Sar-e-Pul (1501) → Defeated by Uzbek Shaibani Khan using Tulughma tactics

Archian (1503) → Again won by Shaibani Khan



- 1504 : Babur captured Kabul

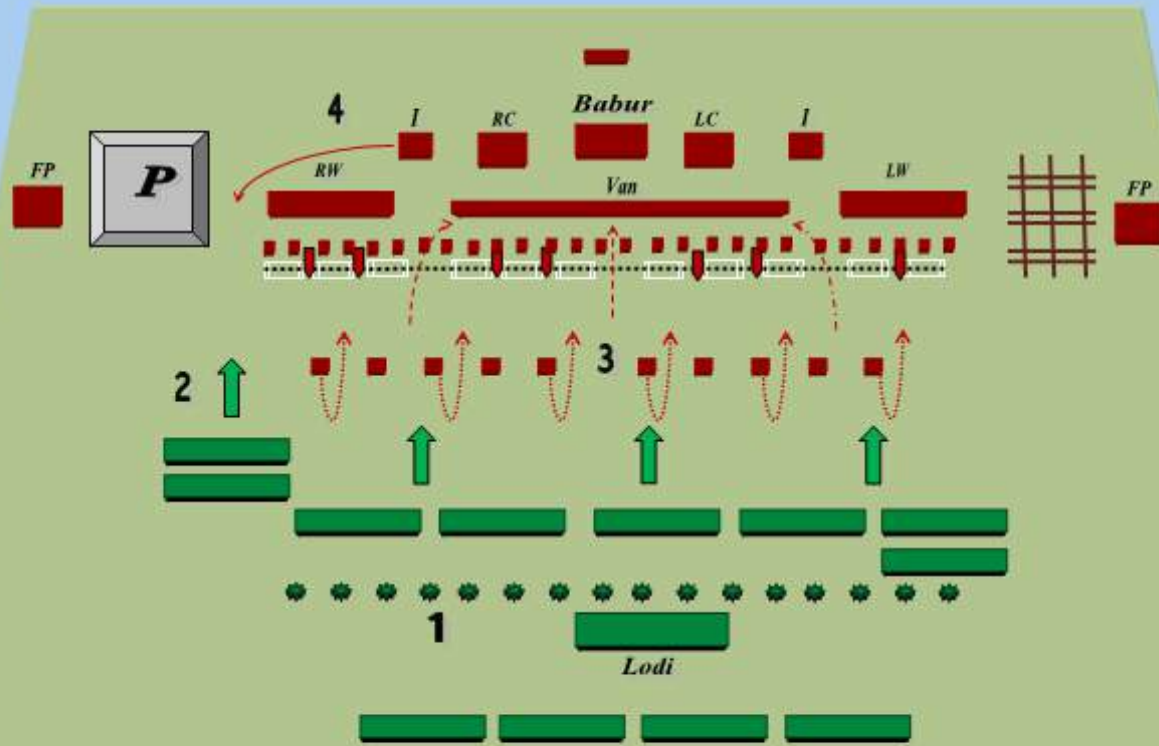
- 1507: Babur took the title of Badshah and renounced the title of Mirza

Battle of Ghazdawan (1514) → Defeated by Uzbeks

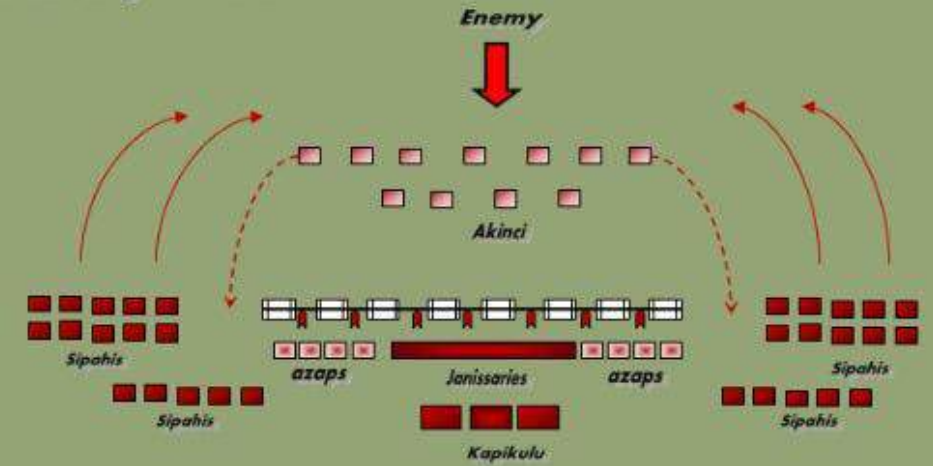


"Babur now focused all his attention on India"

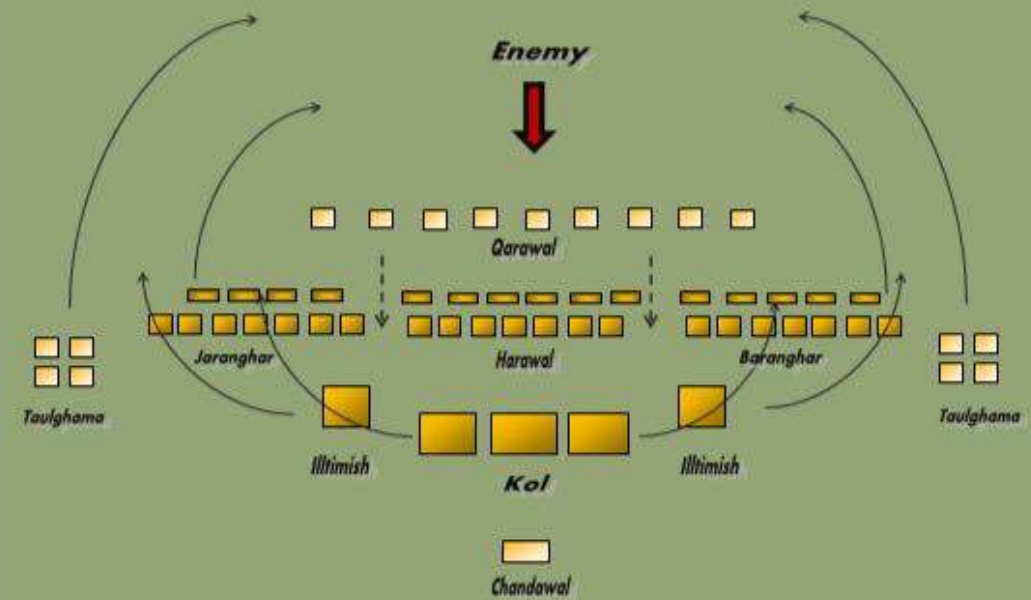
1st Battle of Panipat 1526



Tabur Cengi Formation



Mughul Tulughma Formation



c) भारत पर आक्रमण

प्रथम आक्रमण - 1519 में बाजौर की यूसुफजई जाति के विरुद्ध

☀ बाजौर व भेरा - भारत का प्रवेश द्वार



कारण

- ☀ धन प्राप्ति - दिखकाट नामक गांव में भारत की कहानी
- ☀ इस्लाम का प्रसार
- ☀ समरकंद अभियान की असफलता
- ☀ उज़्बेग खतरा
- ☀ बाबर के अनुसार भारत पर उसका पैतृक अधिकार है

भारत की राजनैतिक स्थिति (बाबरनामा)

- ☀ पांच मुस्लिम राज्य
 - बंगाल (नुसरत खाँ),
 - दिल्ली (इब्राहीम लोदी),
 - मालवा (महमूद खिलजी द्वितीय),
 - गुजरात (मुजफ्फर 2 + बहादुरशाह)
 - बहमनी (कलीमुला शाह)
- ☀ दो हिन्दू राज्य
 - मेवाड़ (राणा सांगा)
 - विजयनगर (कृष्णदेवराय)

C) Invasion of India

First Invasion: 1519 against Yusufzai tribe of Bajaur

- ☀ Bajaur and Bhera - Gateway to India
- ☀ 1524 : Lahore and Dipalpur



Reasons

- ☀ Wealth acquisition - Story of India in village called Dikhkat
- ☀ Spread of Islam
- ☀ Failure of Samarkand campaign
- ☀ Uzbek threat
- ☀ According to Babur, he had ancestral right over India

Political Situation of India (from Baburnama)

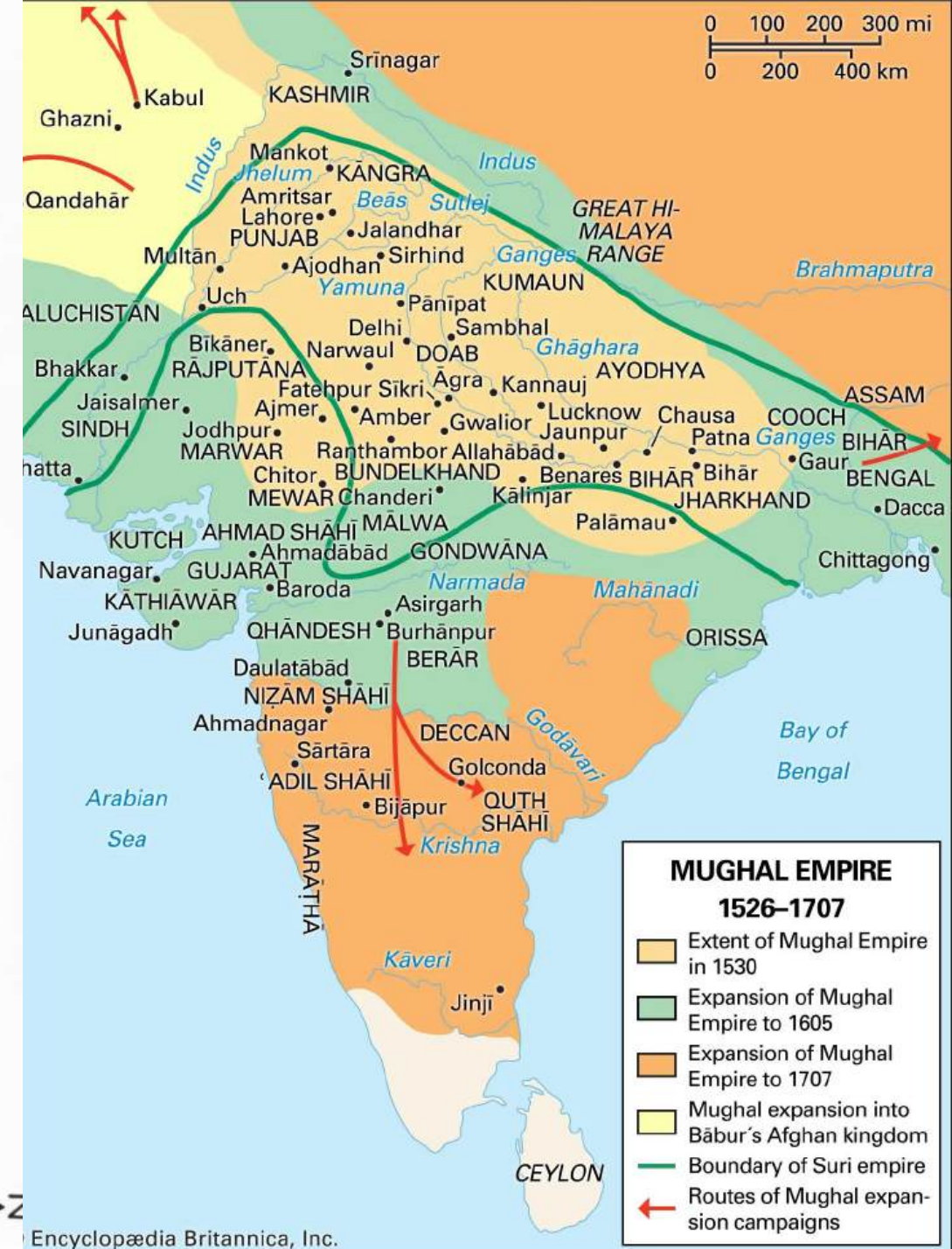
- ☀ Five Muslim States
 - Bengal (Nusrat Khan)
 - Delhi (Ibrahim Lodi)
 - Malwa (Mahmud Khilji II)
 - Gujarat (Muzaffar 2 + Bahadur Shah)
 - Bahmani (Kalimullah Shah)
- ☀ Two Hindu States
 - Mewar (Rana Sanga)
 - Vijayanagara (Krishnadeva Raya)

1526 में भारत की राजनीतिक अवस्था

काबुल
कंधार
पेशावर
लाहौर
पानीपत
मथुरा
जागरा
कानूना
पटना
दका
कलकत्ता
बंगाल
बंगाल की खाड़ी
उड़ीसा
गोल्कुण्डा
बोर्द
अहमदनगर
खानदेश
मालवा
गुजरात
तिगुप
गुलतान
सिन्धु
अरब सागर
हिन्द महासागर

संज्ञोदा
दिल्ली साम्राज्य का प्रभाव क्षेत्र
सीमा
हिन्दू राज्य
मुख्य स्थान

N
S



D) पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल 1526)

लाहौर के सूबेदार दौलत
खां लोदी (पुत्र - दिलावर
खां) तथा इब्राहिम लोदी के
चाचा आलम खां द्वारा
आमंत्रण



बाबर ने
दिलावर खां
को खानखाना
की उपाधि

दिल्ली सल्तनत के लोदी
वंश के **इब्राहिम लोदी की**
हार व मृत्यु



बाबर द्वारा **बारूद,**
तुलुगमा पद्धति तथा
उस्मानी पद्धति का प्रयोग

पानीपत ही क्यों ? -
हरियाणा यमुना नदी



- दिल्ली का प्रवेश द्वार : पानीपत रणनीतिक रूप से दिल्ली के बहुत करीब था
- समतल मैदान : तोपखाने और घुड़सवारों के लिए एकदम सही
- पानी की उपलब्धता : यमुना नदी
- यमुना नदी द्वारा प्राकृतिक सुरक्षा

D) First Battle of Panipat (21 April 1526)

Invitation by: Daulat Khan Lodi, Governor of Lahore (son - Dilawar Khan) Alam Khan, uncle of Ibrahim Lodi



Babur gave Dilawar Khan the title of Khan-i-Khanan

Defeat and death of Ibrahim Lodi of Lodi Dynasty of Delhi Sultanate

Use of gunpowder, Tulughma method, and Ottoman method

**Why Panipat? -
Haryana, Yamuna
River**



- Gateway to Delhi : Panipat was strategically very close to Delhi
- Flat plains : Perfect for artillery and cavalry
- Water availability : Yamuna River
- Natural protection by Yamuna River



E) खानवा का युद्ध (17 मार्च 1527)

आगरा के 10
मील दूर

राणा सांगा या
महाराणा
संग्राम सिंह की
पराजय

बाबर द्वारा
जिहाद का
नारा व तमगा
कर की माफी

मलिक कासिम
व मुनीम अनगा
द्वारा तुलुगमा
शैली

बाबर द्वारा गाजी
की उपाधि

- 1) खानवा युद्ध से पहले काबुल के **ज्योतिष मोहम्मद शरीफ** ने बाबर के हारने की भविष्यवाणी की थी।
- 2) बाबर ने खानवा के युद्ध से पहले
 - **जिहाद** का नारा
 - मुसलमानों पर लगाने वाले **तमगा कर (आयात शुल्क या चुंगी)** को समाप्त किया
 - सैनिकों के सामने कभी शराब न पीने का वायदा किया एवं शराब के सभी बर्तन सैनिकों के सामने तोड़ दिये
- 3) **झाला अज्जा** ने खानवा के युद्ध में महाराणा सांगा का स्थान लेते हुए उनके **छत्र (राज-चिह्न)** धारण किए थे

E) Battle of Khanwa (17 March 1527)

10 miles from
Agra

Defeat of Rana
Sanga or
Maharana
Sangram Singh

Declared Jihad
and abolished
Tamgha tax

Tulughma style
employed by
Malik Qasim
and Munim
Anga

Babur took the
title of Ghazi

- 1) Before Khanwa : Astrologer Muhammad Sharif from Kabul predicted Babur's defeat
- 2) Before Battle of Khanwa, Babur
 - Declared **Jihad**
 - Abolished Tamgha tax (import duty or toll) on Muslims
 - Promised soldiers never to drink alcohol again and broke all wine vessels before them
- 3) Jhala Ajja assumed Maharana Sanga's position in Battle of Khanwa wearing his umbrella (royal insignia)

F) चंदेरी का युद्ध (29 जनवरी 1528)

मध्यप्रदेश

कारण : चंदेरी
शासक
मेदिनीराय द्वारा
महाराणा सांगा
की सहायता



मेदिनीराय :
मालवा के
राजाओं का
निर्माता

बाबर द्वारा
जिहाद की
घोषणा



- राजपूतों के
सिरों की
मीनार
- चंदेरी का
शिकदार -

रानी मणिमाला के
नेतृत्व में 1600
राजपूत वीरांगनाओं
का जौहर

शेरशाह सूरी (शेर
खां), बाबर की
सेना में



F) Battle of Chanderi (29 January 1528)

Madhya Pradesh

Reason:
Chanderi ruler
Medini Rai's
assistance to
Maharana Sanga



Medini Rai :
Kingmaker of
Malwa kings

Babur declared
Jihad



- Tower of Rajput heads built
- Chanderi's Shikdar: Mulk Apak

Jauhar (self-immolation) of
1600 Rajput women led by Rani Manimala

Sher Shah Suri (Sher Khan) was in Babur's army



G) घाघरा का युद्ध (5-6 मई 1529)

बंगाल व बिहार में लोहनी
अफगान सेना

नेतृत्वकर्ता - महमूद लोदी,
नुसरत खां व शेरशाह सूरी

एम्फिबियन (उभयचर) युद्ध
- थल व जल दोनों

- 1) पानीपत के बाद अफगान सरदार पूर्वी भारत को अपना केन्द्र बनाते हैं। बाबर इनको समाप्त करना चाहता था।
- 2) अफगान महमूद खां लोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे थे। इसका सहयोग बंगाल का नुसरतशाह कर रहा था।
- 3) **घाघरा व गंगा के संगम (छपरा)** पर मई 1529 को बाबर तथा अफगान सरदारों (महमूद लोदी, शेर खाँ, बीबन, फारमूली) के मध्य युद्ध हुआ।
 - ☀ चन्देरी युद्ध में बाबर के साथ

4) महत्व :-

- ☀ यह मध्यकालीन भारत का पहला युद्ध था, जो जल व थल दोनों पर लड़ा गया, **एम्फिबियन (उभयचर) युद्ध** था।
- ☀ बाबर के जीवन का अन्तिम युद्ध
- ☀ युद्धोपरान्त बाबर व नुसरतशाह के मध्य संधि हुई।

G) Battle of Ghaghra (5-6 May 1529)

Lohani Afghan army in Bengal and Bihar

Leaders : Mahmud Lodi, Nusrat Khan, and Sher Shah Suri

Amphibian Battle : Fought on both land and water

- 1) Background: After Panipat, Afghan chiefs made Eastern India their center. Babur wanted to eliminate them.
- 2) Afghans were advancing under leadership of Mahmud Khan Lodi. Bengal's Nusrat Shah was supporting him.
- 3) Battle occurred at confluence of Ghaghra and Ganga (Chhapra) in May 1529 between Babur and Afghan chiefs (Mahmud Lodi, Sher Khan, Biban, Farmuli).
 - Sher Khan was with Babur in Chanderi battle

4) Significance :-

- ☀ First medieval Indian battle fought on both water and land - **Amphibian battle**
- ☀ Babur's last battle
- ☀ Treaty between Babur and Nusrat Shah after battle

H) बाबर की मृत्यु

बाबर की मृत्यु

26 दिसंबर 1530 (48 वर्ष)

दफनाया

आरामबाग, आगरा

कालांतर में बीबी मुबारिका द्वारा काबुल में

मकबरे पर जहांगीर व शाहजहां द्वारा लेख

गुलबदन बेगम ने हुमायूंनामा में इब्राहिम लोदी की मां ने बाबर को जहर दिया



H) Babur's Death

Babur's Death

- ▶ 26 December 1530 (age 48)
- ▶ Buried
 - ▶ Arambagh, Agra
 - ▶ Later moved to Kabul by Bibi Mubarika
- ▶ Inscriptions on tomb by Jahangir and Shah Jahan
- ▶ **Gulbadan Begum wrote in Humayun-nama** that Ibrahim Lodi's mother poisoned Babur



2) नसीरुद्दीन हुमायूँ (1530-1556)

सामान्य परिचय

प्रमुख अभियान

निवासिन (1541-1555)

भारत वापसी

○ 29 दिसंबर 1530 : राज्याभिषेक

○ हुमायूँ के अभियान :-

- ▶ 1530 : कालिंजर : प्रताप रूद्रदेव (चंदेल)
- ▶ 1532 : दोहरिया (बाराबंकी, UP) : अफगान
- ▶ 1532 : चुनार का प्रथम घेरा : शेरशाह
- ▶ 1535-36 : गुजरात : बहादुरशाह

○ हुमायूँ व शेरशाह :-

- ▶ 1532 : चुनार का प्रथम घेरा
- ▶ 1533 : दीनपनाह नगर
- ▶ 1537 : चुनार का द्वितीय घेरा
- ▶ 1538 : शेरशाह की बंगाल विजय
- ▶ 26 जून 1539 : चौसा का युद्ध (बक्सर, बिहार)
- ▶ 17 मई 1540 : बिलग्राम/कन्नौज युद्ध

○ भारत वापसी :-

- ▶ 15 मई 1555 : मच्छीवाडा
- ▶ 22 जून 1555 : सरहिंद
- ▶ 24 जनवरी 1556 : दीनपनाह नगर (दिल्ली) में मृत्यु

2) Nasir-ud-din Humayun (1530-1556)

General Introduction

Major Campaigns

Exile (1541-1555)

Return to India

- 29 December 1530: Coronation

- Humayun's Campaigns :-

- ▶ 1530 : Kalinjar - Against Pratap Rudra Dev (Chandela)
- ▶ 1532 : Dohria (Barabanki, UP) - Against Afghans
- ▶ 1532 : First siege of Chunar - Against Sher Shah
- ▶ 1535-36 : Gujarat - Against Bahadur Shah

- Humayun and Sher Shah :-

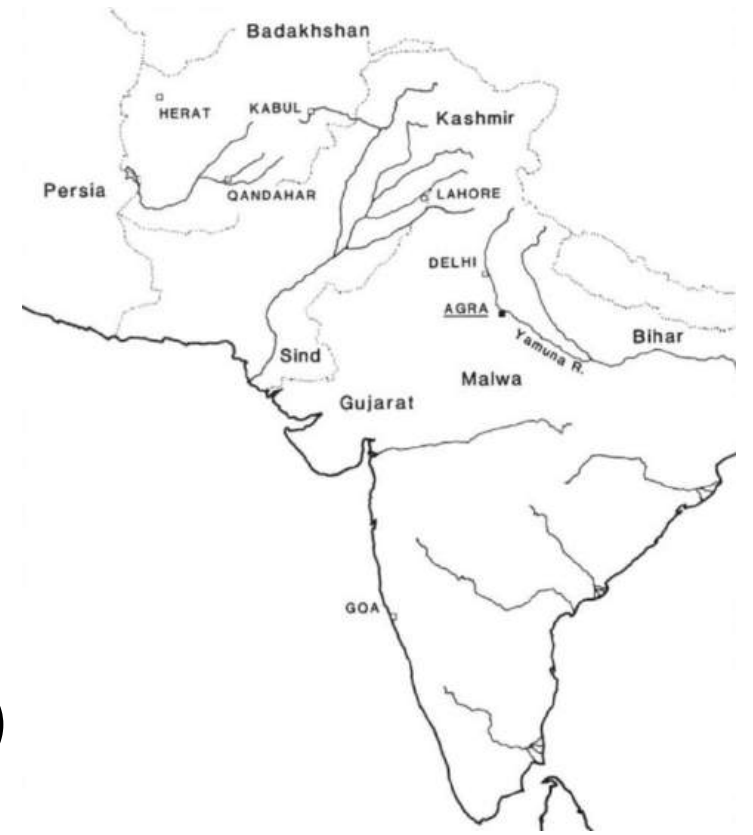
- ▶ 1532 : First siege of Chunar
- ▶ 1533 : Dinpanah city founded
- ▶ 1537 : Second siege of Chunar
- ▶ 1538 : Sher Shah's conquest of Bengal
- ▶ 26 June 1539 : Battle of Chausa (Buxar, Bihar)
- ▶ 17 May 1540 : Battle of Bilgram/Kanauj

- Return to India :-

- ▶ 15 May 1555 : Machhiwara
- ▶ 22 June 1555 : Sirhind
- ▶ 24 January 1556 : Death at Dinpanah city (Delhi)

A) सामान्य परिचय

- 1) **जन्म** → 6 मार्च 1508, काबुल
- 2) **पिता** → बाबर
- 3) **माता** → माहम बेगम या माहिम बेगम (शिया)
- 4) **शिक्षक** → नसीरुद्दीन रुहुल्लाह तथा मौलाना इलियास
- 5) **बाबर** → बदखशां का गवर्नर नियुक्त किया (अफ़ग़ानिस्तान)
- 6) **राज्याभिषेक** → **दिसंबर 1530 आगरा**



षड्यंत्र

मुगल साम्राज्य के प्रथम वजीर
मीर खलीफा (अमीर निज़ाम-
उद-दीन)

साम्राज्य का
विभाजन - गलती
(बाबर की इच्छा)

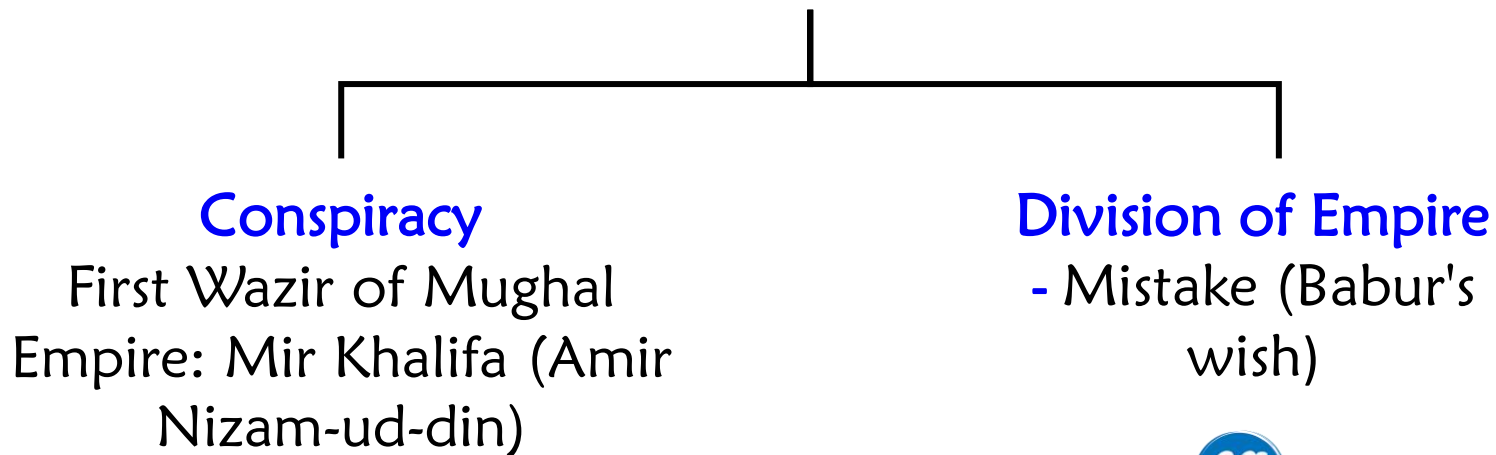


- कामरान : काबुल और कंधार,
- असकरी : सँभल
- हिंदाल : अलवर व मेवाड़
- चचेरे भाई सुलेमान मिर्जा :
बदखशाँ

A) General Introduction



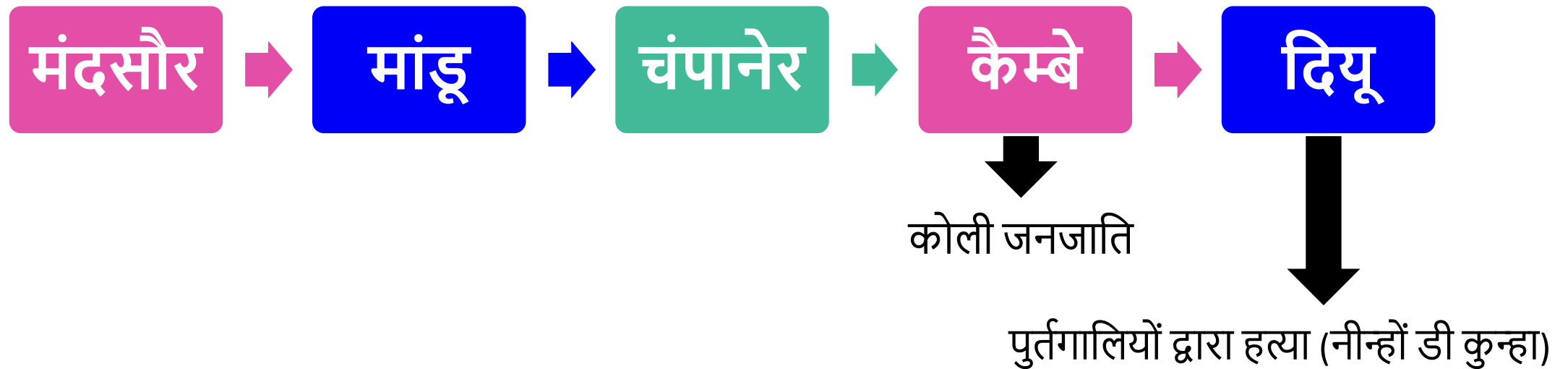
- 1) **Birth** → 6 March 1508, Kabul
- 2) **Father** → Babur
- 3) **Mother** → Maham Begum (Shia)
- 4) **Teachers** → Nasir-ud-din Ruhullah and Maulana Ilyas
- 5) **Babur** → Babur appointed him Governor of Badakhshan (Afghanistan)
- 6) **Coronation** → December 1530, Agra



- Kamran: Kabul and Kandahar
- Askari: Sambhal
- Hindal: Alwar and Mewar
- Cousin Sulaiman Mirza: Badakhshan

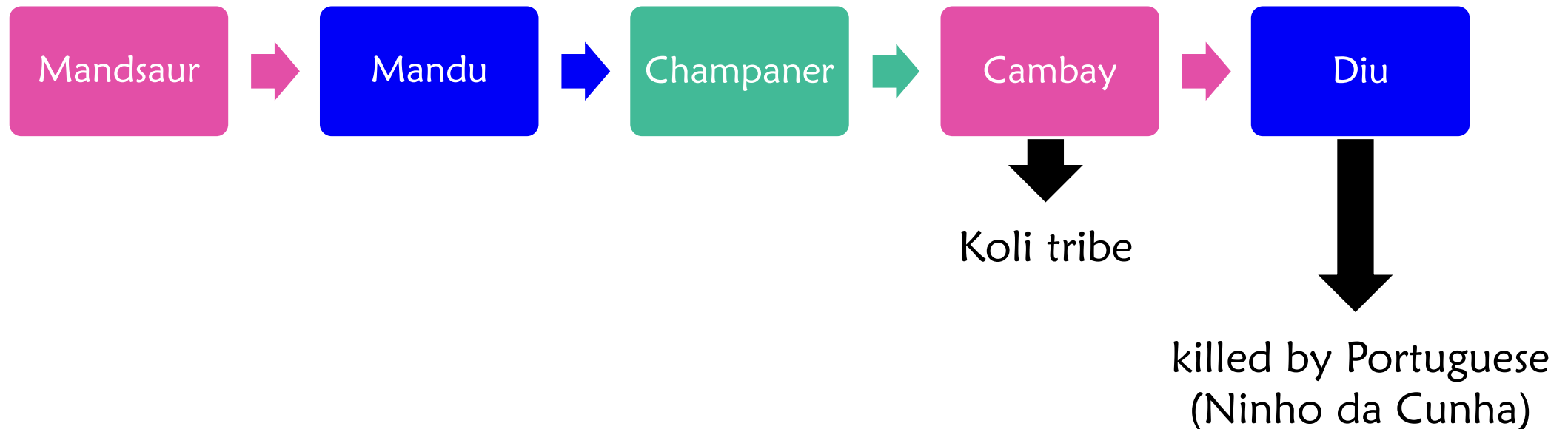
बहादुरशाह का चित्तौड़ अभियान (8 मार्च 1535)

- चित्तौड़ से राणी कर्णवती (विक्रमादित्य की माँ) ने हुमायूँ को राखी व कंगन भेजकर आग्रह किया था कि वो बहादुरशाह से एक बहन की रक्षा करे, हुमायूँ ने राखी स्वीकार की मगर बहादुरशाह से अभियान नहीं किया।
- 08 मार्च, 1535 को चित्तौड़ का पतन हुआ
- रानी कर्णवती के नेतृत्व में 13,000 ललनाओं ने अपनी अस्मिता की रक्षार्थ जौहर किया।



Bahadur Shah's Chittorgarh Campaign (8 March 1535)

- **Rani Karnavati (mother of Vikramaditya)** sent rakhi and bangles from Chittorgarh to Humayun requesting him to protect a sister from Bahadur Shah. Humayun accepted the rakhi but did not campaign against Bahadur Shah.
- 8 March 1535: Fall of Chittorgarh
- 13,000 women performed Jauhar under Rani Karnavati's leadership to protect their honor.



C) शेरशाह सूरी स संघर्ष

सामान्य परिचय

- अफगानी वंश
- नाम - फरीद खां
- बिहार शासक मुहम्मद बहार खां लोहनी द्वारा शेर खां की उपाधि
- मकबरा - सासाराम

चुनार का प्रथम घेरा (1532)

- चुनार (UP) - पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार
- मिर्जापुर, गंगा नदी(UP)
- शेर खां व हुमायूं के मध्य समझौता
- हुमायूं की भूल

चुनार का द्वितीय घेरा (1537)

- 6 माह में बाद हुमायूं को सफलता
- शेर खां - बंगाल के गौड़ चला गया (सहायता : चूड़ामणि ब्राह्मण)
- पुनः हुमायूं का कब्जा

चौसा का युद्ध (1539)

- बिहार
- शेर खां की विजय
- हुमायूं ने निजाम सक्का नामक भिस्ती को एक दिन का बादशाह बनाया (चमड़ा सिक्का)
- शेर खां ने शेरशाह की उपाधि ली

बिलग्राम या कन्नौज युद्ध (1540)

- शेर खां ने आगरा व दिल्ली जीता
- हुमायूं का निर्वासनकाल – 1540 - 1555

C) Conflict with Sher Shah Suri

General Introduction

- **Afghan dynasty**
- Name: Farid Khan
- Bihar ruler
- Muhammad Bahar Khan Lohani gave him title of Sher Khan
- Tomb : Sasaram

First Siege of Chunar (1532)

- Chunar (UP) - Gateway to Eastern India
- **Mirzapur, Ganga River (UP)**
- Agreement between Sher Khan and Humayun
- Humayun's mistake

Second Siege of Chunar (1537)

- Humayun succeeded after 6 months
- Sher Khan went to Gaur, Bengal (with help of Chudamani Brahmin)
- Again captured by Humayun
- Gaur renamed Jannatabad

Battle of Chausa (1539)

- Bihar
- Sher Khan's victory
- Humayun made Nizam Sakka, a water-carrier (bhishti), emperor for one day (leather coin)
- Sher Khan took title of Sher Shah (at Gaur)

Battle of Bilgram or Kanauj (1540)

- Sher Khan conquered Agra and Delhi
- Humayun's exile period : 1540-1555

D) हुमायूं का निर्वासन काल व वापसी (1540-1555)

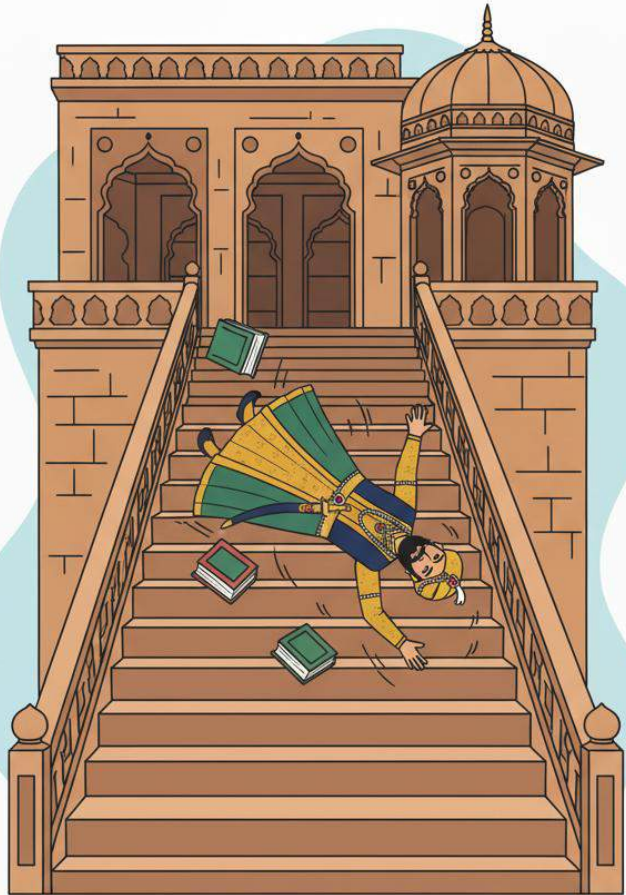
- 1) **1540 :-** बिलग्राम युद्ध के बाद आगरा में संत रफीउद्दीन के पास
- 2) **1541 :-** हिंदाल के आध्यात्मिक गुरु फारसवासी शिया मीर बाबा दोस्त(मीर अली अकबर जामी) की **14 वर्षीय पुत्री हमीदा बानो बेगम** से विवाह (**पुत्र - अकबर**)
- 3) **1541- 55 :-** सिंध, काबुल व ईरान में निर्वासन → ईरान शासक शाह तहमाशप के दरबार में **बैरम खा** से भेंट
- 4) **15 मई 1555 :- मच्छीबाड़ा का युद्ध** →
 - लुधियाना (पंजाब)
 - सिकंदर सूर का सेनापति तातार खां
 - बैरम खां को खान खानम व यार वफादार की उपाधि
- 5) **22 जून 1555 :- सरहिंद का युद्ध** →
 - सरहिंद(पंजाब)
 - सूर शासक सिकंदर सूर की पराजय
 - दिल्ली पर पुनः हुमायूं का अधिकार

D) Humayun's Exile and Return (1540-1555)

- 1) **1540 :-** After Bilgram battle, stayed with Saint Rafiuddin in Agra
- 2) **1541 :-** Marriage to Hamida Banu Begum, 14-year-old daughter of Persian Shia Mir Baba Dost (Mir Ali Akbar Jami), spiritual guru of Hindal (**Son - akbar**)
- 3) **1541- 55 :-** Exile in Sindh, Kabul, and Iran → Met Bairam Khan at court of Iranian ruler Shah Tahmasp
- 4) **15 May 1555 :- Battle of Machhiwara** →
 - Ludhiana (Punjab)
 - Against Sikandar Sur's commander Tatar Khan
 - Bairam Khan given titles Khan Khanan and Yar Wafadar
- 5) **22 June 1555 :- Battle of Sirhind** →
 - Sirhind (Punjab)
 - Defeat of Sur ruler Sikandar Sur
 - Delhi again under Humayun's control

E) मृत्यु तथा अन्य तथ्य

1) 24 जनवरी 1556 :- मृत्यु

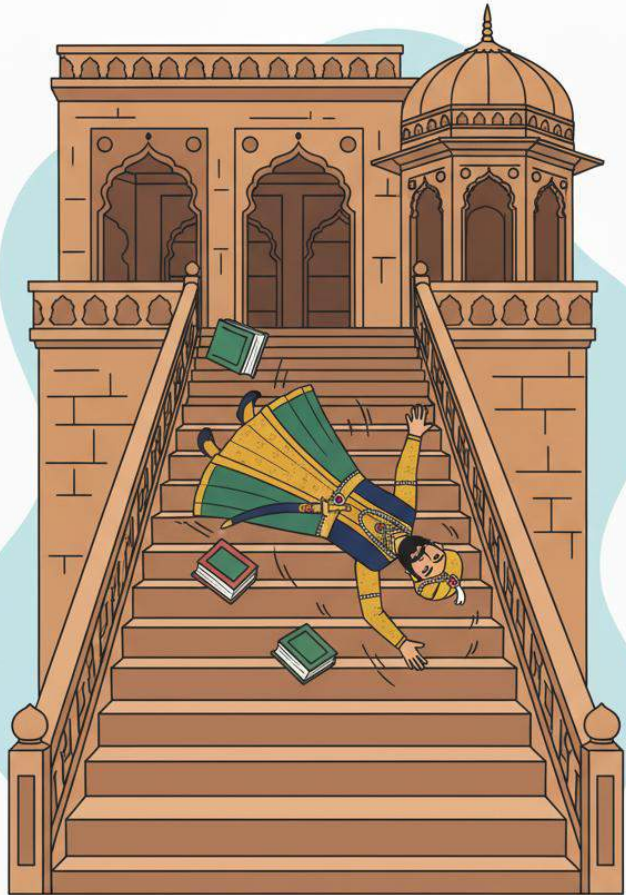


शेर मंडल पुस्तकालय (दीन पनाह नगर, दिल्ली) की सीढ़ी से गिरकर
17 दिन तक गुप्त सूचना - हमशक्ल मुल्ला बेकसी
लेनपूल : वह जीवन भर ठोकर खाता रहा और ठोकर खाकर ही
उसकी मृत्यु हो गई।

- 2) गुलबदन बेगम (बाबर की बेटी) ————— हुमायूँनामा
- 3) ज्योतिष में विश्वास : सप्ताह के सातों दिन सात रंग के कपड़े
- 4) असफलता का प्रमुख कारण : 'कमजोर चरित्र' (अफीम का शौकीन)
- 5) अबुल फजल ने हुमायूँ की तुलना अरस्तु से की है।
- 6) हुमायूँ ने तबद-ए-अदल (न्याय ढोल) की शुरुआत की।
- 7) हुमायूँ ने दिल्ली में हरम की औरतों के लिए मीना बाजार प्रारम्भ किया।

E) Death and Other Facts

1) 24 January 1556 :- Death



Fell from stairs of Sher Mandal Library (Din Panah city, Delhi)

News kept secret for 17 days - lookalike Mulla Bekasi

Lane-Poole: "He stumbled through life and stumbling, he died."

2) Gulbadan Begum (Babur's daughter) — **Humayun-nama**

3) Belief in astrology: Wore seven different colored clothes for seven days of the week

4) Main reason for failure: "**Weak character**" (fond of opium)

5) Abul Fazl compared Humayun to Aristotle

6) Humayun started Tabd-e-Adal (Justice Drum)

7) Humayun started Meena Bazaar in Delhi for women of the harem

- हुमायूं का मकबरा
- नई दिल्ली
- हुमायूं की पहली पत्नी,
महारानी बेगा बेगम
(हाजी बेगम) ने बनवाया
- 1569-70
- भारतीय उपमहाद्वीप
का पहला उद्यान-
मकबरा
- फारसी वास्तुकार
मिरक मिर्जा घियास



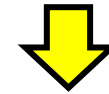
- Humayun's Tomb
- New Delhi
- Built by Humayun's first wife, Empress Bega Begum (Haji Begum)
- 1569-70
- The first garden-tomb on the Indian subcontinent
- Persian architect Mirak Mirza Ghiyas



19) सूर वंश (1540-1555)

शेरशाह सूरी (1540-1545)

उत्तराधिकारी



सामान्य
परिचय

प्रमुख युद्ध

प्रशासन



1) इस्लामशाह

- सैनिकों को 50, 200, 250 और 500 की इकाइयों में विभाजित किया

- इस्लामी कानूनों को लिखित

2) मुज़ारिब खान (मुहम्मद आदिल शाह)

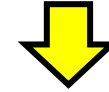
- **वजीर :-** हेमू 'विक्रमादित्य'

3) अन्य :- सिकंदर सूरी

19) Suri Dynasty (1540-1555)

Sher Shah Suri (1540-1545)

Successors



General
Introduction

Major
Wars

Administra
tion



1) Islam Shah

- Divided soldiers into units of 50, 200, 250, and 500
- Codified Islamic laws

2) Muzarib Khan (Muhammad Adil Shah)

- **Minister :-** Hemu 'Vikramaditya'

3) Others :- Sikandar Suri

1) शेरशाह सूरी (1540-45)

1) दिल्ली में अफगानी सूर वंश का संस्थापक

2) जन्म → 1472 या 1486

3) मूल नाम → **फरीद खां**

4) शिक्षा → **जौनपुर**

5) पिता → हसन खां (छोटे जमींदार)

8) **मृत्यु** → **22 मई 1545**

कालिंजर अभियान
(कीरत सिंह)

उक्का नामक हथियार
का प्रयोग करते हुए

मकबरा - सासाराम (बिहार) → हिंद+ईरानी वास्तुकला

6) **शेर खां की उपाधि** →

- दक्षिण बिहार के सूबेदार **बहार खां लोहानी**
- बहार खां की मृत्यु के बाद स्वयं शासक बना
- बहार खां के पुत्र जमाल खां का शिक्षक

7) **शेरशाह या सुल्तान ए आदिल की उपाधि - चौसा का युद्ध (1539)**



1) Sher Shah Suri (1540-45)

1) Founder of the Afghan Suri Dynasty in Delhi

2) Birth → 1472 Or 1486

3) Original Name → **Farid Khan**

4) Education → **Jaunpur**

5) Father → Hasan Khan
(small landlord)

6) **Title of Sher Khan** → Governor Bahar Khan Lohani of South Bihar
Became ruler himself after Bahar Khan's death
Was tutor to Bahar Khan's son Jamal Khan

7) **Title of Shershah or Sultan-e-Adil** - Battle of Chausa (1539)

8) **Death** → 22 May 1545

Tomb - Sasaram (Bihar) → **Indo-Iranian architecture**

Kalinjar campaign
(against Kirat Singh)
While using a
weapon called
Ukka





B) शेरशाह : प्रशासनिक सुधार

- 1) प्रशंसनीय प्रशासनिक सुधार —————> **अकबर का पूर्वगामी**
- 2) **मौलिक सुधार नहीं** —————> सल्तनत कालीन व्यवस्था की पुनर्स्थापना
- 3) डॉ कानूनगो —————> अकबर से भी श्रेष्ठ रचनात्मक
- 4) डॉ रामप्रसाद —————> **सुधारक न कि मौलिक व्यवस्थापक**
- 5) **केंद्रीय प्रशासन :-**
 - ☀ **सर्वोच्च** —————> शेरशाह सूरी
 - ☀ **4 प्रमुख विभाग** —————>
 - दीवान ए वजारत (वित्त विभाग)
 - दीवान ए आरिज (सैन्य विभाग)
 - दीवान ए रसातल (विदेश मंत्रालय)
 - दीवान ए इंशा (पत्राचार विभाग : शाही फरमानों का मसौदा)

B) Sher Shah : Administrative Reforms

1) Commendable Administrative Reforms → **Predecessor of Akbar**

2) **Not original reforms** → Restoration of Sultanate period system

3) Dr. Kanungo → More creative than even Akbar

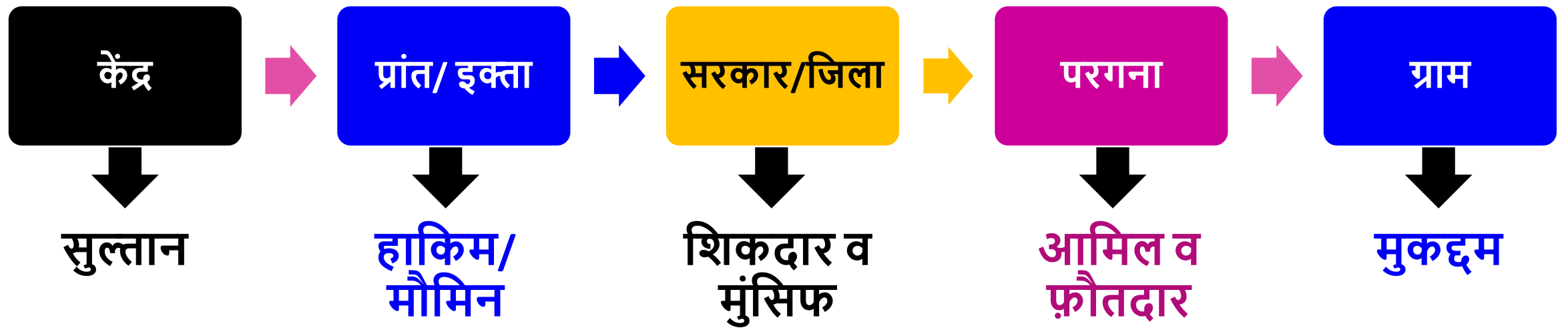
4) Dr. Ram Prasad → **Reformer, not original administrator**

5) **Central Administration :-**

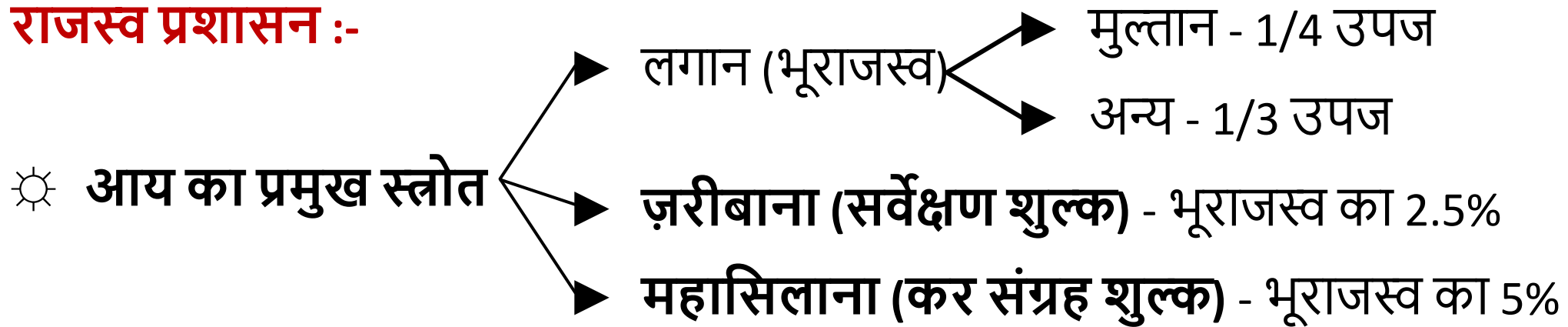
☀ **Supreme** → Sher Shah Suri

☀ **4 Major Departments**

- Diwan-e-Wizarat (Finance Department)
- Diwan-e-Ariz (Military Department)
- Diwan-e-Rasatal (Foreign Ministry)
- Diwan-e-Insha (Correspondence Department :
Drafting royal decrees)



6) राजस्व प्रशासन :-



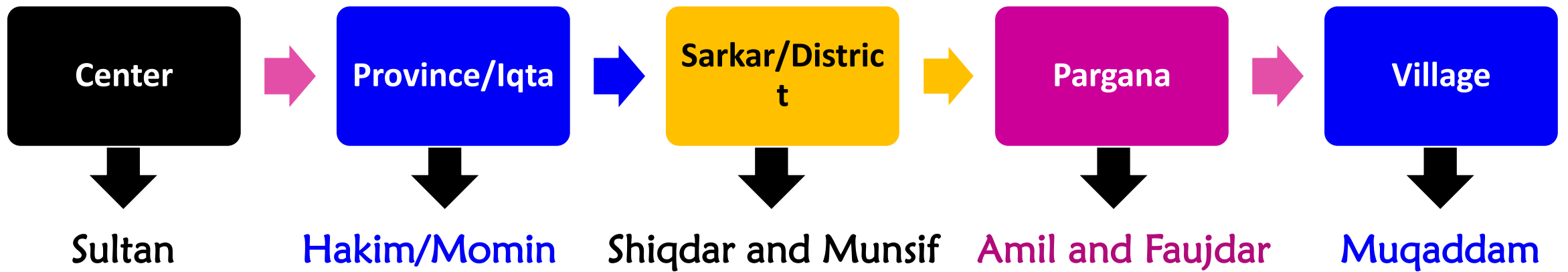
पट्टा या कबूलियत प्रथा (सरकार द्वारा प्रत्यक्ष पट्टा)

भूमि मापन के बाद राजस्व

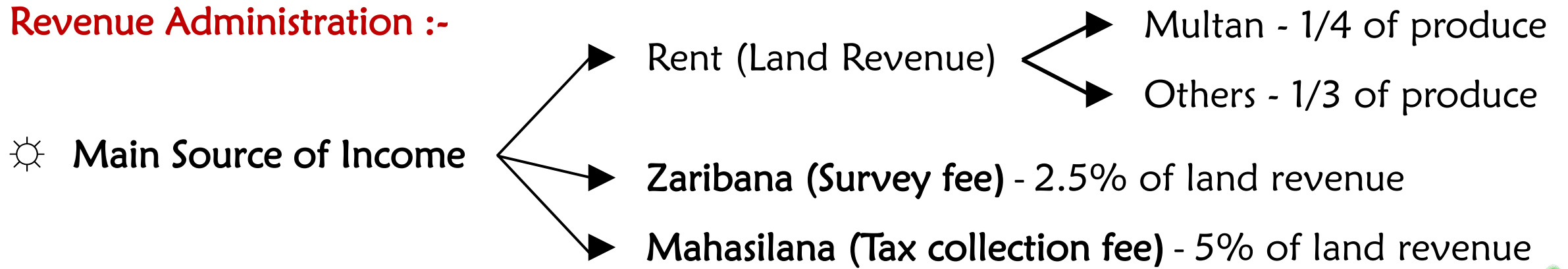
- 32इंच/39 अंगुल का सिकंदरीगज
- सन की रस्सी

नगद या अनाज





6) Revenue Administration :-



☀ **Patta or Kabuliyat system** (Direct lease by government)

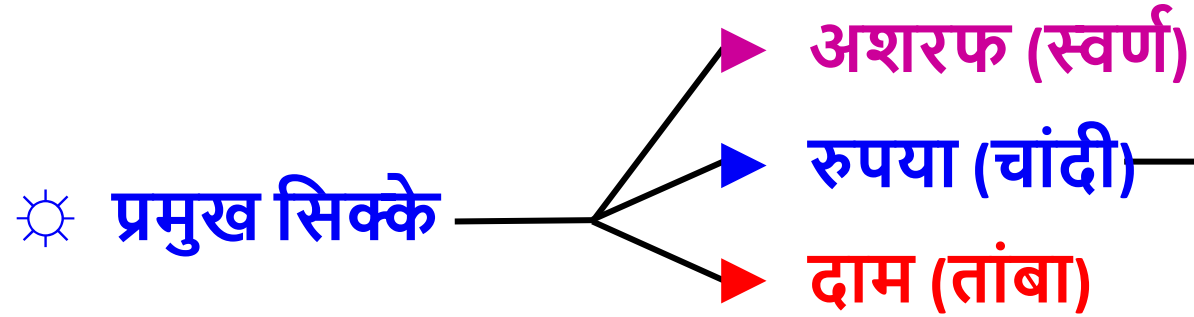
☀ Revenue after land measurement

- 32 inches/39 digits **Sikandari Gaz**
- Hemp rope**

○ Cash or grain



7) मौद्रिक सुधार :-



☀ सिक्कों पर अरबी व देवनागरी में शेरशाह का नाम

- रुपया का सर्वप्रथम प्रचलन
- दाम और रुपया का विनिमय दर – 64:1

8) कानून एवं न्याय :-

☀ एक अत्यंत न्यायप्रिय शासक

☀ न्याय का दिन - बुधवार

☀ दार-ए-लंगर (भोजनशाला)

☀ हुलिया व दाग प्रथा - सैन्य

7) Monetary Reforms :-



☀ Coins bore Sher Shah's name in Arabic and Devanagari

8) Law and Justice :-

☀ An extremely just ruler

☀ **Justice day** - Wednesday

☀ Dar-e-Langar (Community kitchen)

☀ **Huliya and Dag system** - Military

- First circulation of the Rupee
- Exchange rate of Dam and Rupee - 64:1

9) अन्य तथ्य :-

☀ ग्रांड ट्रंक रोड (सड़क-ए-आजम) →

☀ 1700 से अधिक **सरायों** का निर्माण

- भटियारा नामक श्रमिक वर्ग
- कानूनगो - **साम्राज्य की धमनियां**

☀ सासाराम/बिहार में सोन नदी के किनारे मकबरा

- झील के मध्य → हिंद+ईरानी शैली
- कानूनगो → यह मकबरा बाहर से मुस्लिम एवं अंदर से हिन्दू है
- कनिंघम → ताजमहल से भी सुंदर

☀ अन्य निर्माण

रोहतासगढ़ किला (पाकिस्तान)

किला ए कुहना मस्जिद (दिल्ली)

शेरसूर नामक नगर

- शाही सड़क, राह-ए-आज़म, उत्तरापथ, बादशाही सड़क, जरनैली रोड
- बंगलादेश के चटगांव से शुरू होकर भारत के कोलकाता, दिल्ली, अमृतसर और फिर पाकिस्तान के लाहौर व पेशावर से होते हुए अफगानिस्तान के काबुल तक

हुमायूं द्वारा निर्मित
दिल्ली के पुराना किला
(ओल्ड फोर्ट) के अंदर

10) **कानूनगो ने शेरशाह के बारे में लिखा** - धूल में खिला फूल

9) Other Facts :-

☀ **Grand Trunk Road (Sadak-e-Azam)** →

☀ Construction of over 1700 sarais (rest houses)

- Bhatiyara - laborer class
- Kanungo - **"Arteries of the empire"**

☀ Tomb in Sasaram/Bihar on the banks of Son River

- In the middle of a lake → Indo-Iranian style
- Kanungo - "This tomb is Muslim from outside and Hindu from inside"
- Cunningham → More beautiful than even the Taj Mahal

☀ Other Constructions →

Rohtasgarh Fort (Pakistan)

Qila-e-Kuhna Mosque (Delhi)

A city named Shersur

- Royal Road, Rah-e-Azam, Uttarapath, Badshahi Road, Jarneli Road
- Starting from Chittagong in Bangladesh through Kolkata, Delhi, Amritsar in India, then through Lahore and Peshawar in Pakistan to Kabul in Afghanistan

Inside the Old Fort
(Purana Qila) of
Delhi built by
Humayun

10) Kanungo wrote about Sher Shah - "A flower that bloomed in the dust"



20) अकबर (1542-1605)

सामान्य परिचय

5 नवंबर 1556
: पानीपत का
द्वितीय युद्ध

अकबर

- बैरम खां का युग
- पेटीकोट सरकार

साम्राज्यवाद

- उत्तर भारत**
 - मालवा
 - गोंडवाना
 - राजपूताना
 - कालिंजर
 - गुजरात
 - बंगाल
 - बिहार
 - काबुल व कश्मीर
- दक्षिण भारत**
 - खानदेश
 - अहमदनगर
 - असीरगढ़

आंतरिक विद्रोह

अन्य

- धार्मिक नीति
 - ☆ दीन ए इलाही
- प्रशासन
 - ☆ मनसबदारी
- वास्तुकला
- साहित्य
- अर्थशास्त्र
- समाज
- मूल्यांकन

20) Akbar (1542-1605)

General Introduction

November 5,
1556: Second
Battle of
Panipat

Akbar

- Era of Bairam Khan
- Petticoat Government

Imperialism

North India

- Malwa
- Gondwana
- Rajputana
- Kalinjar
- Gujarat
- Bengal Bihar
- Kabul and Kashmir

South India

- Khandesh
- Ahmednagar
- Asirgarh

Internal Rebellions

Others

- Religious Policy
 - ☆ Din-e-Ilahi
- Administration
 - ☆ Mansabdari System
- Architecture
- Literature
- Economics
- Society
- Evaluation

20.1) सामान्य परिचय

- 1) **जन्म** —————> 15 अक्टूबर 1542 (सिंध, पाकिस्तान)
 - अमरकोट के राणा वीरसाल का किला
- 2) **पिता** —————> हुमायूँ
- 3) **माता** —————> हमीदा बानो बेगम
- 4) **शिक्षक** —————> अब्दुल लतीफ ईरानी
- 5) **मूल नाम** —————> जलालुद्दीन
- 6) **प्रथम विवाह** —————> हिंदल की पुत्री रुकैया बेगम
- 7) **राज्याभिषेक** —————> 14 फरवरी 1556, तख्त-ए-अकबरी, कलानौर (पंजाब)
 - ☀ 13 वर्ष 4 माह
 - ☀ बैरम खां (संरक्षक व वकील-ए- मुतलक़) व मिर्जा अबुल कासिम

☀ **1551** - अकबर को गजनी का सूबेदार बनाया

☀ **उपाधि** - जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाही गाजी

8) हुमायूँ ने 1555 ई. में **बैरम खाँ** को अकबर का संरक्षक (अतालीक) बनाया

○ अकबर ने बैरम खाँ को **खान-ए-खाना की उपाधि ('खानी-बाबा')**

○ बैरम खाँ फारस से आया।

○ शिया मतावलम्बी

20.1) General Introduction

- 1) **Birth** —————→ October 15, 1542 (Sindh, Pakistan)
 - Fort of Rana Virsal of Amarkot
- 2) **Father** —————→ Humayun
- 3) **Mother** —————→ Hamida Banu Begum
- 4) **Teacher** —————→ Abdul Latif Irani
- 5) **Original Name** —————→ Jalaluddin
- 6) **First Marriage** —→ Ruqaiya Begum, daughter of Hindal
- 7) **Coronation**
 - ☀ 14 February 1556, Takht-e-Akbari, Kalanaur (Punjab)
 - ☀ 13 years 4 months
 - ☀ Bairam Khan (Guardian and Vakil-e-Mutlaq)
- ☀ **1551** - Akbar was made Governor of Ghazni
- ☀ **Title** - Jalaluddin Muhammad Akbar Badshah Ghazi
- 8) Humayun made Bairam Khan the guardian (Ataliq) of Akbar in 1555 CE
 - Akbar conferred upon Bairam Khan the title of Khan-e-Khana ('Khani-Baba')
 - Bairam Khan came from Persia
 - Shia adherent

9) आरंभिक चुनौतियां

खराब वित्तीय स्थिति

काबुल में मिर्जा हाकिम - स्वतंत्र

बदखशां में मिर्जा सुलेमान - स्वतंत्र

दिल्ली व आगरा में आदिलशाह सूरी (प्रधानमंत्री - हेमू) का अधिकार



पानीपत का द्वितीय युद्ध (5 नवंबर 1556)



9) Initial Challenges

Poor financial condition

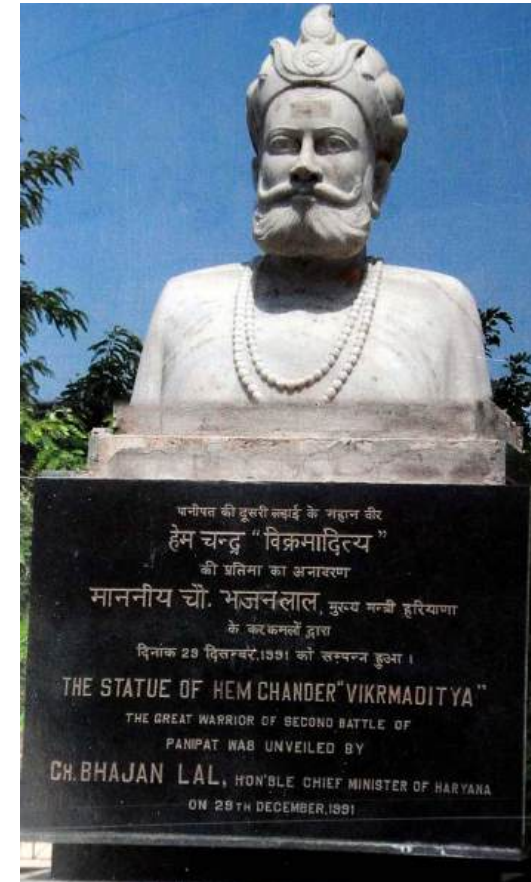
Mirza Hakim in Kabul - Independent

Mirza Sulaiman in Badakhshan - Independent

Adil Shah Suri's control over Delhi and Agra (Prime Minister - Hemu)



Second Battle of Panipat (November 5, 1556)



अकबर के समकालीन शासक

रानी एलिजाबेथ	1558-1603 ई.	इंग्लैंड
शाह अब्बास	1588-1629 ई.	ईरान
जार ईवान IV बेसिलयेविच	1530-1584 ई.	रूस

~ जार ईवान IV बेसिलयेविच ईवान दि टेरिबल नाम से कुख्यात था।

CONTEMPORARY RULERS OF AKBAR

Queen Elizabeth	1558-1603 CE	England
-----------------	--------------	---------

Shah Abbas	1588-1629 CE	Iran
------------	--------------	------

Tsar Ivan IV Basilyevich	1530-1584 CE	Russia
--------------------------	--------------	--------

~ Tsar Ivan IV Basilyevich was notorious as Ivan the Terrible.

20.3) शासन काल

बैरम खां (1556-1560)



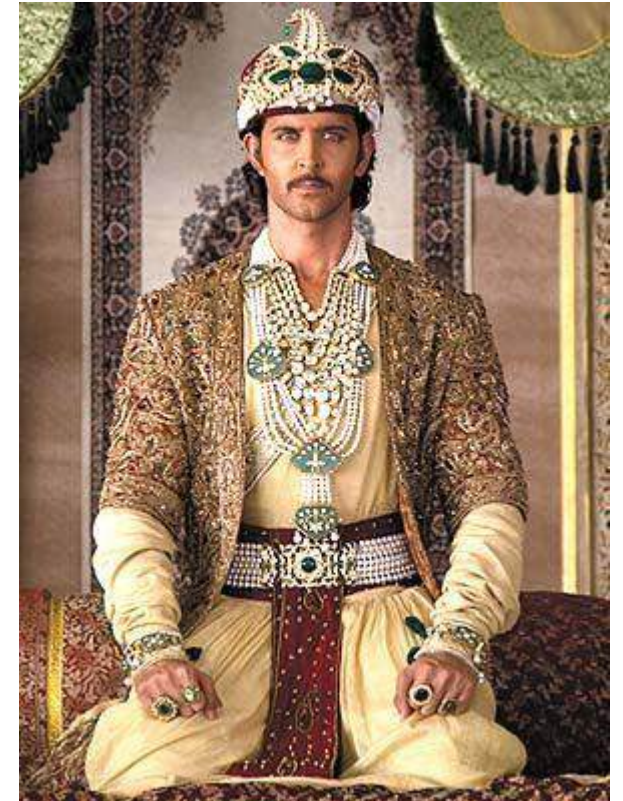
- पानीपत की द्वितीय लड़ाई
 - 5 नवंबर 1556
 - बैरम खां बनाम हेमू
 - हेमू की पराजय
- **31 जनवरी 1561** - मक्का की तीर्थयात्रा के दौरान पाटन नामक स्थान पर मुबारक खान लोहानी ने बैरम खां की हत्या

पेटीकोट (1560-1562)



- हरम की महिलाओं का हस्तक्षेप
- **अन्य नाम** - अतका खेल / पर्दा सरकार
- माहम अनगा (अकबर की पालक माँ)
- अधम खान (माहम अनगा का पुत्र)
- शमसुद्दीन अतका खान
- जीजी अनगा (अतका खान की पत्नी)

अकबर (1562-1605)



20.3) Reign Period

Bairam Khan (1556-60)



- Second Battle of Panipat
 - ↪ November 5, 1556
 - ↪ Bairam Khan versus Hemu
 - ↪ Defeat of Hemu
- **January 31, 1561** - During pilgrimage to Mecca, Mubarak Khan Lohani assassinated Bairam Khan at a place called Patan

Petticoat (1560-1562)



- Interference of harem women
- **Other names** - Atka Khel / Parda
- Government
- Maham Anga (Akbar's foster mother)
- Adham Khan (son of Maham Anga)
- Shamsuddin Atka Khan
- Jiji Anga (wife of Atka Khan)
- 1562

Akbar (1562-1605)



हेमचंद्र विक्रमादित्य

- 1) सम्राट हेमचन्द्र विक्रमादित्य **दिल्ली के सिंहासन पर बैठे अंतिम हिन्दू सम्राट (7 अक्टूबर, 1556)** थे
 - विक्रमादित्य की उपाधि धारण करने वाला 14 वां शासक
- 2) वे **अलवर क्षेत्र में राजगढ़** के निकट **माछेरी ग्राम (राजस्थान)** में 1501 में जन्मे, जो बाद में वृंदावन जाकर वल्लभ सम्प्रदाय के संत हरिवंश से जुड़ गए थे।
- 3) उनका परिवार सुन्दर भविष्य की **कामना से रिवाडी** आ गया था तथा वहीं हेमचन्द्र ने शिक्षा प्राप्त की थी।
- 4) **आदिलशाह** ने व्यावहारिक रूप से हेमचन्द्र को शासन की समस्त जिम्मेदारी सौंपकर, **प्रधानमंत्री** तथा अफगान सेना का मुख्य सेनापति बना दिया।
- 5) अधिकतम अफगान शिविरों ने भी आदिलशाह के खिलाफ विद्रोह कर दिए थे। हेमचन्द्र ने अद्भुत शौर्य तथा वीरता का परिचय देते हुए एक-एक करके उनके विरुद्ध 22 युद्ध लड़े तथा सभी में महान सफलताएं प्राप्त की थी।
- 6) **5 नवम्बर, 1556** ई. को पानीपत में पुनः हेमचन्द्र व मुगलों की सेनाओं में टकराव हुआ। इस प्रकार सम्राट **हेमचन्द्र का 29 दिन तक दिल्ली पर सुशासन का शानदार युग समाप्त हुआ।**

Hemchandra Vikramaditya

- 1) **Emperor Hemchandra Vikramaditya was the last Hindu emperor** to sit on the throne of Delhi :
 - **October 7, 1556** : The 14th ruler to assume the title of Vikramaditya
- 2) He was born in 1501 in **Machheri village near Rajgarh** in the Alwar region (Rajasthan), who later went to Vrindavan and joined Saint Harivansh of the Vallabha sect.
- 3) His family had come to **Rewari with hopes of a prosperous future**, and it was there that Hemchandra received his education.
- 4) **Adil Shah** practically entrusted all governmental responsibilities to Hemchandra, making him **Prime Minister** and Commander-in-Chief of the Afghan army.
- 5) Most Afghan camps had also rebelled against Adil Shah. Hemchandra, displaying remarkable valor and courage, fought 22 battles against them one by one and achieved great success in all.
- 6) On **November 5, 1556** CE, there was again a confrontation between Hemchandra and the Mughal armies at Panipat. Thus ended the glorious era of Emperor Hemchandra's good governance over Delhi that lasted 29 days.

~~ हेमू ~~

विक्रमादित्य की
उपाधि धारण
करने वाला 14
वां शासक

अब्दुल्ला खां
अकबर
बैरम खां
अली कुली
सिकंदर उज्जबेग

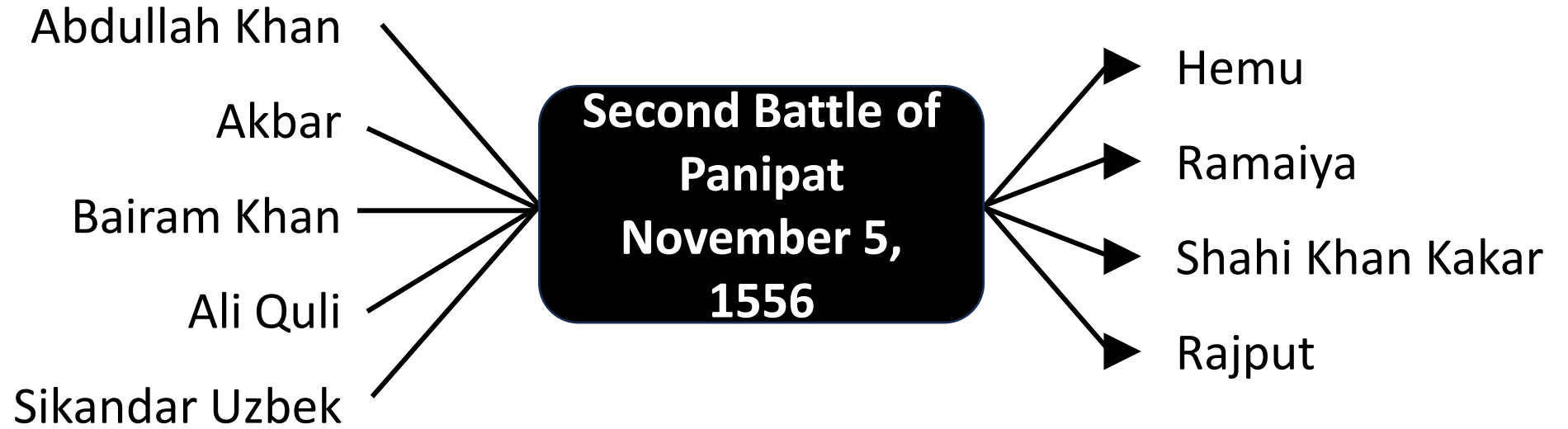
पानीपत द्वितीय
युद्ध
5 नवंबर 1556

हेमू
रमैया
शाही खां ककड़
राजपूत

- **R.P. त्रिपाठी :-** यह विजय अकबर के लिए दैवीय संयोग थी, वहीं हेमू के लिए दुर्घटना थी
- **बदायूंनी :-** अफगान सरदारों का द्वेष भाव हेमू की पराजय का कारण था।
- **अबुल फजल :-** हेमू एक श्रेष्ठ सेवक था। अगर अकबर जैसे महान बादशाह की सेवा में होता तो वह कई महान कार्य करता

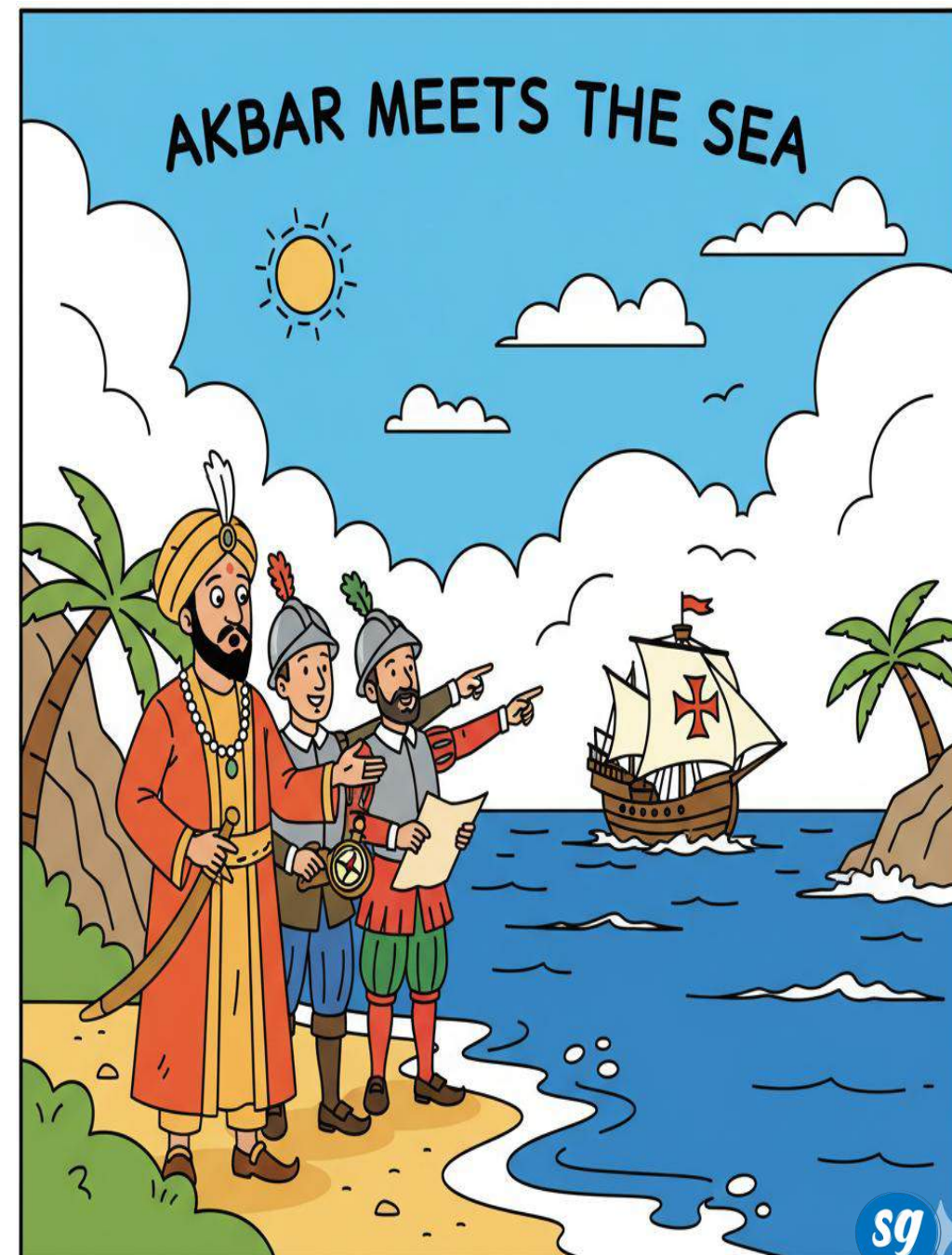
~~ Hemu~~

The 14th ruler
to assume the
title of
Vikramaditya

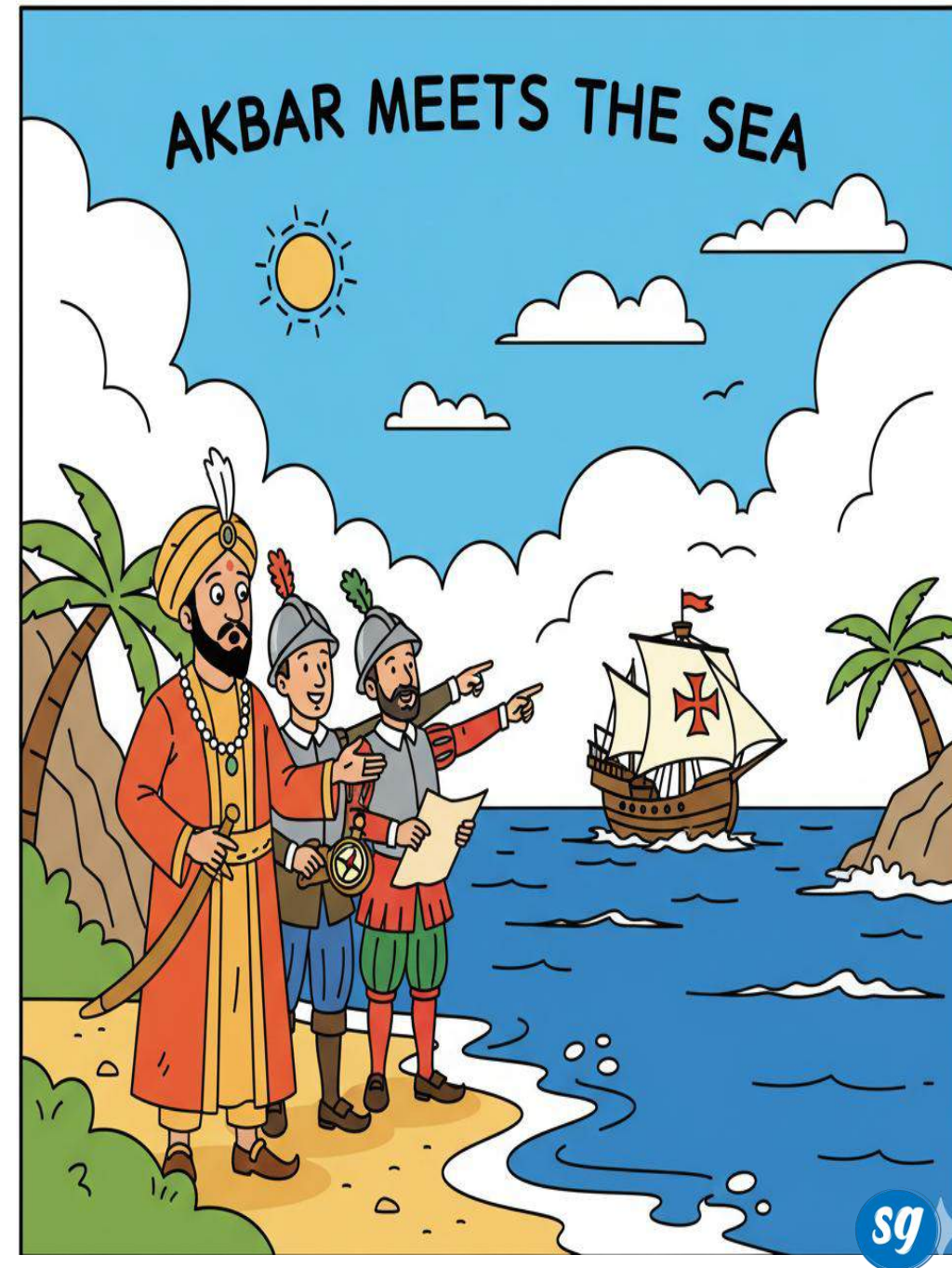


- **R.P. Tripathi** :- This victory was a divine coincidence for Akbar, while it was a disaster for Hemu
- **Badayuni** : The animosity of Afghan chiefs was the cause of Hemu's defeat.
- **Abul Fazl** : Hemu was an excellent servant. Had he been in the service of a great emperor like Akbar, he would have accomplished many great deeds

- 5) 1582 ई. में **अमर सिंह (महाराणा प्रताप का पुत्र)** तथा मुगलों के बीच दिवेर नामक स्थान पर युद्ध हुआ।
- **दिवेर के युद्ध** को **कर्नल टॉड ने** मेवाड़ का मैराथन कहा है।
- 6) अकबर ने **गुजरात विजय (1572)** की स्मृति में सीकरी का नाम **फतेहपुर सीकरी**
- 1602 ई. में बुलन्द दरवाजा बनवाया।
 - गुजरात आक्रमण : समृद्धि व व्यापारिक
 - गुजरात अभियान : अकबर ने **पहली बार समुद्र देखा** व पुर्तगाली से मिला।
 - पुर्तगाली वायसराय : **एंटोनियो दे नोरोन्हा** के दूत एंटोनियो काब्राल से **कार्टाज** प्राप्त किया था।
- 7) गुजरात विजय के बाद **राजा टोडरमल** को साम्राज्य की **लगान व्यवस्था** का उत्तरदायित्व सौंपा गया।



- 5) In 1582 CE, a battle took place between **Amar Singh (son of Maharana Pratap)** and the Mughals at a place called Diver
- Colonel Tod called the **Battle of Diver the Marathon of Mewar.**
- 6) Akbar renamed Sikri as Fatehpur Sikri in memory of the **Gujarat victory (1572)**
- Built Buland Darwaza in 1602 CE.
 - Gujarat invasion: Prosperity and commercial
 - Gujarat campaign: **Akbar saw the sea for the first time** and met the Portuguese.
 - Portuguese Viceroy: Received Cartaz from Antonio Cabral, envoy of **Antonio de Noronha**
- 7) After the conquest of Gujarat, **Raja Todar Mal** was entrusted with the responsibility of the empire's **revenue system.**

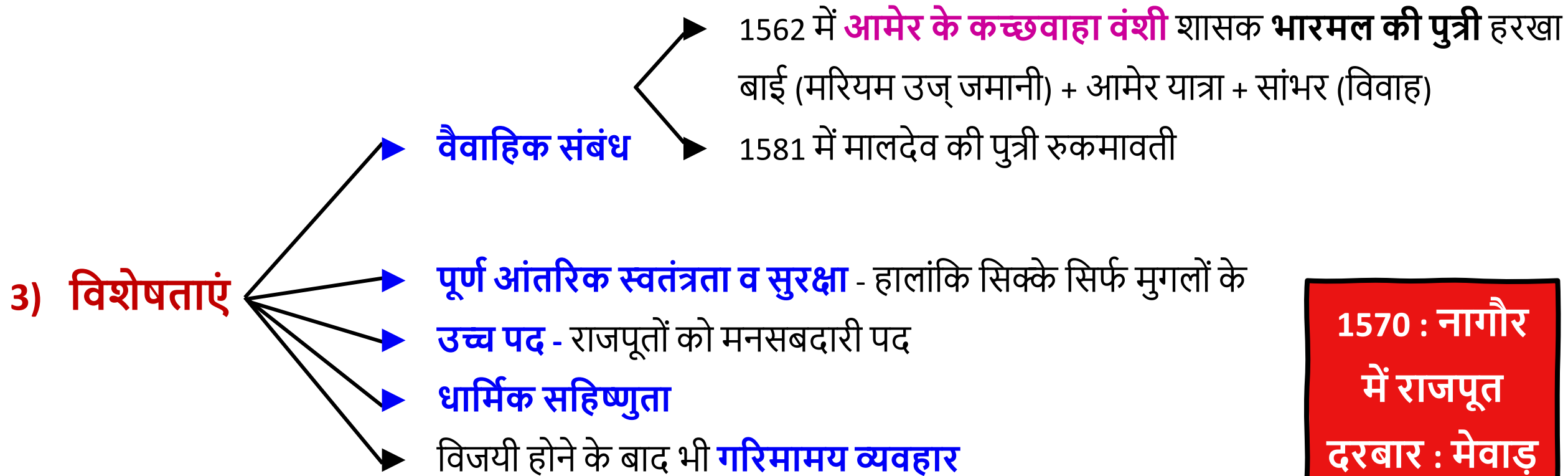


20.5) अकबर : राजपूत नीति



1) **कर्नल टॉड** —————> अकबर राजपूतों की स्वतंत्रता का प्रथम सफल विजेता था

2) राजपूतों के प्रति उदार, समावेशी व सामरिक नीति



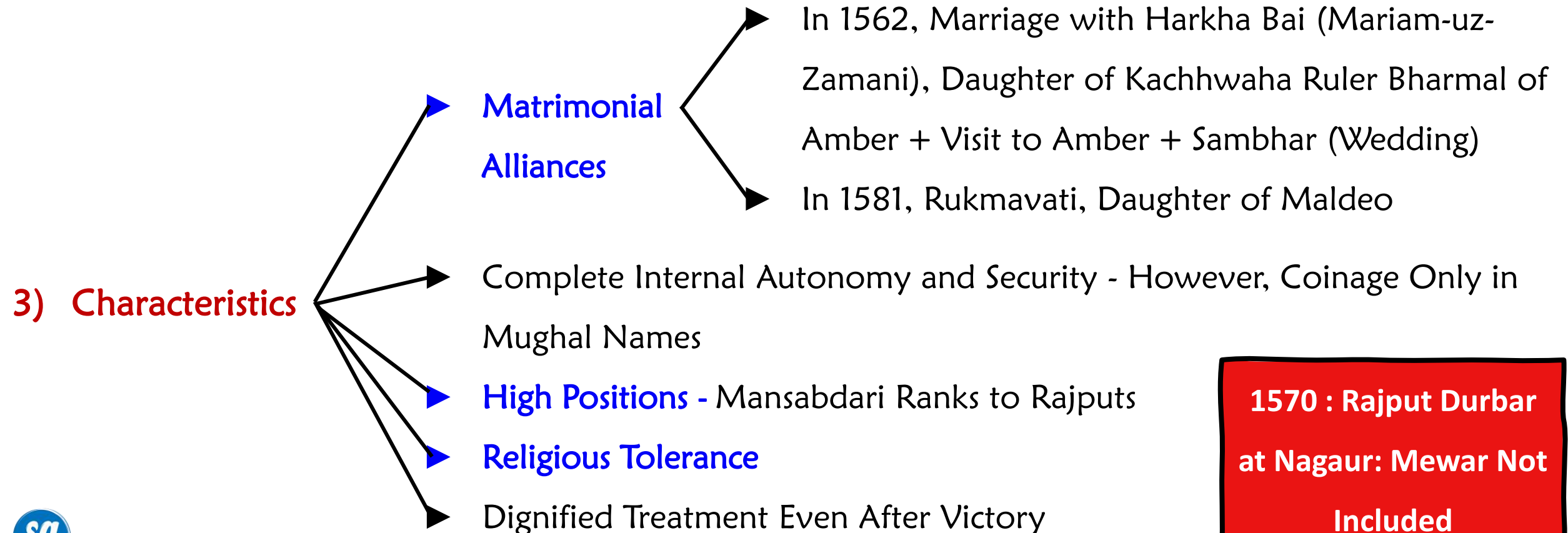
1570 : नागौर
में राजपूत
दरबार : मेवाड़
शामिल नहीं

20.5) Akbar : Rajput Policy



1) **Colonel Tod** → Akbar was the First Successful Conqueror of Rajput Independence

2) Liberal, Inclusive, and Strategic Policy towards Rajputs



**1570 : Rajput Durbar
at Nagaur: Mewar Not
Included**

20.6) अकबर : धार्मिक नीति (सुलह-ए-कुल या सार्वभौमिक या परम शांति)

सामान्य परिचय
व चरण

इबादत खाना
(फतेहपुर
सीकरी, 1575)

मजहर (1579)

दीन ए इलाही
(1582)

अन्य धर्मों के प्रति
नीति



- रूढ़िवादी (1562-1574)
- उदारवादी (1575- 79)
- सुधारवादी (1580-1605)



20.6) Akbar : Religious Policy (Sulh-e-Kul or Universal Peace or Absolute Peace)

General
Introduction and
Phases

Ibadat Khana
(Fatehpur Sikri,
1575)

Mahzar (1579)

Din-i-Ilahi (1582)

Policy towards
Other Religions



- Orthodox (1562-1574)
- Liberal (1575-79)
- Reformist (1580-1605)



B) चरण (Phases)

प्रथम चरण (1562-1574)



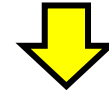
- रूढ़िवादी नीति
- शक्ति की कमी व नक्शबंदी का प्रभाव : कारण
- चित्तौड़ का फतह नामा
- **अपवाद -**
 - ⇒ दास प्रथा समाप्ति (1562)
- तीर्थ यात्रा कर समाप्ति (1563)
- जजिया समाप्ति (1564)

द्वितीय चरण (1575- 79)



- उदारवादी नीति
- **कारण** : शक्ति में वृद्धि + सूफी संतों से संवाद
- **1575** : फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना
- **1579** : महजरनामा की घोषणा
- अजमेर दरगाह की 14 बार यात्रा
- **मुहम्मद गौस ग्वालियरी** : सर्वेश्वरवाद की शिक्षा
- **आध्यात्मिक गुरु** - शेख सलीम चिश्ती

तृतीय चरण (1580-1605)



- सुधारवादी नीति
- **कारण** - इबादतखानों के संवाद + **सलीम चिश्ती** + सर्वेश्वरवाद + अबुल फजल
- **1582** : दीन ए इलाही (तौहीद-ए-इलाही)
- अकबर को उपाधि - "साहिब-ए-जमाना" या "युग पुरुष", "अकबर-ए-आज़म" (महान अकबर), "शहंशाह अकबर" और "महाबली शहंशाह"
- शाही दरबार में सूर्य उपासना

B) Phases

First Phase (1562-1574)



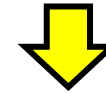
- Orthodox Policy
- Lack of Power and Influence of Naqshbandi: Reasons
- Fatehnama of Chittorgarh
- **Exceptions** -
 - ⇒ Abolition of Slavery System (1562)
- Abolition of Pilgrimage Tax (1563)
- Abolition of Jizya (1564)

Second Phase (1575- 79)



- Liberal Policy
- **Reasons** : Increase in Power + Dialogue with Sufi Saints
- **1575** : Ibadat Khana in Fatehpur Sikri
- **1579** : Declaration of Mahzarnama
- 14 Visits to Ajmer Dargah
- **Muhammad Ghaus Gwaliyari** : Teaching of Pantheism
- **Spiritual Guru** - Sheikh Salim

Third Phase (1580-1605)



- Reformist Policy
- **Reasons** - Dialogues at Ibadat Khana + Salim Chishti + Pantheism + Abul Fazl
- **1582** : Din-i-Ilahi (Tauhid-i-Ilahi)
- Titles for Akbar - "Sahib-e-Zamana" or "Man of the Age", "Akbar-e-Azam" (The Great Akbar), "Shahanshah Akbar" and "Mahabali Shahanshah"
- Sun Worship in Royal Court

E) दीन-ए-इलाही (1582)

1) अन्य नाम —————> तौहिंद ए इलाही (दैवीय एकेश्वरवाद)

2) दीन ए इलाही —————> ईश्वर का धर्म



अकबर द्वारा 1582 में प्रस्तुत धार्मिक सिद्धांत

3) उद्देश्य —————> विभिन्न धर्मों के सकारात्मक तत्वों को मिलाकर एक सार्वभौमिक धार्मिक सिद्धांत बनाना

4) तत्व —————> एकेश्वरवाद, नैतिकता और सहिष्णुता

5) प्रमुख तथ्य :-

☀ एक मात्र हिन्दू —————> बीरबल (महेशदास)

☀ शामिल होने का दिन —————> रविवार

☀ तस्लीम विधि —————> अकबर को दंडवत प्रणाम



E) Din-i-Ilahi (1582)

1) **Other Names** → **Tauhid-i-Ilahi (Divine Monotheism)**

2) **Din-i-Ilahi** → Religion of God



Religious Doctrine Presented by Akbar in 1582

3) **Objective** → To Create a Universal Religious Doctrine by Combining Positive Elements of Various Religions

4) **Elements** → **Monotheism, Morality, and Tolerance**

5) **Key Facts :-**

☀ **The Only Hindu** → **Birbal (Mahesh Das)**

☀ **Day of Joining** → Sunday

☀ **Taslim Method** → Prostration before Akbar



 चहगान ए इख़्लास - शामिल होने हेतु

अकबर को चार चर समर्पित करना

- जीवन
- संपत्ति
- सम्मान
- धर्म

6) प्रमुख कारण :-

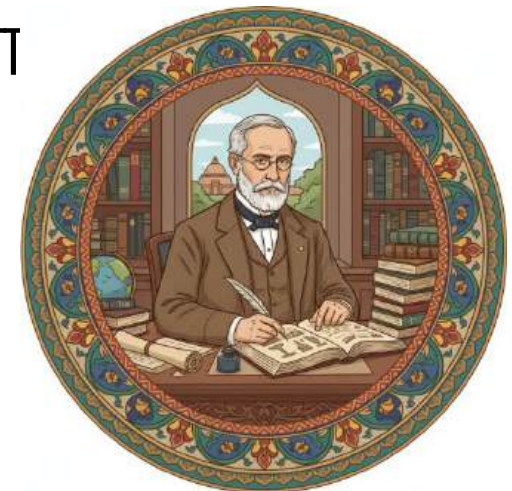
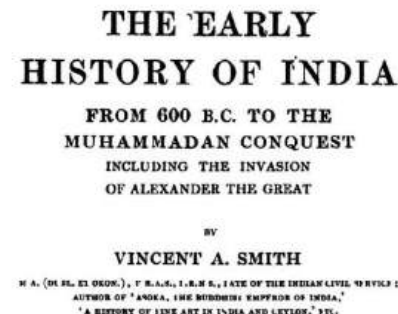
- धार्मिक कट्टरता व भेदभाव
- सुन्नी शिया मतभेद
- रूढ़िवादिता
- यूरोप में धर्मयुद्ध
- इबादतखाना

6) प्रभाव :

- सुलह ए कुल (धार्मिक सहिष्णुता में वृद्धि)
- कट्टरवादी की नाराजगी :- 1580 में **जौनपुर के काजी मुल्ला मुहम्मद याजदी ने फतवा जारी किया**

7) विसेंट आर्थर स्मिथ :

- अकबर की मूर्खता का प्रतीक
- हास्यास्पद अंधकार
- अनियंत्रित निरंकुशता



🌀 **Chahgan-e-Ikhlās** - Dedicating Four

Things to Akbar for Joining

- Life
- Property
- Honor
- Religion

6) **Main Reasons :-**

- 🌀 Religious Fanaticism and Discrimination
- 🌀 Sunni-Shia Differences
- 🌀 Orthodoxy
- 🌀 Religious Wars in Europe
- 🌀 Ibadat Khana

6) **Impact :**

- 🌀 Sulh-e-Kul (Increase in Religious Tolerance)
- 🌀 **Displeasure of Fundamentalists** : In 1580, Qazi Mulla Muhammad Yazdi of Jaunpur Issued a Fatwa

7) **Vincent Arthur Smith :**

- 🌀 A Monument of Akbar's Folly
- 🌀 Ridiculous Darkness
- 🌀 The Monstrous Offspring of Uncontrolled Absolutism

**THE EARLY
HISTORY OF INDIA**
FROM 600 B.C. TO THE
MUHAMMADAN CONQUEST
INCLUDING THE INVASION
OF ALEXANDER THE GREAT

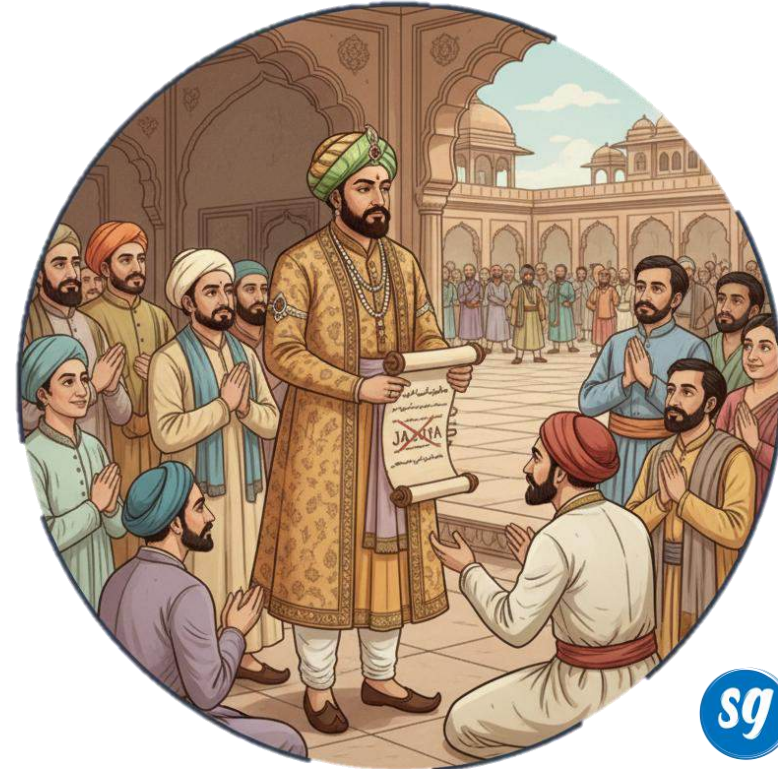
BY
VINCENT A. SMITH

M.A. (DE BEL. ET. QRON.), F.R.S., F.B.M.S., FATE OF THE INDIAN CIVIL SERVICE ;
AUTHOR OF "ANDRA, THE BUDDHIST EMPIRE OF INDIA,"
"A HISTORY OF SINE ART IN INDIA AND CEYLON," ETC.



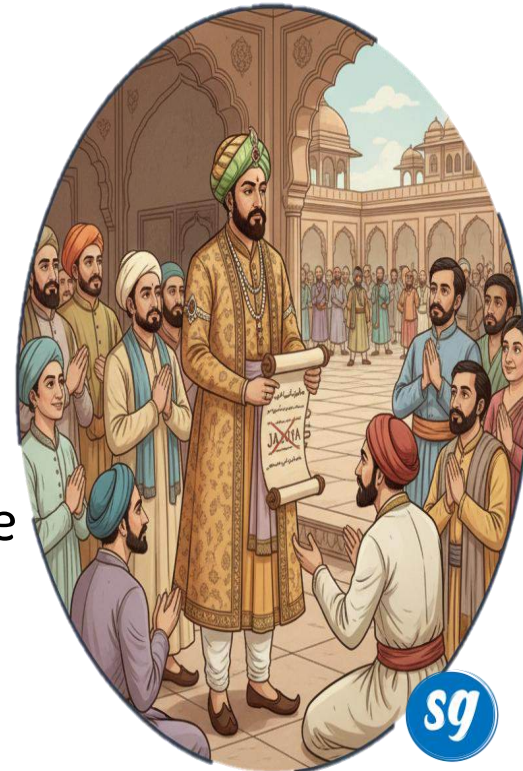
20.7) अकबर : सामाजिक नीति

- 1) 1562 (सातवां वर्ष) —→ दास प्रथा पर रोक
- 2) 1563 —→ मथुरा यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रा कर की समाप्ति
- 3) 1564 —→ संत नरहरि के आग्रह पर जजिया कर की समाप्ति (1575 में पुनः लागू फिर 1579 में हटाया)
- 4) 1578 —→ एक पत्नी विवाह पर बल
- 5) 1582 —→ बाल विवाह का विरोध + विवाह कर
 - लड़का (16 वर्ष) व लड़की (14 वर्ष) + विवाह पंजीकरण
 - तुजबेग अधिकारी + स्वयं की मर्जी से विवाह करने की अनुमति
- 6) 1587 —→ सती प्रतिबंध का प्रयास व विधवा पुनर्विवाह को कानूनी रूप
 - पिता की संपत्ति में पुत्री का हिस्सा
 - अनैतिक वेश्यावृत्ति पर रोक



20.7) Akbar : Social Policy

- 1) **1562 (Seventh Year)** → Ban on Slavery System
- 2) **1563** → Abolition of Pilgrimage Tax During Mathura Visit
- 3) **1564** → Abolition of Jizya Tax at the Request of Saint Narhari (Reimposed in 1575, then Removed in 1579)
- 4) **1578** → Emphasis on Monogamous Marriage
- 5) **1582** → Opposition to Child Marriage + Marriage Tax
 - Boy (16 Years) and Girl (14 Years) + Marriage Registration
 - Tuzbeg Officials + Permission to Marry of One's Own Will
- 6) **1587** → 1587 Attempt to Ban Sati and Legal Status to Widow Remarriage
 - Daughter's Share in Father's Property
 - Ban on Immoral Prostitution





20.8) अकबर के नवरत्न

अबुल फजल (1551-1602)	- लेखक : अकबरनामा और आईन-ए-अकबरी - बाइबिल का फारसी भाषा में अनुवाद - अमेरिका की खोज का उल्लेख - दीन-ए-इलाही का मुख्य पुरोहित 1602 : सलीम (जहाँगीर) के निर्देश पर वीर सिंह बुन्देला ने हत्या कर दी ।
फैजी (1547-1595)	- कवि और अबुल फ़ज़ल के भाई अनुवाद विभाग : फैजी की अध्यक्षता में "लीलावती" का फारसी में अनुवाद

बीरबल (1528–1583)	- असली नाम : महेशदास (ब्राह्मण) - जन्म : उत्तर प्रदेश - अकबर ने बीरबल को कविप्रिय की उपाधि
तानसेन	- जन्म : 1506 में ग्वालियर - असली नाम : रामतनु पांडेय (ब्राह्मण) - गुरु : स्वामी हरिदास और मुहम्मद गौस। - पुस्तकें : मियाँ की टोड़ी, मियाँ का मल्हार, मियाँ का सारंग, दरबारी कान्हरा ध्रुपद गायन शैली और बीन बजाते थे। - अकबर : कण्ठाभरण वाणीविलास की उपाधि - अकबर के दरबार में आने से पूर्व रीवा के राजा रामचंद्र सिंह के दरबारी गायक थे

20.8) Akbar's Nine Jewels (Navratnas)

Abul Fazl (1551-1602)	○ Author : Akbarnama and Ain-i-Akbari ○ Real Name : Abu al-Fazl ibn Mubarak ○ Translation of Bible into Persian Language ○ Mention of Discovery of America ○ Chief Priest of Din-i-Ilahi ○ 1602 : Assassinated by Vir Singh Bundela on Instructions of Salim (Jahangir)	Birbal (1528-1583)	○ Real Name : Mahesh Das (Brahmin) ○ Birth : Uttar Pradesh ○ Akbar Conferred the Title of Kavipriya on Birbal
Faizi (1547-1595)	○ Poet and Brother of Abul Fazl ○ Translation Department: Under the Chairmanship of Faizi ○ Translation of "Lilavati" into Persian	Tansen	○ Birth : 1506 in Gwalior ○ Real Name : Ramtanu Pandey (Brahmin) ○ Gurus : Swami Haridas and Muhammad Ghaus ○ Books : Miyan ki Todi, Miyan ka Malhar, Miyan ka Sarang, Darbari Kanhara ○ Performed Dhrupad Singing Style and Played the Veena ○ Akbar : Title of Kanthabharan Vanivilas ○ Before Coming to Akbar's Court, He was a Court Singer of Raja Ramchandra Singh of Rewa

राजा टोडरमल (खत्री जाति)	○ वित्त मंत्री (दीवान-ए-अशरफ), वकील-उस-सल्लनत (सलाहकार) और संयुक्त वजीर ○ भूमि मापन के लिए जरेब नामक मापदंड ○ टोडरमल बंदोबस्त या ज़ब्त प्रणाली या दहसाला प्रणाली — 10 वर्षों की औसत उपज के आधार पर भूमि कर निर्धारित ○ दहसाला प्रणाली : 1580 ई (24वां वर्ष) ○ शेरशाह सूरी का सलाहकार ○ टोडरमल को भोला बाबा (सादा लहू)	राजा मान सिंह	○ अम्बर (जयपुर) के कच्छवाहा वंश ○ पिता : भगवंत दास ○ बुआ : हरखाबाई (मरियम-उज़-ज़मानी) ○ महाराणा प्रताप के विरुद्ध हल्दीघाटी के युद्ध में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका ○ मुग़ल सेना में एक प्रमुख सेनापति
मुल्ला दो प्याज़ा	○ प्रसिद्ध विद्वषक (court jester) और बुद्धिमान सलाहकार	फकीर अज़ीउद्दीन	○ सूफी फकीर और सलाहकार ○ धार्मिक मामलों में सलाह
		अब्दुल रहीम खान-ए-खाना	○ ज्योतिष, कवि और खगोलशास्त्री ○ पिता : बैरम ख़ान (अकबर के संरक्षक) ○ प्रमुख रचनाएँ : रहीम के दोहे ○ फारसी भाषा : 'तुजुक -ए-बाबरी'

अकबर के वजीर : मुजफ्फर खान तुरबती + राजा टोडरमल + ख्वाजा शाह मंसूर

Raja Todar Mal (Khatri Caste)	○ Finance Minister (Diwan-i-Ashraf), Vakil-us-Saltanat (Advisor), and Joint Wazir ○ Measurement Standard Called Jarib for Land Survey ○ Todarmal Bandobast or Zabt System or Dahsala System - Land Revenue Fixed Based on Average Yield of 10 Years ○ Dahsala System : 1580 AD (24th Year) ○ Advisor to Sher Shah Suri ○ Todar Mal Called Bhola Baba (Simple Blood)	Raja Man Singh	○ Kachhwaha Dynasty of Amber (Jaipur) ○ Father: Bhagwant Das ○ Aunt: Harkhaba (Mariam-uz-Zamani) ○ Played an Important Role in the Battle of Haldighati Against Maharana Pratap ○ A Prominent General in the Mughal Army
		Fakir Aziuddin	○ Sufi Fakir and Advisor ○ Advice on Religious Matters
Mulla Do Piyaza	○ Famous Court Jester and Intelligent Advisor	Abdul Rahim Khan-i-Khana	○ Astrologer, Poet, and Astronomer ○ Father : Bairam Khan (Akbar's Guardian) ○ Major Works : Rahim ke Dohe (Rahim's Couplets) ○ Persian Language: 'Tuzuk-e-Babri'

Akbar's Wazirs: Muzaffar Khan Turbati + Raja Todar Mal + Khwaja Shah Mansur



1) हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल

2) उपाधि

- नरहरि : महापात्र
- अब्दुस्समद : शीरी कलम
- मुहम्मद हुसैन कश्मीरी : जड़ी कलम

3) चार बाग बनाने की परंपरा अकबर के समय शुरू हुई।

4) अकबर नक्कारा (नगाड़ा) नामक वाद्ययंत्र बजाता था।

5) चित्रकार

- दसवंत
- बसावन
- अब्दुर समद

6) प्रमुख गायक

- तानसेन
- बाज बहादुर
- बाबा रामदास
- बैजू बाबरा

7) राल्फ फिंच (1588 से 1591) : अकबर के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज व्यापारी

8) 'जान मिल्लेनहाल (1599 से 1606) : अकबर के समय पश्चिमी तट (गुजरात) आने वाला पहला अंग्रेज.

9) मनसबदारी : अकबर कालीन सैन्य व्यवस्था

10) मुर्शिदाबाद (मखसूदाबाद) से स्थापित किया।

1) Golden Age of Hindi Literature

2) Titles

- Narhari : Mahapatra
- Abdus Samad : Shirin Qalam
- Muhammad Husain Kashmiri : Zari Qalam

3) The Tradition of Creating Char Bagh (Four Gardens) Began During Akbar's Time

4) Akbar Played a Musical Instrument Called Nakkara (Kettledrum)

5) Painters

- Daswant
- Basawan
- Abdur Samad

6) Prominent Singers

- Tansen
- Baz Bahadur
- Baba Ramdas
- Baiju Bawra

7) Ralph Fitch (1588 to 1591) : First English Trader to Visit Akbar's Court

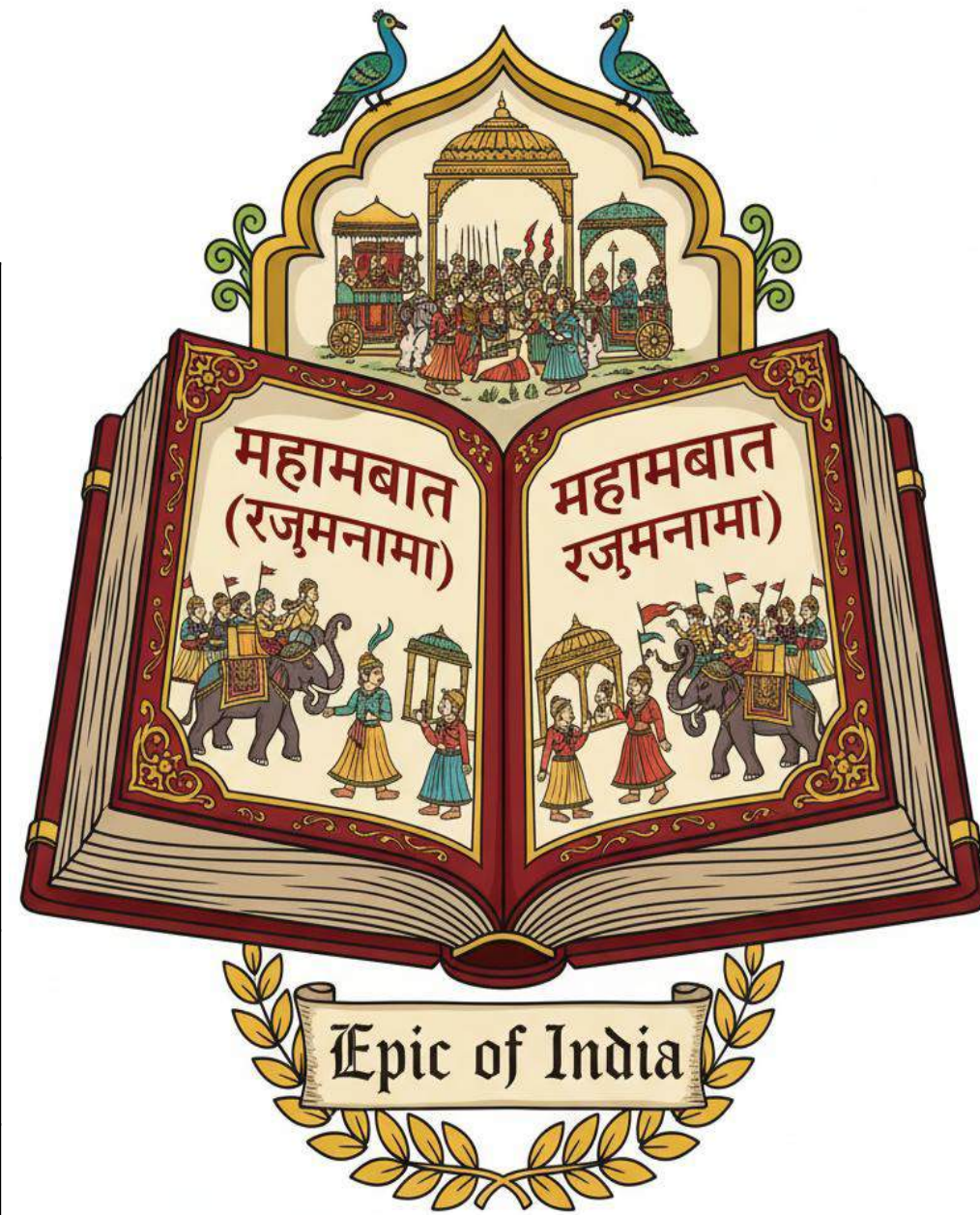
8) John Mildenhall (1599 to 1606) : First Englishman to Arrive on the Western Coast (Gujarat) During Akbar's Time

9) Mansabdari : Military System During Akbar's Period

10) Established from Murshidabad (Makhsudabad)

20.9) अनुवाद विभाग : फैजी की अध्यक्षता में

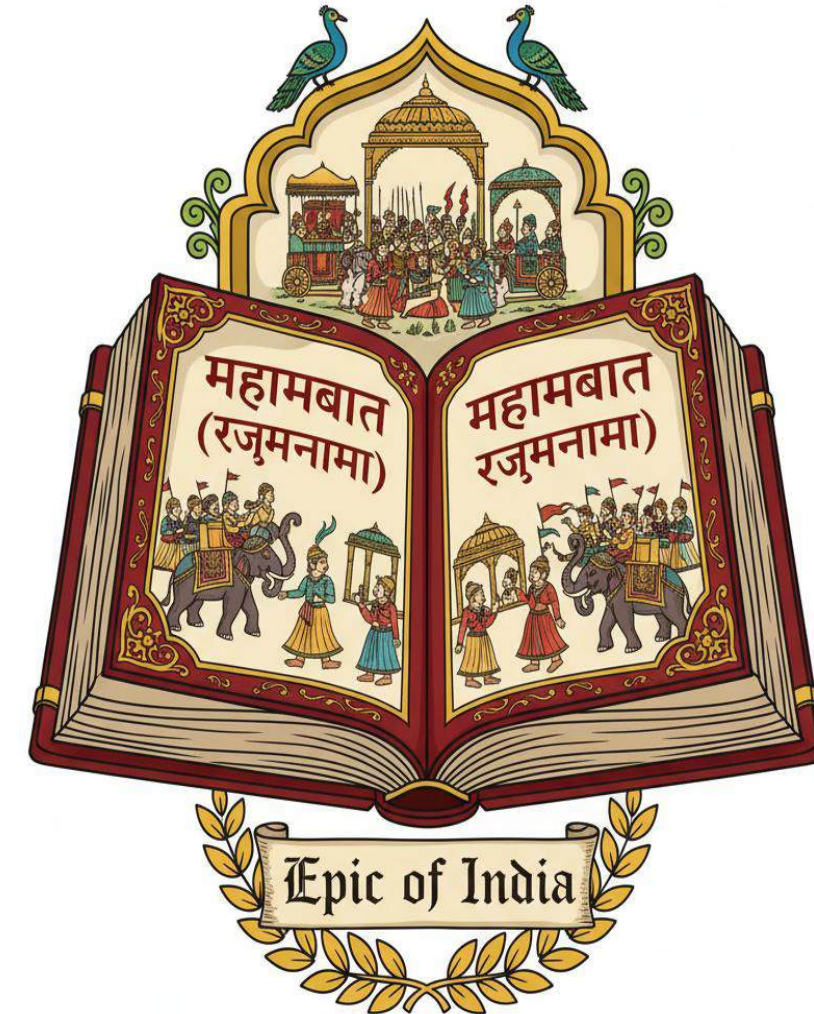
अब्दुल बदायूनी तथा शेख सुल्तान	○ रामायण एवं महाभारत का फारसी अनुवाद ○ 'रज्मनामा' (युद्धों की पुस्तक) : महाभारत
पंचतंत्र	○ फारसी भाषा : अबुल फजल : अनवर-ए-सादात नाम से ○ फारसी भाषा : मौलाना हुसैन फैज : यार-ए-दानिश नाम से ○ पंचतंत्र का अरबी अनुवाद : कलीला व दिम्ना
हाजी इब्राहिम सरहदी	○ फारसी भाषा : अथर्ववेद
मुल्लाशाह मोहम्मद	○ फारसी भाषा : राजतरंगिणी
टोडरमल	○ फारसी भाषा : भागवत पुराण



अकबर अनपढ़ था

20.9) Translation Department: Under the Chairmanship of Faizi

Abdul Badayuni and Sheikh Sultan	- Persian Translation of Ramayana and Mahabharata 'Razmnama' (Book of Wars) : Mahabharata
Panchatantra	- Persian Language : Abul Fazl : Under the Name Anwar-e-Sadat - Persian Language : Maulana Husain Faiz : Under the Name Yar-e-Danish - Arabic Translation of Panchatantra : Kalila wa Dimna
Haji Ibrahim Sarhadi	Persian Language : Atharvaveda
Mulla Shah Muhammad	Persian Language : Rajatarangini
Todar Mal	Persian Language : Bhagavata Purana



Akbar was Illiterate

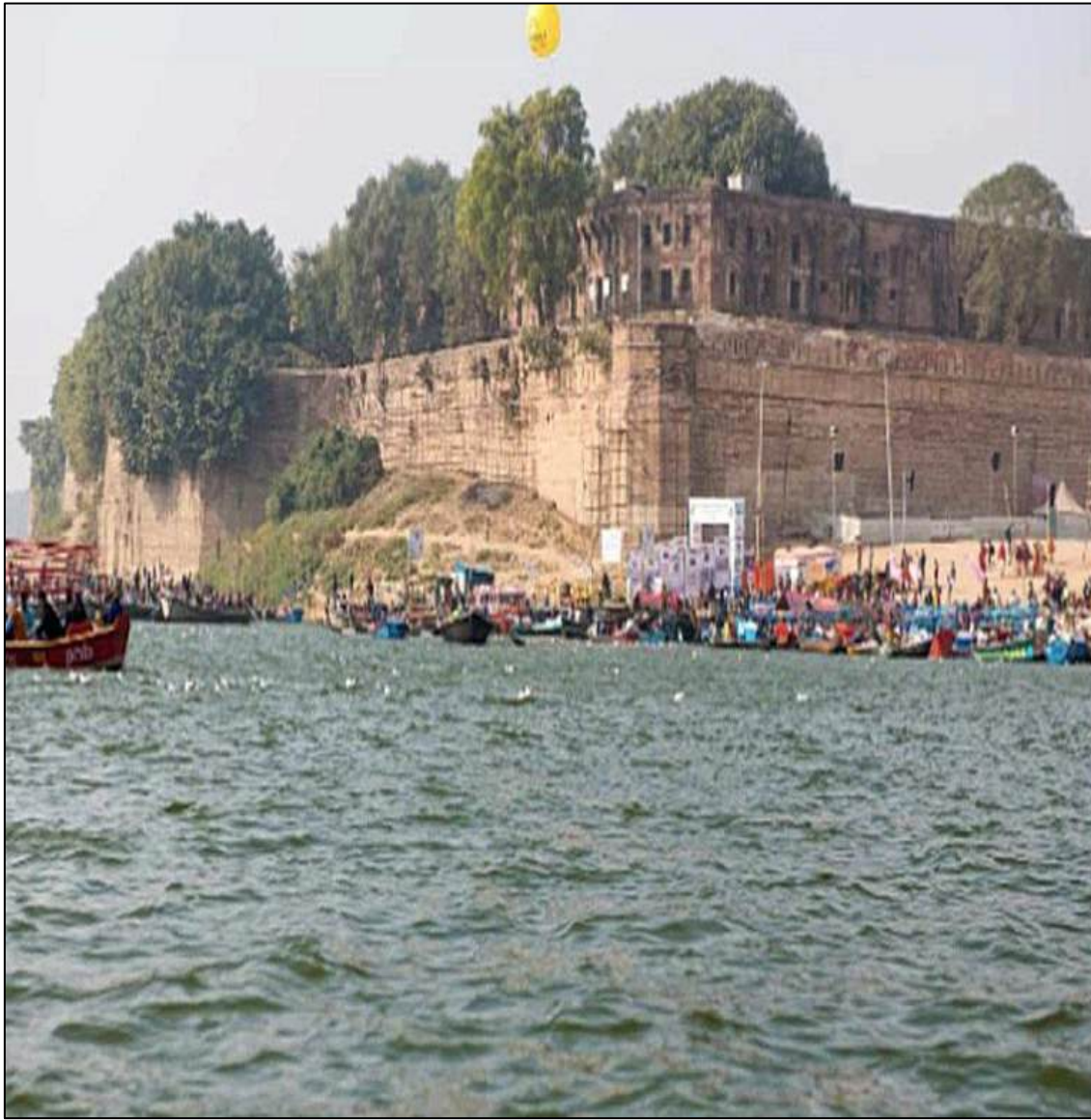


20.10) अकबर की वास्तुकला

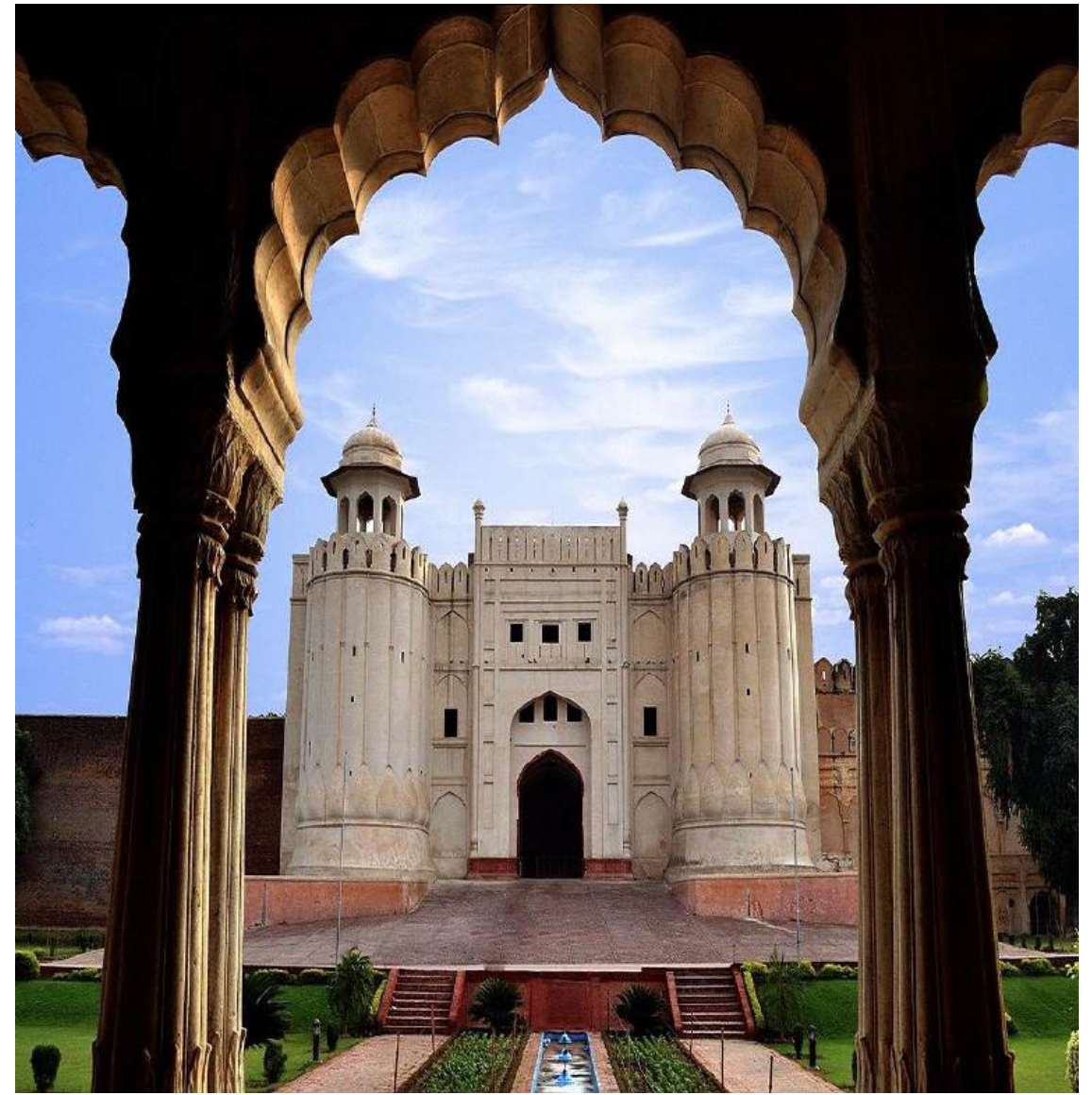
स्थापत्य कृति	स्थान	विशेषता
आगरा का लालकिला	आगरा	○ लाल बलुआ पत्थर से निर्मित + जहाँगीर महल
फतेहपुर सीकरी (Fatehpur Sikri)	आगरा के पास	○ अकबर की राजधानी (1571–1585 ई.) ○ हिन्दू-मुस्लिम स्थापत्य का उत्कृष्ट उदाहरण।
पंच महल (Panch Mahal)	फतेहपुर सीकरी	○ बौद्ध विहार से प्रेरित + पिरामिड के आकार का 5 मंजिला ○ फतेहपुर सीकरी किले की सबसे ऊँची इमारत
दीवान-ए-खास (Diwan-i-Khas)	फतेहपुर सीकरी	○ "इबादतखाना" के रूप में प्रसिद्ध; धर्म चर्चा स्थल।
बुलंद दरवाज़ा (Buland Darwaza)	फतेहपुर सीकरी	○ गुजरात विजय की स्मृति में निर्मित; ○ एशिया का सबसे ऊँचा प्रवेश द्वार (54 मीटर)।
सलीम चिश्ती की दरगाह	फतेहपुर सीकरी	○ सफेद संगमरमर से निर्मित; नक्काशीदार झरोखों से सुसज्जित।
जोधाबाई का महल + बीरबल कोठी	फतेहपुर सीकरी	○ मरियम का हाउस या "गोल्डन हाउस" या "सुनहेरा मकान"
जामा मस्जिद	फतेहपुर सीकरी	○ "शान-ए-फतेहपुर"

20.10) Akbar's Architecture

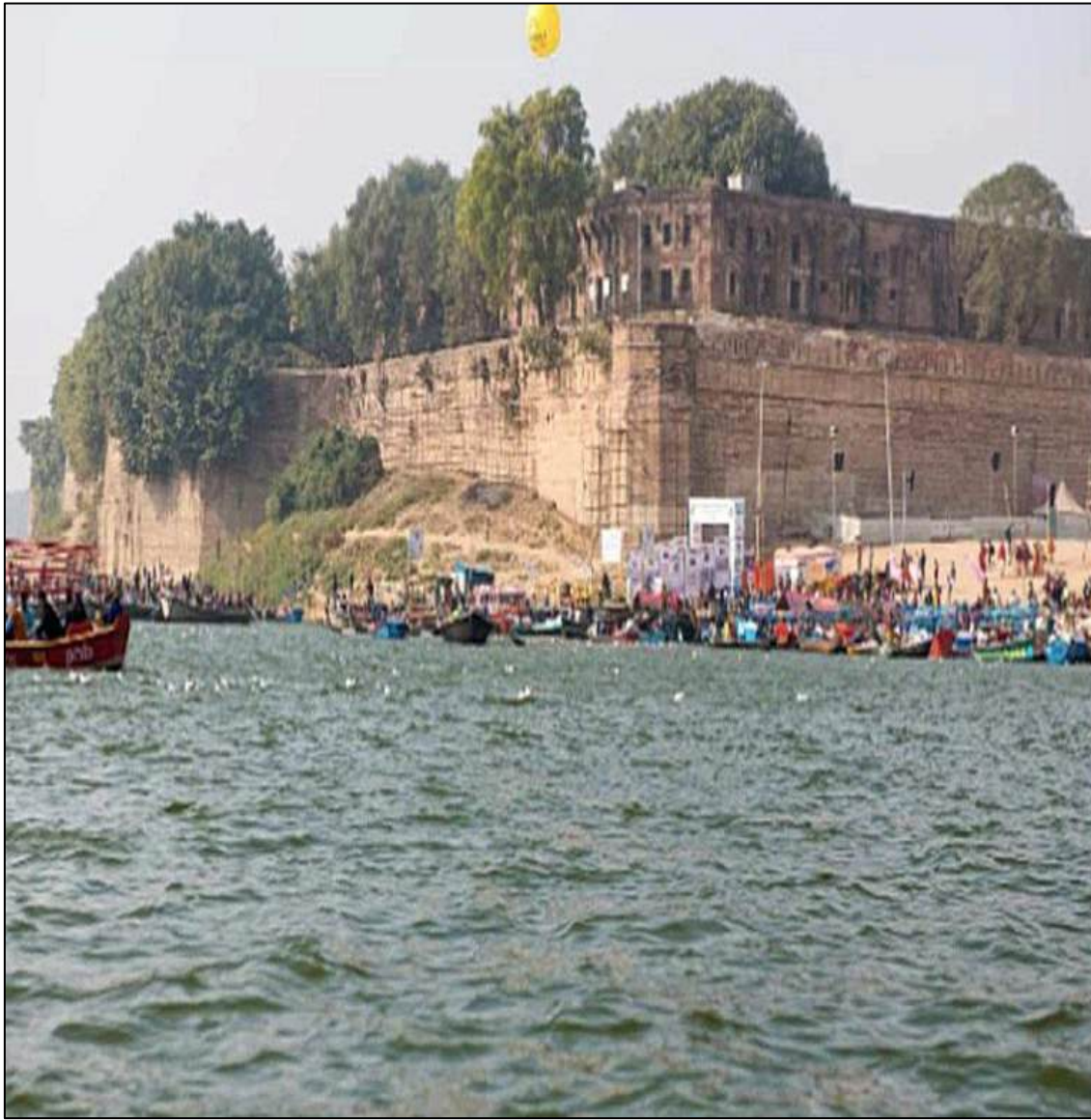
Architectural Work	Place	Speciality
Red Fort of Agra	Agra	○ Built of Red Sandstone + Jahangir Mahal
Fatehpur Sikri	Near Agra	○ Akbar's Capital (1571-1585 AD) ○ Excellent Example of Hindu-Muslim Architecture
Panch Mahal	Fatehpur Sikri	○ Inspired by Buddhist Vihara + Pyramid-Shaped ○ Tallest Building of Fatehpur Sikri Fort
Diwan-i-Khas	Fatehpur Sikri	○ Famous as "Ibadat Khana"; Place for Religious Discussions
Buland Darwaza	Fatehpur Sikri	○ Built in Memory of Gujarat Victory ○ Highest Gateway in Asia (54 Meters)
Dargah of Salim Chishti	Fatehpur Sikri	○ Built of White Marble; Decorated with Carved Jharokhas
Jodha Bai's Palace + Birbal Kothi	Fatehpur Sikri	○ Mariam's House or "Golden House" or "Sunehera Makan"
Jama Masjid	Fatehpur Sikri	○ "Shan-e-Fatehpur"



इलाहाबाद का किला : 1583 में अकबर



लाहौर का किला : 1566 में अकबर



Allahabad Fort : 1583 by Akbar



Lahore Fort : 1566 by Akbar



- हुमायूँ का मकबरा : 1569-70 : दीनापनाह (दिल्ली)
- हुमायूँ की पहली पत्नी : बेगा बेगम (हाजी बेगम)
- फ़ारसी वास्तुकार : मीरक मिर्ज़ा गियास
- भारतीय उपमहाद्वीप का पहला उद्यान-मकबरा



आगरा का लालकिला : 1565 AD



- Humayun's Tomb: 1569-70 : Dinapanah (Delhi)
- Humayun's First Wife : Bega Begum (Haji Begum)
- Persian Architect : Mirak Mirza Ghiyas
- First Garden-Tomb of the Indian Subcontinent



Red Fort of Agra : 1565 AD



फतेहपुर सीकरी में शाहीमहल



दीवाने खास



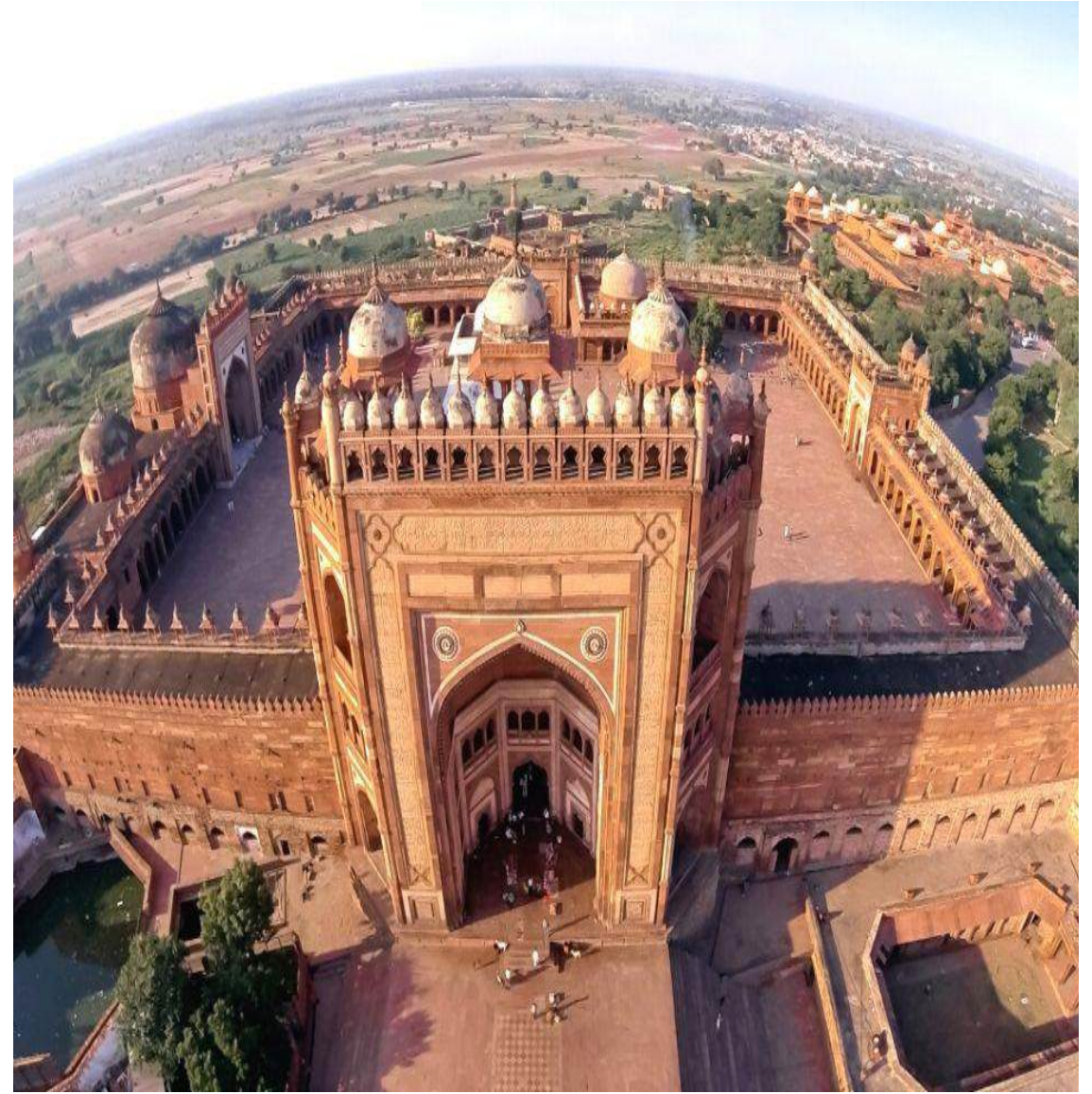
Shahi Mahal in Fatehpur Sikri



Diwan-i-Khas



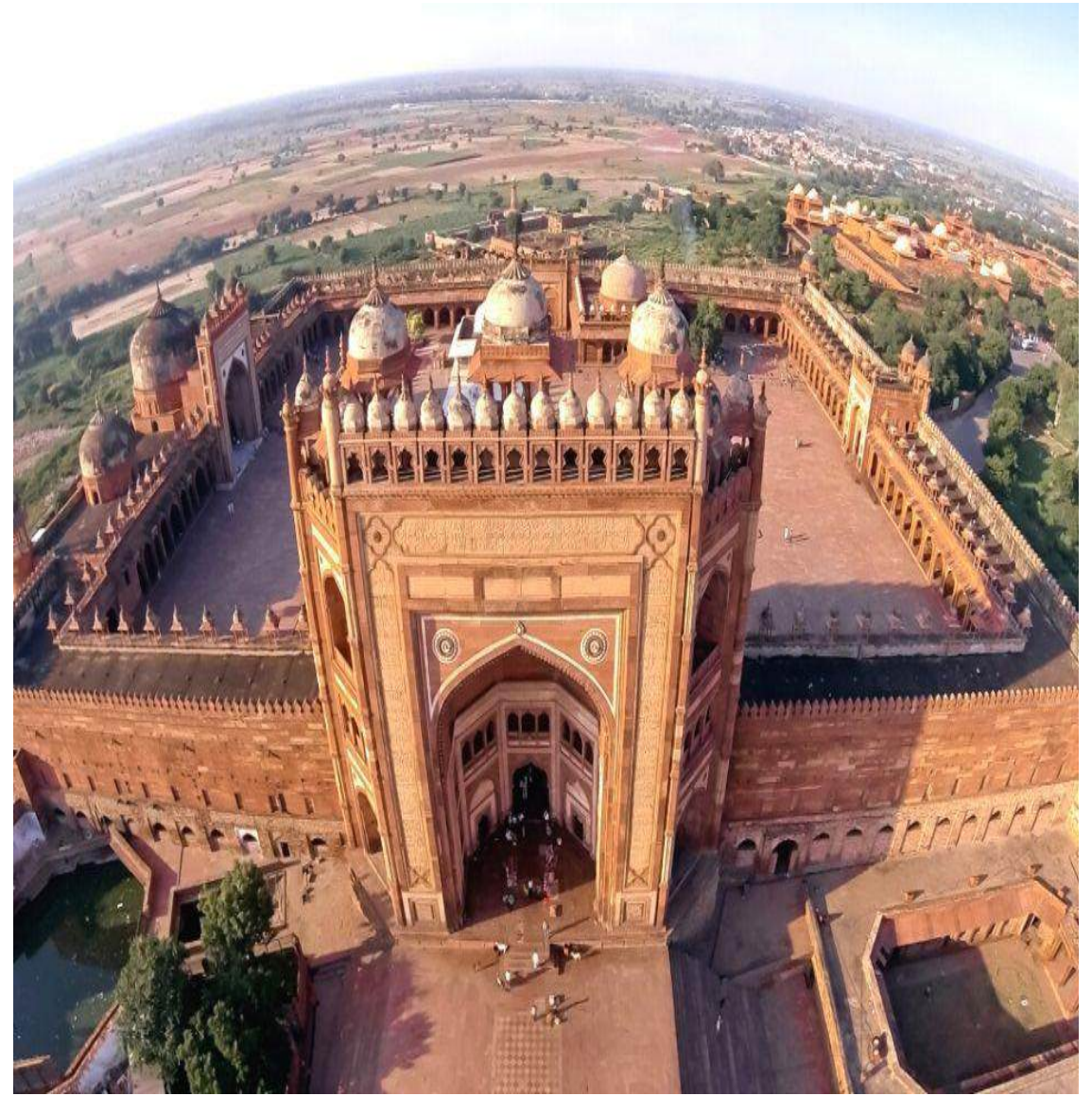
पंचमहल



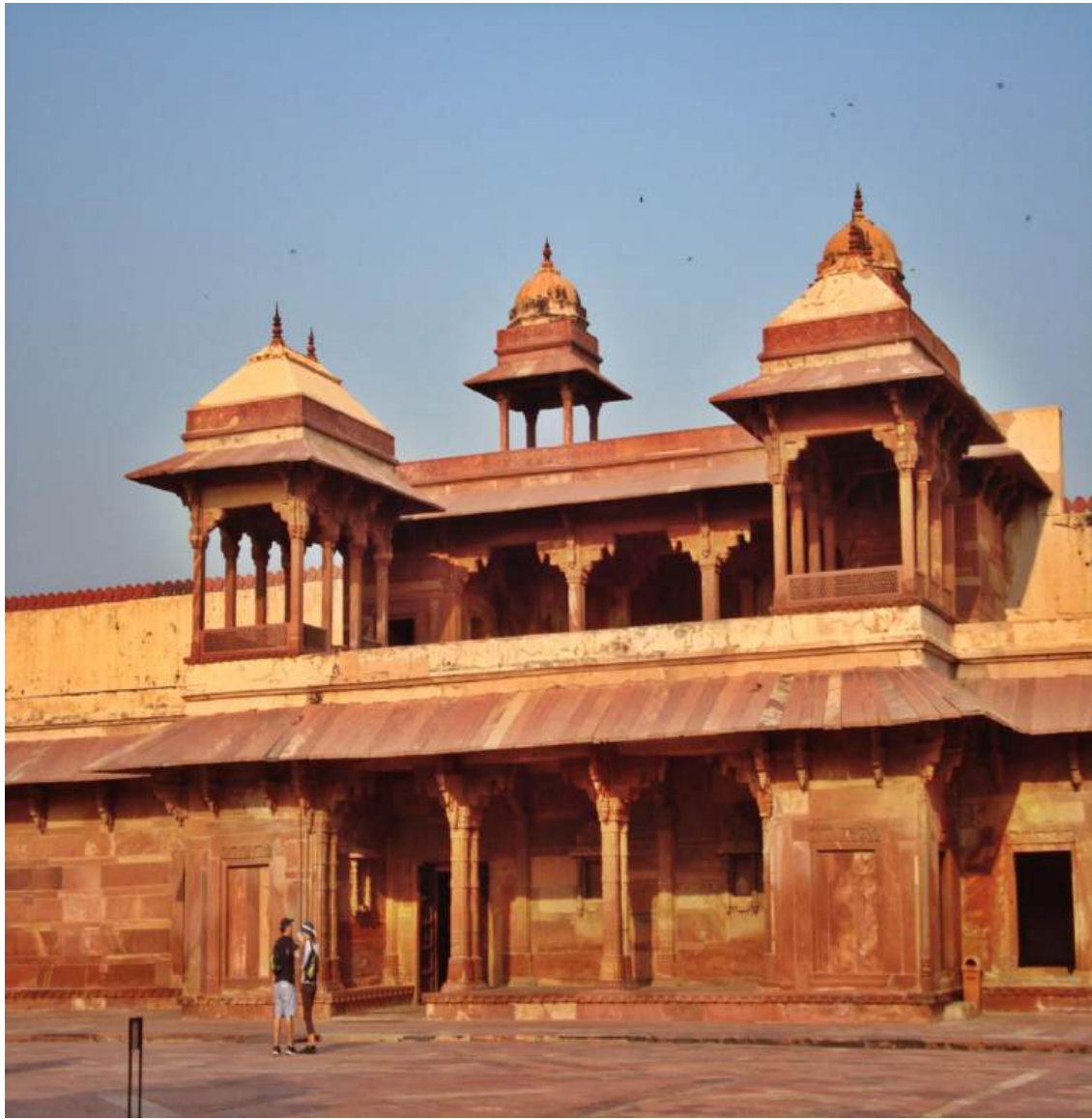
बुलंद दरवाजा



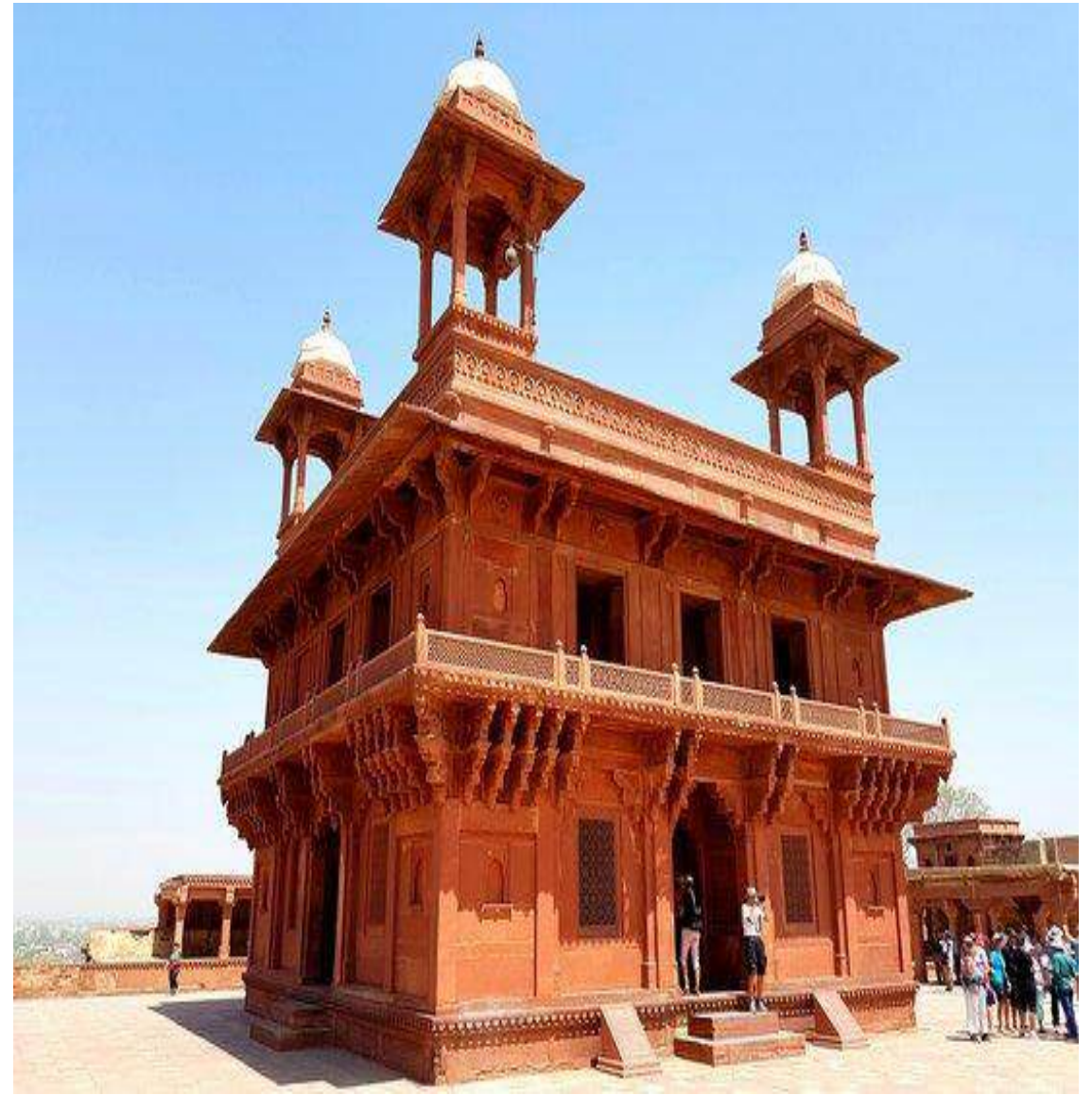
Panch Mahal



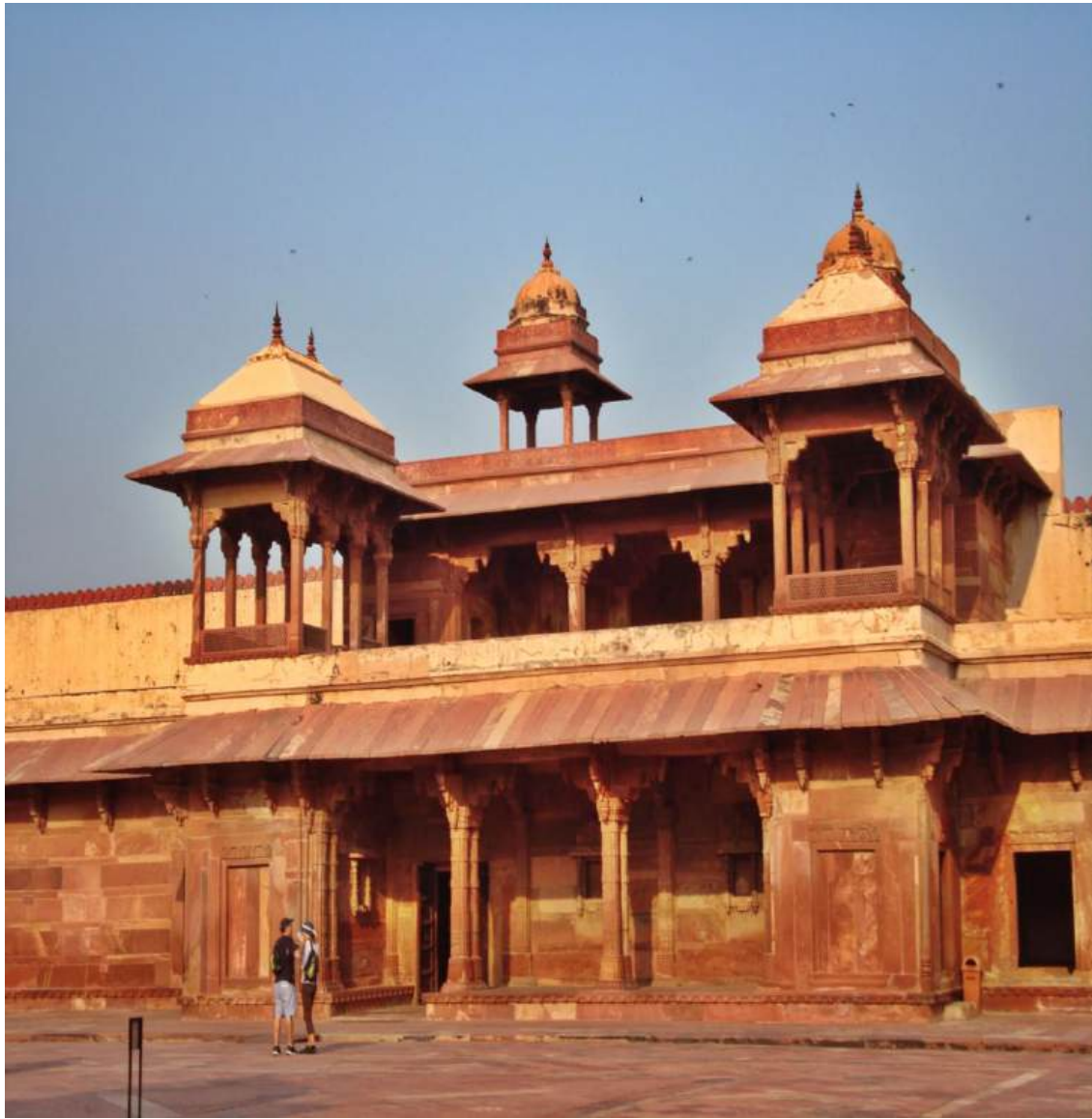
Buland Darwaza



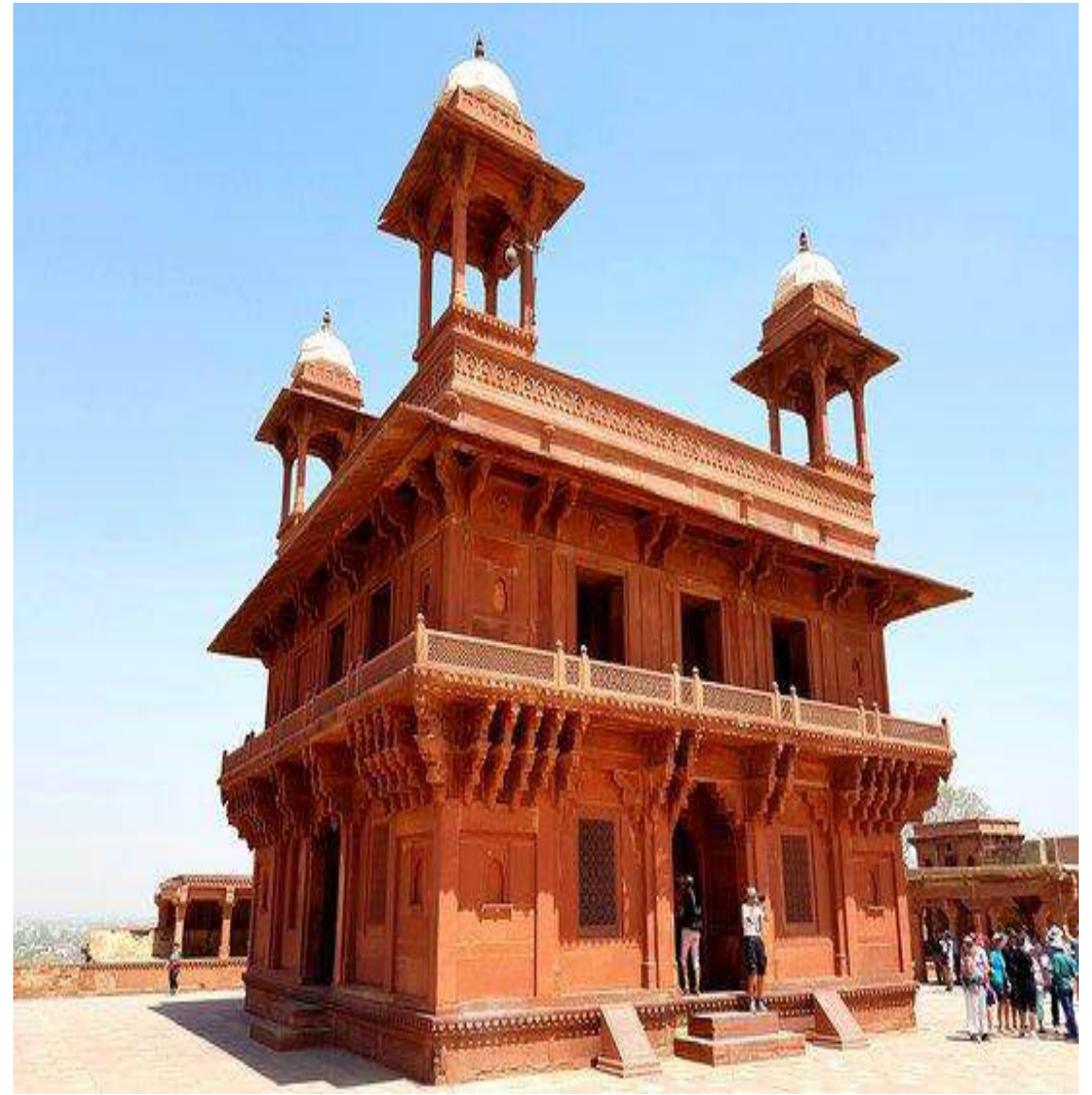
जोधाबाई का महल



इबादतखाना



Jodha Bai's Palace



Ibadat Khana

20.11) अकबर की मृत्यु व अन्य तथ्य

- 1) मृत्यु की तिथि : 27 अक्टूबर, 1605
- 2) मृत्यु स्थान : फतेहपुर सीकरी
- 3) मृत्यु का कारण : आंत्र रोग (पेचिश)
- 4) मकबरा : सिकंदरा (आगरा के पास)
- 5) अकबर को इतिहासकार और आधुनिक विद्वानों ने एक "प्रबुद्ध निरंकुश" माना है

- इसका निर्माण अकबर ने शुरू करवाया था जबकि जहांगीर में खत्म करवाया
- लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर

20.11) Akbar's Death and Other Facts

- 1) Date of Death : **27th October, 1605**
- 2) Place of Death : **Fatehpur Sikri**
- 3) Cause of Death : **Intestinal Disease** (Dysentery)
- 4) Tomb : **Sikandra (Near Agra)**
- 5) Akbar has been Considered an "Enlightened Despot" by Historians and Modern Scholars

- Its Construction was Started by Akbar while Jahangir Completed It
- Red Sandstone and Marble

विवरण

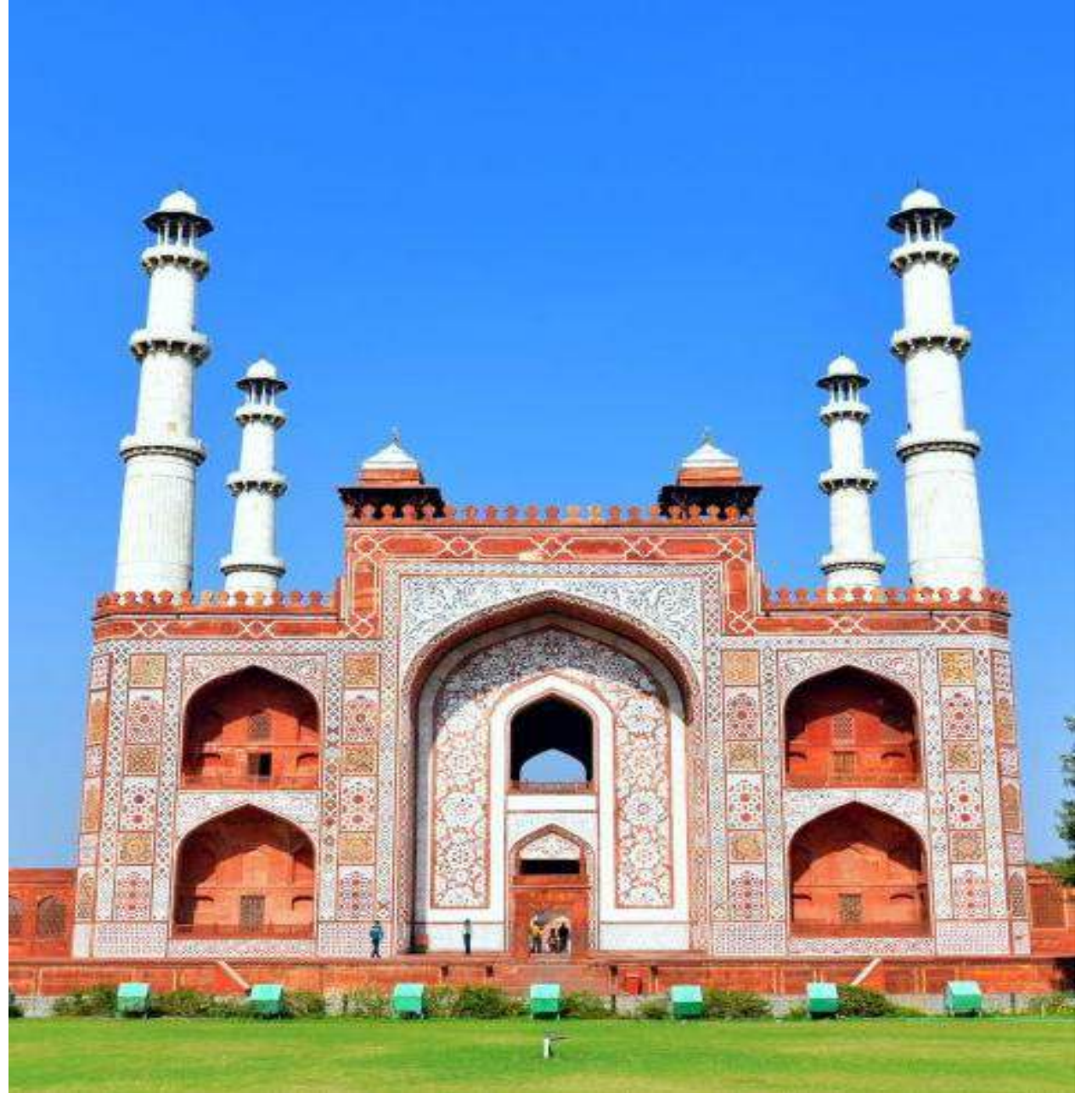
निर्माण कार्य आरंभ किया : अकबर

पूरा किया गया : जहाँगीर

निर्माण सामग्री : लाल बलुआ पत्थर
और संगमरमर

शैली : हिंदू और इस्लामी स्थापत्य
कला का समन्वय

विशेषता: यह मकबरा चार-स्तरीय है,
ऊपर संगमरमर का मंडप है।



Description

Construction Work Started: Akbar

Completed : Jahangir

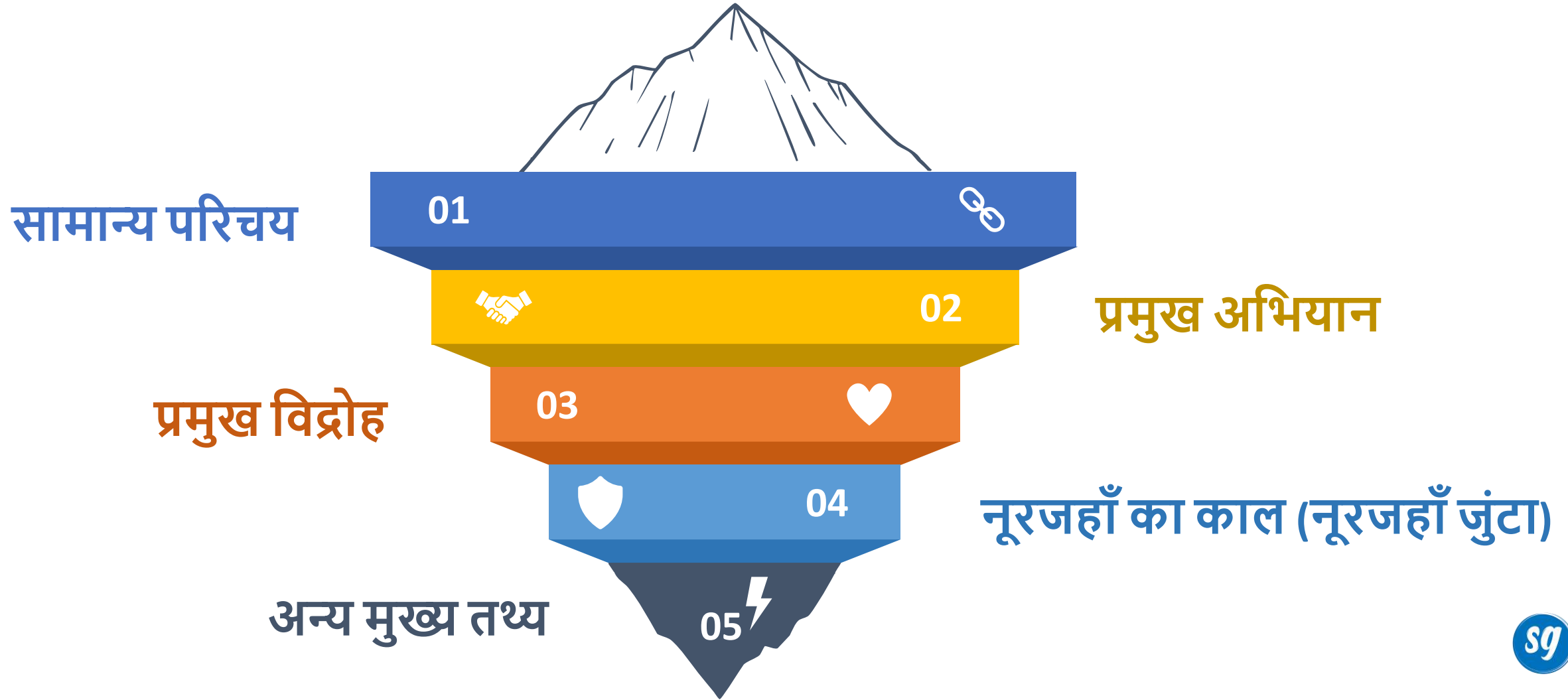
Construction Materials: Red Sandstone and Marble

Style : Synthesis of Hindu and Islamic Architectural Art

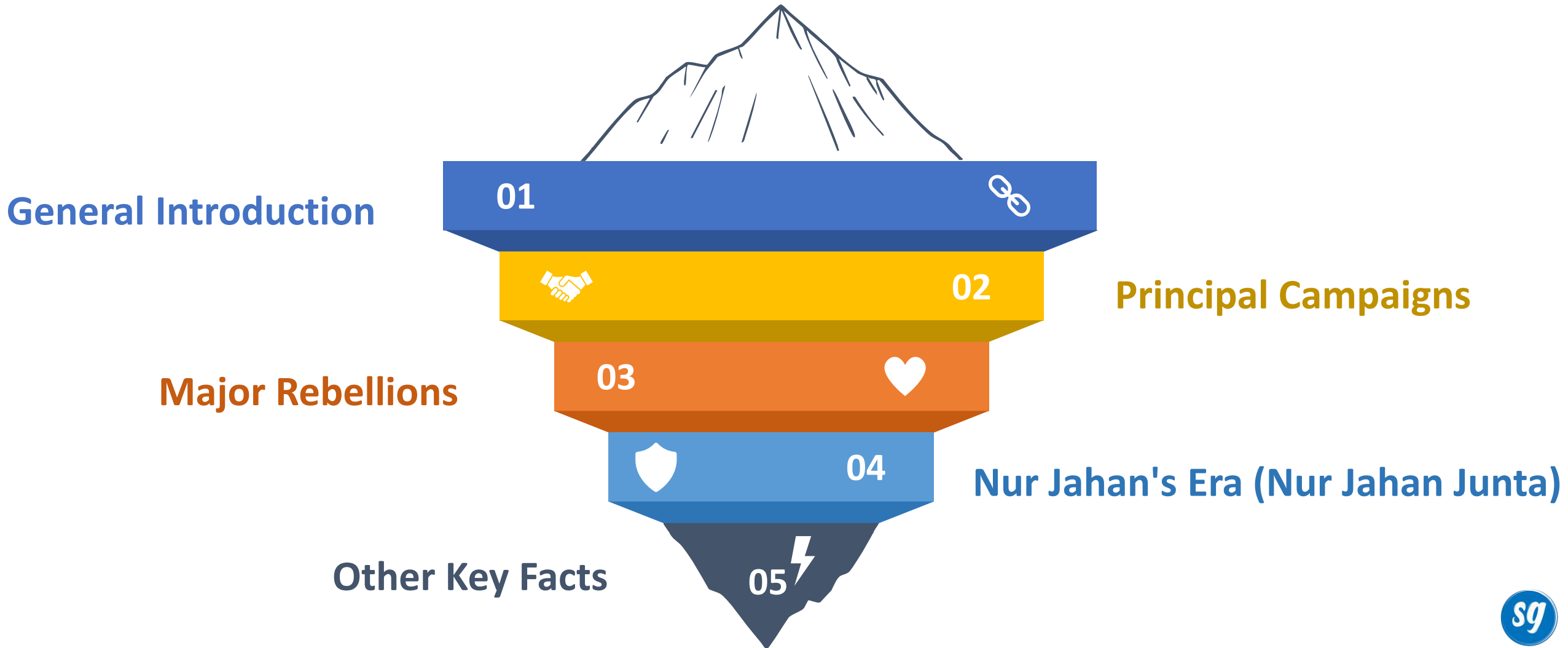
Specialty : This Tomb is Four-Tiered, with a Marble Pavilion on Top



21) मिर्ज़ा नूर-उद्दीन बेग़ मोहम्मद ख़ान सलीम जहाँगीर (1605-1627)



21) Mirza Nur-ud-din Begh Mohammad Khan Salim Jahangir (1605-1627)



21.1) सामान्य परिचय



- 1) **जन्म** —————> 30 अगस्त 1569, चिश्ती की कोठी फतेहपुर सीकरी (UP)
- 2) **मूल नाम** —————> सलीम (शेखु बाबा)
- 3) **पिता** —————> अकबर
- 4) **माता** —————> हरखा बाई (मरियम-उज़-ज़मानी)
- 5) **शिक्षक** —————> अब्दुरहीम खानखाना तथा अब्दुल नबी
- 6) **राज्याभिषेक :-**

☀ 3 नवंबर 1605

☀ उपाधि - नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाह गाजी

☀ 12 घोषणाएं ("दस्तूर-उल-अमल" या "आइने जहांगीरी")

☀ आगरा (शाहबुर्ज) में 30 गज लंबी न्याय की जंजीर (जंजीर-ए-अदली)



21.1) General Introduction



- 1) **Birth** —————→ 30 August 1569, Chishti's Chamber, Fatehpur Sikri (UP)
- 2) **Original Name** → Salim (Shekhu Baba)
- 3) **Father** —————→ Akbar
- 4) **Mother** —————→ Harkha Bai (Mariam-uz-Zamani)
- 5) **Teachers** —————→ Abdur Rahim Khan-i-Khanan and Abdul Nabi
- 6) **Coronation :-**
 - ☀ **3 November 1605**
 - ☀ **Title - Nur-ud-din Muhammad Jahangir Badshah Ghazi**
 - ☀ **12 Proclamations** ("Dastur-ul-Amal" or "Ain-e-Jahangiri")
 - ☀ **Chain of Justice (Zanjir-e-Adl) measuring 30 yards in length at Agra (Shahburj)**



7) प्रमुख विवाह

- ▶ **मानबाई (शान-ए-बेगम, 1585)** : भगवंतदास की पुत्री और मानसिंह की बहन
 - मानबाई ने जहाँगीर और बेटे खुसरो के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण 1604 में आत्महत्या कर ली थी
- ▶ **जोधाबाई (जगत गोसाई, 1586)**
 - **उपाधियां** : मलिक जहां / ताजबीबी / बिल्किस मक्कानी / बलमति बेगम
 - **पिता** : मारवाड़ (जोधपुर) शासक मोटाराजा उदयसिंह
 - **पुत्र** : खुर्रम (शाहजहां)
 - **मकबरा** : बोहराबाग (आगरा)
- ▶ **मेहरुन्निसा (नूरजहां, 1611)**

8) पुत्र → खुसरो + परवेज + **खुर्रम** + शहरयार + जहांदार



विवाह : लाडली बेगम (शेर अफगान व मेहरुन्निसा की पुत्री)



7) Principal Marriages

- ▶ **Man Bai (Shah-e-Begum, 1585)** : Daughter of Bhagwan Das and sister of Man Singh
 - Committed suicide due to anguish caused by Jahangir – Son : Khusrau
- ▶ **Jodha Bai (Jagat Gosain, 1586)**
 - **Titles** : Malik Jahan / Tajbibi / Bilqis Makkani / Balmati Begum
 - **Father** : Mota Raja Udai Singh, ruler of Marwar (Jodhpur)
 - **Son** : Khurram (Shah Jahan)
 - **Tomb** : Bohrabagh (Agra)
- ▶ **Mehr-un-Nissa (Nur Jahan, 1611)**



8) **Sons** → Khusrau + Parvez + **Khurram** + Shahryar + Jahandar



Marriage: Ladli Begum (daughter of Sher Afghan and Mehr-un-Nissa)

9) आत्म कथा →

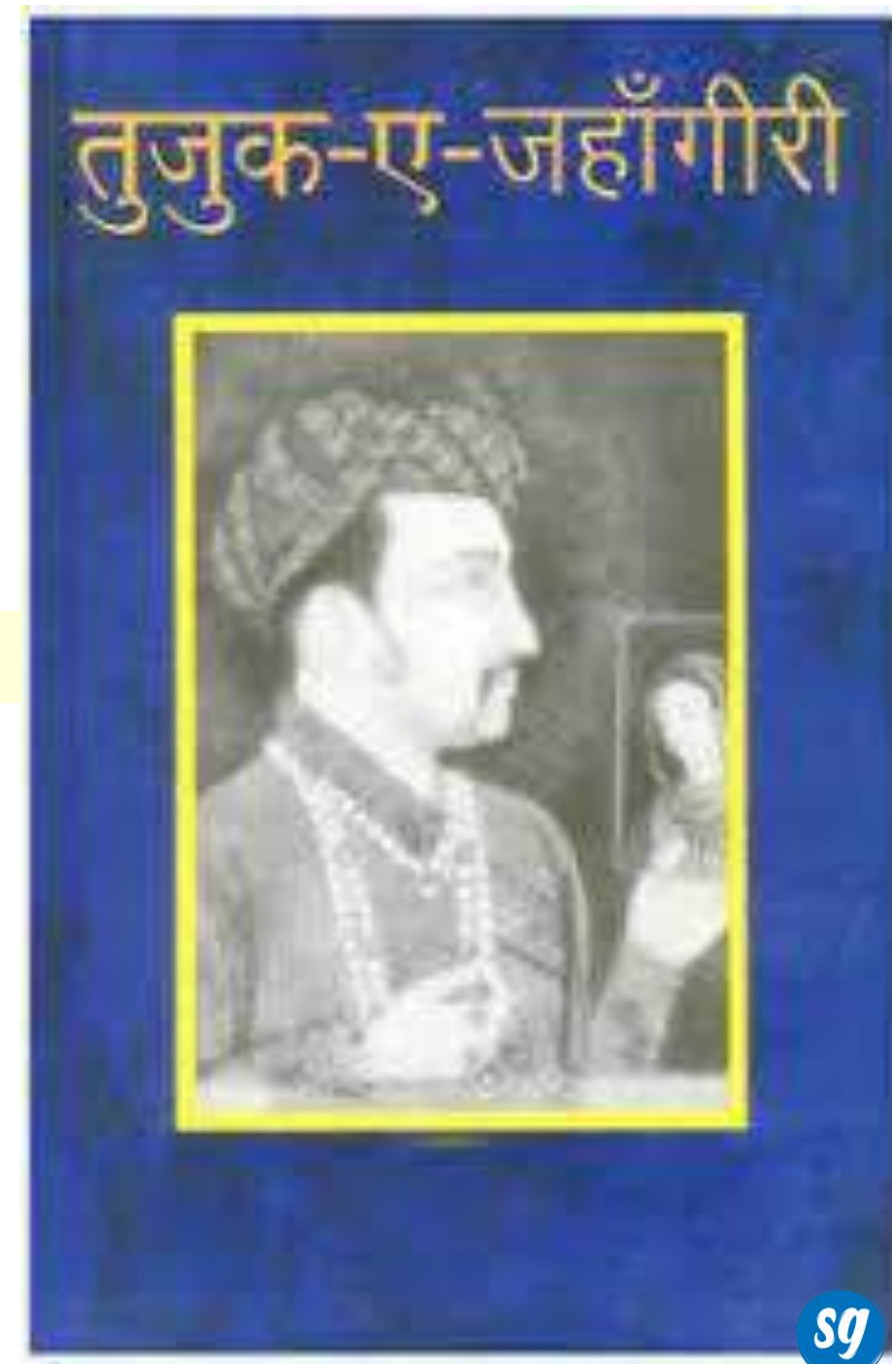
तुजुक ए जहांगीरी

पूरा किया : मौतबिंद खां

10) मृत्यु → 28 अक्टूबर 1627 (भीमवर,
कश्मीर)



मकबरा – शाहदरा बाग (रावी नदी, लाहौर) - नूरजहां द्वारा निर्मित



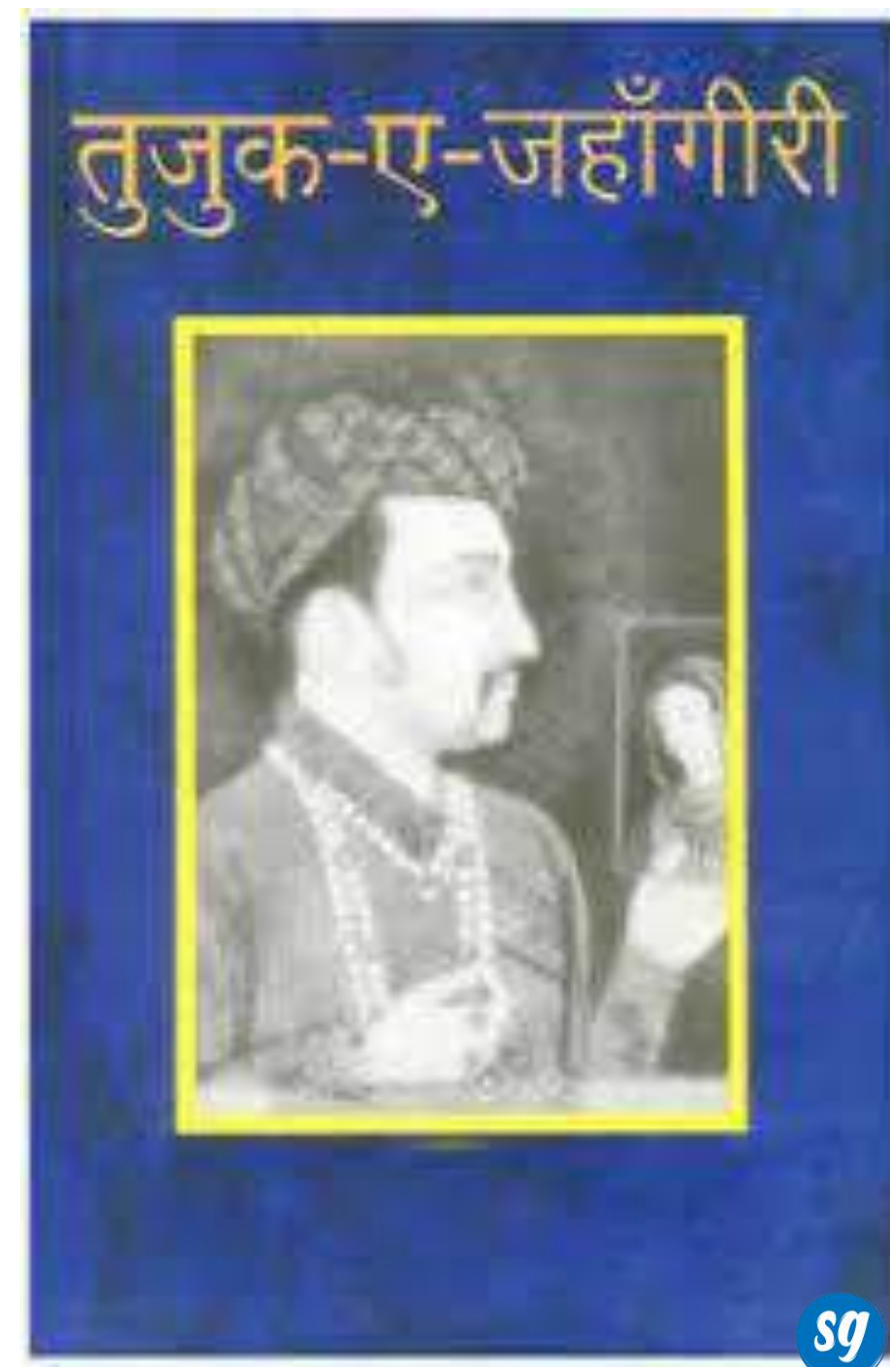
9) Autobiography → Tuzuk-e-Jahangiri

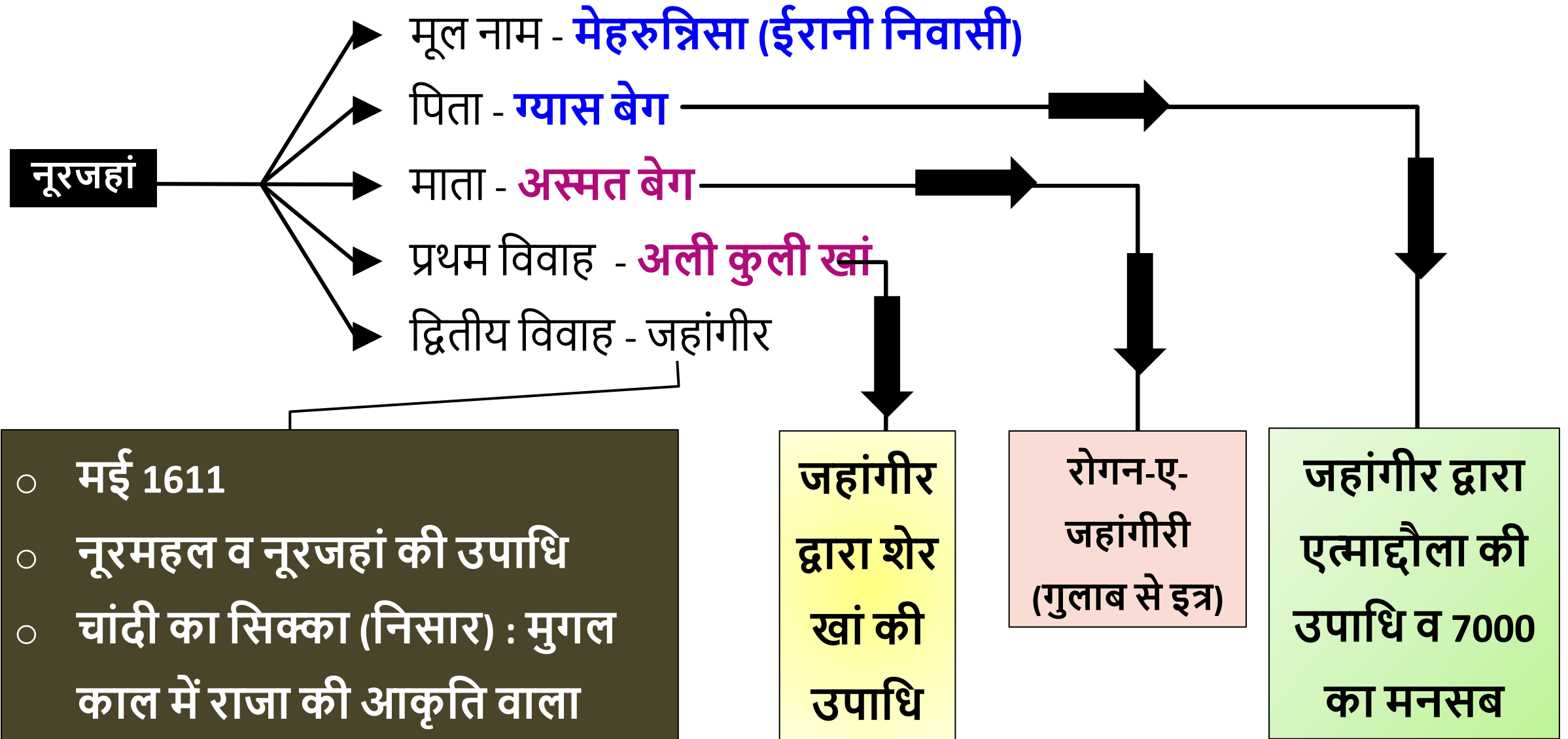
Completed by : Mutamid Khan

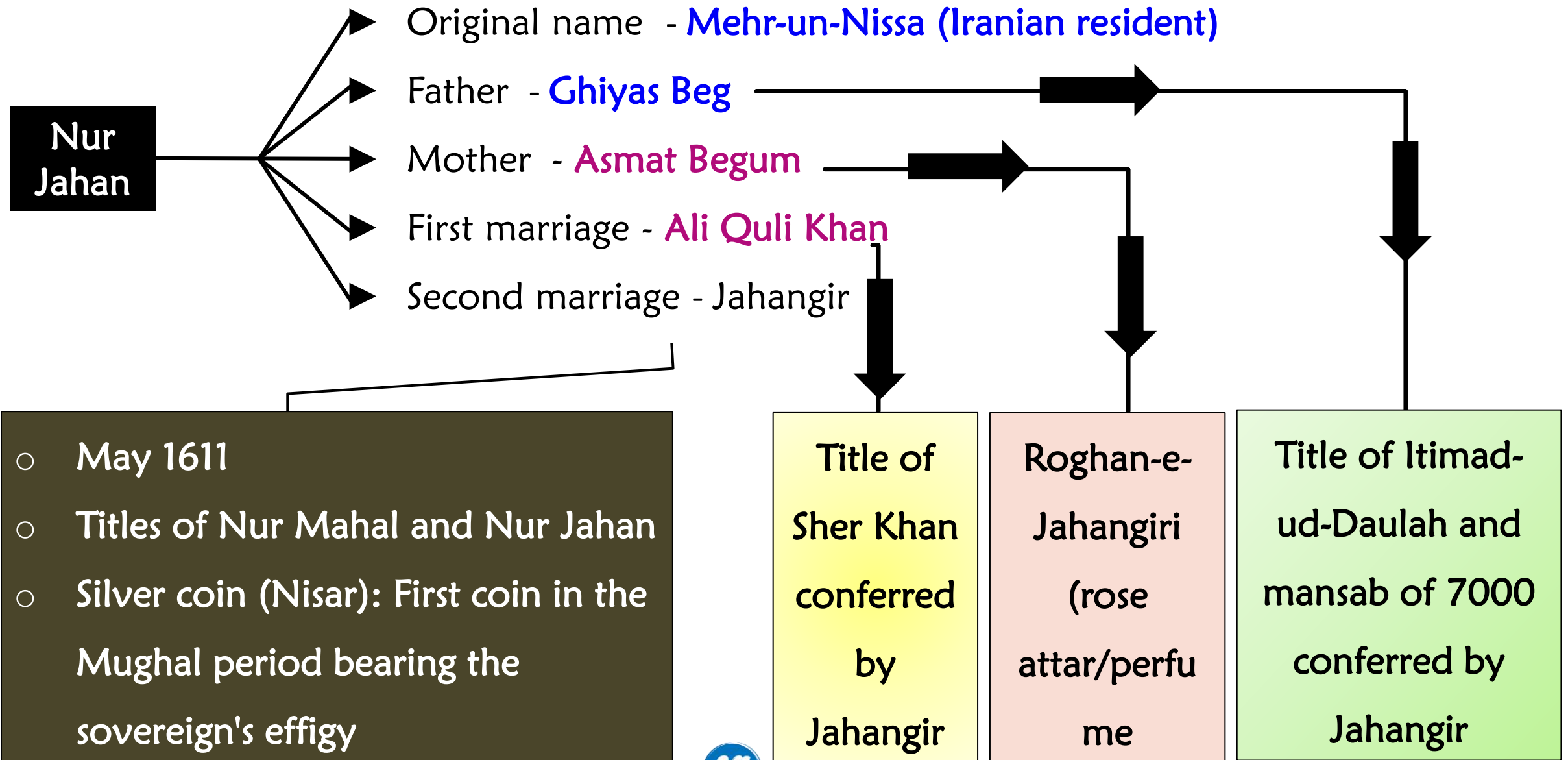
10) Death → 28 October 1627 (Bhimbar, Kashmir)



Tomb - Shahdara Bagh (Ravi River, Lahore) -
Constructed by Nur Jahan



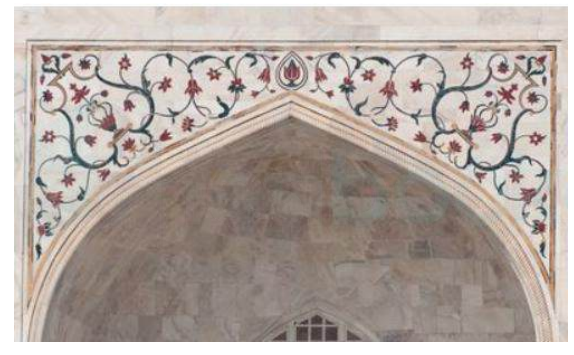




- इत्माद-उद-दौला का मकबरा
- आगरा में यमुना नदी
- 1626 ई. में **नूरजहाँ बेगम** ने
- प्रथम इमारत - **पूर्णरूप से बेदाग सफेद संगमरमर** से निर्मित है।
- सर्वप्रथम - **पितरा दुरा नामक जड़ाऊ काम** किया गया।
- **पच्चीकारी/पर्चिनकारी (पिट्राड्यूरा)** : दीवारों में अर्ध-कीमती पत्थर जड़कर फूलों की नक्काशी करने से संबंधित है।



- **Tomb of Itimad-ud-Daulah**
- On the Yamuna River in Agra
- Constructed by Nur Jahan Begum in 1626 CE
- First edifice - Constructed entirely of immaculate white marble.
- First instance - Pietra Dura inlay work was executed.
- Pachikari/Parchinkari (Pietra Dura): Pertains to the art of inlaying semi-precious stones in walls to create floral designs.



21.5) अन्य मुख्य तथ्य

1) धार्मिक नीति :-

- ☀ अकबर की नीति को जारी रखना
- ☀ **1612 : रक्षाबंधन**
- ☀ गौहत्या निषेध (रविवार व गुरुवार) व चैतन्य संप्रदाय को दान
- ☀ **फादर जेवियर** : ईसाई धर्म की शिक्षा
- ☀ **संस्कृत कवि जगन्नाथ : पंडितराज की उपाधि**

2) धार्मिक कट्टरता :-

- ☀ राजौरी के हिन्दुओं को इसलिए दण्ड दिया क्योंकि वे मुस्लिम लड़कियों से विवाह कर उन्हें हिन्दू बना लेते थे।
- ☀ कांगड़ा के किलों को जीतकर गाय कटवाकर जश्न मनाया।

- ☀ अजमेर के वराह मन्दिर की मूर्तियों को तालाब में फेंकवा दिया।
- ☀ जैन सन्त मानसिंह ने जहांगीर का शासन दो वर्ष में समाप्त होने की भविष्यवाणी की।



21.5) Other Key Facts

1) Religious Policy :-

- ☀ Continuation of Akbar's policy
- ☀ **1612 : Raksha Bandhan**
- ☀ Prohibition of cow slaughter (Sundays and Thursdays) and donations to the Chaitanya sect
- ☀ **Father Xavier** : Christian religious instruction
- ☀ **Sanskrit poet Jagannatha : Title of Panditraj**

2) Religious Orthodoxy :-

- ☀ Hindus of Rajouri were punished because they married Muslim girls and converted them to Hinduism.
- ☀ Celebrated the conquest of Kangra forts by slaughtering cows

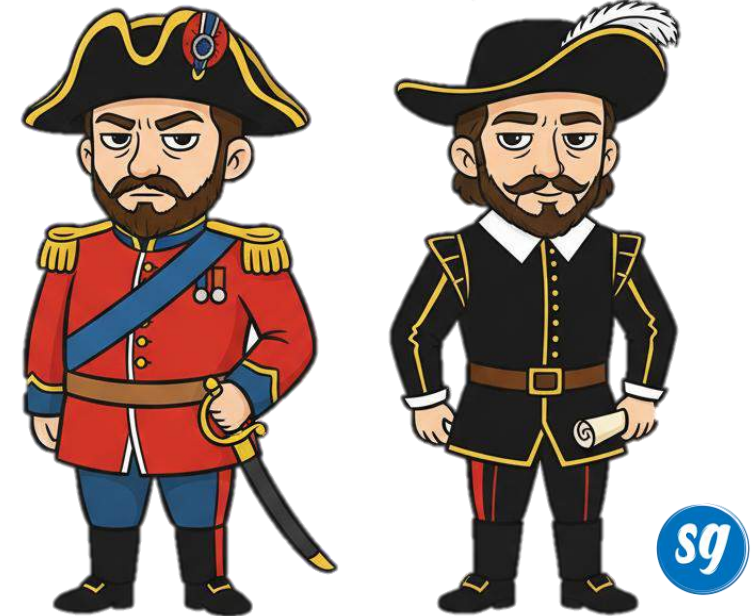
- ☀ Had the idols from the Varaha temple in Ajmer thrown into a pond.
- ☀ Jain saint Man Singh prophesied that Jahangir's reign would end within two years.



3) जहांगीर व अंग्रेज :-

- ☀ कैप्टन हॉकिन्स (1608-11) → जहांगीर के दरबार में आने वाला **EIC का प्रथम प्रतिनिधि**
- ☀ निकोलस डाउटन (1612) → आगरा (**जहाज : हैक्टर**)
- ☀ सर टॉमस रो (1615-1619) → 400 का मनसब व **इंग्लिश खां** की उपाधि (तुर्की में बात)
- ☀ सर टॉमस रो (1615-1619) → अजमेर में मुलाकात तथा **व्यापारिक सफलता**
- ☀ सर टॉमस रो (1615-1619) → इंग्लैंड **के राजा जेम्स प्रथम का दूत**
- ☀ **अन्य :** विलियम फिंच और एडवर्ड टैरी
- ☀ **1613 :** सूरत में ब्रिटिश फैक्ट्री खोलने की अनुमति

- अहमदनगर विजय के बाद जहांगीर ने खुर्रम को शाहजहां की उपाधि, 30 हजार का मनसब और गुजरात की सुबेदारी
- बीजापुर के शासक इब्राहीम आदिलशाह द्वितीय को फर्जन्द (पुत्र) की उपाधि



3) Jahangir and the English :-

☀ **Captain Hawkins (1608-11)**

☀ **Nicholas Downton (1612)**

First representative of the EIC (East India Company) to arrive at Jahangir's court

Agra (Ship: Hector)

Mansab of 400 and title of English Khan (conversed in Turkish)

☀ **Sir Thomas Roe (1615-1619)**

Meeting at Ajmer and commercial success

Ambassador of King James I of England

☀ **Others :** William Finch and Edward Terry

☀ **1613 :** Permission granted to establish a British factory in Surat



- Following the conquest of Ahmadnagar, Jahangir conferred upon Khurram the title of Shah Jahan, a mansab of 30,000, and the governorship of Gujarat
- Title of Farzand (son) bestowed upon Ibrahim Adil Shah II, ruler of Bijapur

4) जहांगीर - चित्रकला का स्वर्णकाल

☀ प्रमुख चित्रकार

☀ आगरा - चित्रशाला का निर्माण

आगा रजा

अबुल हसन (नादिर-उज़-ज़मान) – व्यक्ति लघु चित्रकार

उस्ताद मंसूर (नादिर अल-अस्र) – पक्षी लघु तथा प्रकृति

मुहम्मद नासिर, फारुख बैग व दौलत

विशनदास, मनोहर एवं गोवर्धन

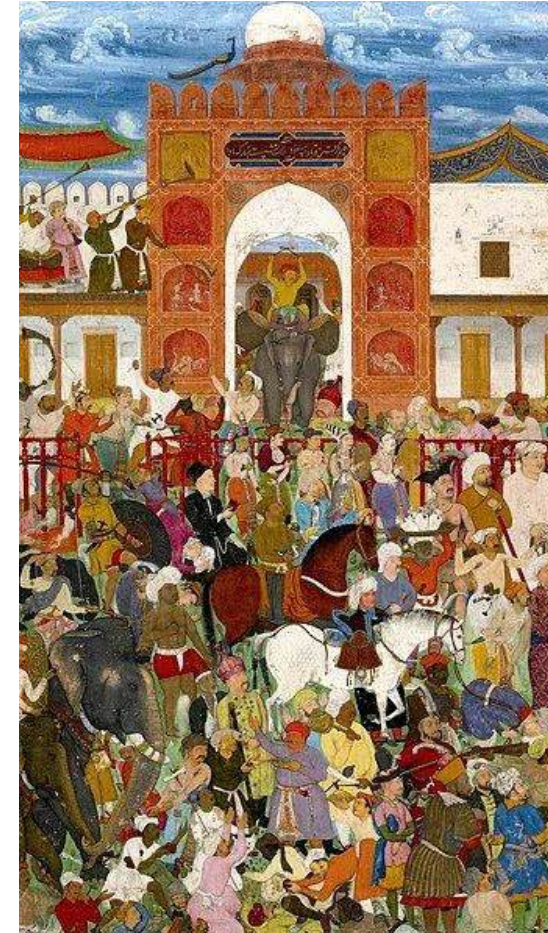
5) जहाँगीर : कोई भी चित्र चाहे वह किसी मृतक व्यक्ति या जीवित व्यक्ति द्वारा बनाया गया हो, मैं देखते ही तुरन्त बता सकता हूँ कि यह किस चित्रकार की कृति है।

6) भारत में तंबाकू की खेती सर्वप्रथम जहाँगीर के शासन काल में प्रारंभ हुई थी।

○ पुर्तगालियों द्वारा सर्वप्रथम 1605 ई. में दक्षिण में तंबाकू की खेती प्रारंभ किया गया।

○ पुर्तगाली इसे ब्राजील से लाए थे।

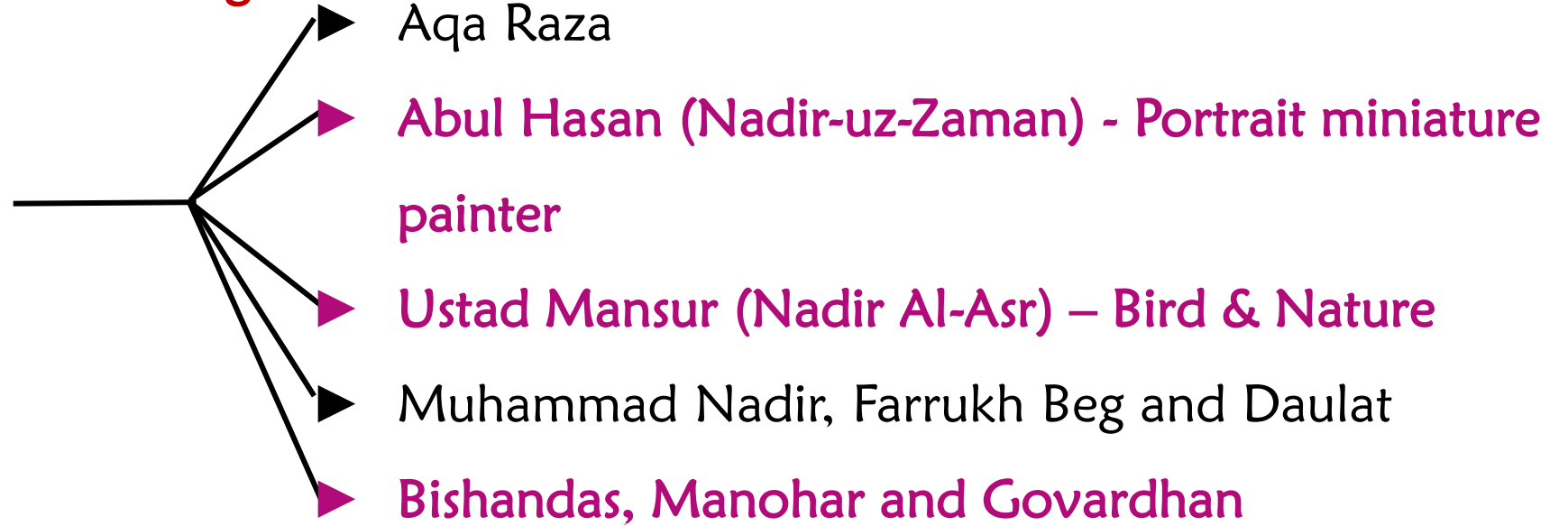
7) फ्रांसिस्को पेलसर्ट (डच यात्री) : जहाँगीर के शासनकाल में 1620-1627



4) Jahangir - Golden Age of Painting



Prominent Painters



Agra - Establishment of the painting atelier

- Jahangir: Any painting, whether executed by a deceased or living artist, I can immediately identify upon observation as to which painter's creation it is.
- Tobacco cultivation in India commenced for the first time during Jahangir's reign
 - The Portuguese first initiated tobacco cultivation in the south in 1605 CE
 - The Portuguese had brought it from Brazil
- Francisco Pelsaert (Dutch traveller): During the reign of Jahangir 1620-1627

22) मिर्ज़ा शहाबुद्दीन बेग़ मुहम्मद ख़ान ख़ुर्रम शाहजहाँ (1628-1658)



सामान्य परिचय

01



राज्यारोहण

02



प्रमुख विद्रोह

03



शाहजहाँ के मुख्य
अभियान

04



शाहजहाँ की धार्मिक
नीति

05



शाहजहाँ : स्थापत्य कला
का स्वर्ण काल

06



अन्य तथ्य

07



उत्तराधिकार के युद्ध :
सितम्बर, 1657

08

22) Mirza Shahabuddin Beg Muhammad Khan Khurram (1628-1658)



General Introduction

01



Shah Jahan's Religious Policy

05



Accession to the Throne

02



Shah Jahan : Golden Age of Architecture

06



Major Rebellions

03



Other Facts

07



Shah Jahan's Major Campaigns

04



**War of Succession:
September, 1657**

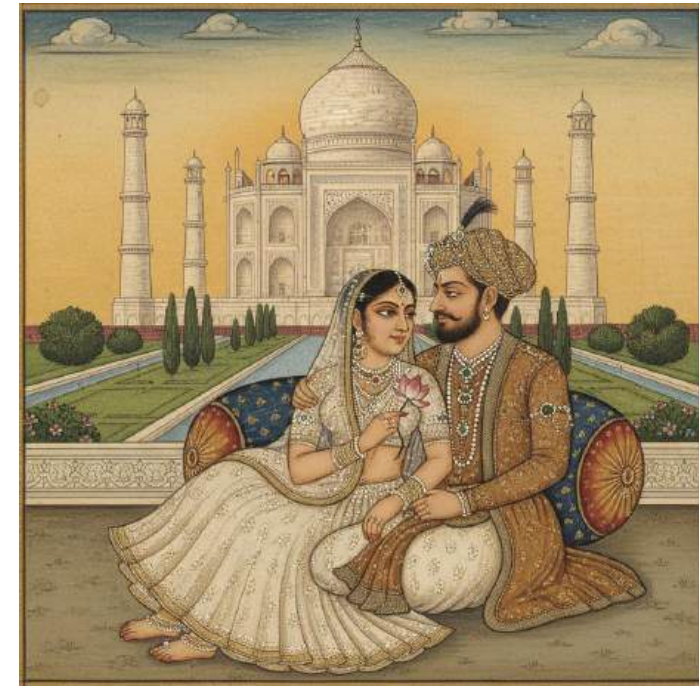
08

22.1) सामान्य परिचय

- 1) जन्म → 5 जनवरी 1592
- 2) मूल नाम → खुर्रम (अकबर द्वारा)
- 3) माता → जगत गोसाई
- 4) पिता → सलीम (जहांगीर)
- 5) विवाह → मुमताज (अर्जुमंद बानो बेगम, 1612)



- ☀ नूरजहां के भाई आफस खां की पुत्री
- ☀ सलाहकार - सती-उन-निसा खानम (दासी)
- ☀ मृत्यु - बुरहानपुर (14वें संतान गौहनआरा को जन्म देते समय)



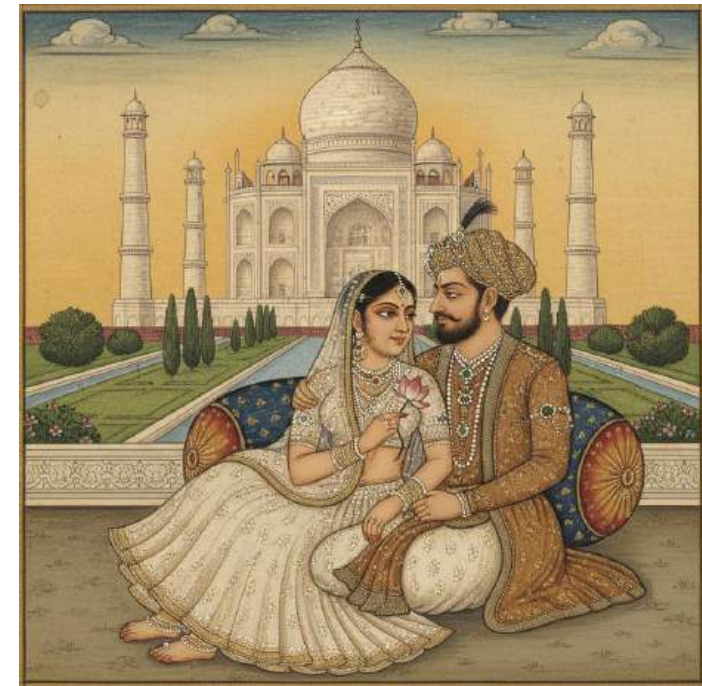
- उपाधि - "मलिक-ए-जमानी"
- मृत्यु - 1631
- मकबरा - ताजमहल

22.1) General Introduction

- 1) **Birth** → 5th January 1592
- 2) **Original Name** → Khurram (bestowed by Akbar)
- 3) **Mother** → Jagat Gosai
- 4) **Father** → Salim (Jahangir)
- 5) **Marriage** → Mumtaz (Arjumand Bano Begum 1612)



- ☀ Daughter of Asaf Khan, brother of Nur Jahan
- ☀ **Advisor** - Sati-un-Nisa Khanum (maidservant)
- ☀ **Death** - Burhanpur (during the birth of 14th child Gauharara)



- **Title** - "Malik-e-Jamani"
- **Death** - 1631
- **Mausoleum** - Taj Maha

6) शाहजहां + मुमताज

जीवित संतान

—————→ 14 में से 7
↓

- पुत्री - जहांआर (1614), रोशन आरा (1617) व गौहानआरा (1624)
- 4 पुत्र - दारा शिकोह (1615), शुजा (1616), औरंगजेब (1618) व मुराद (1624)

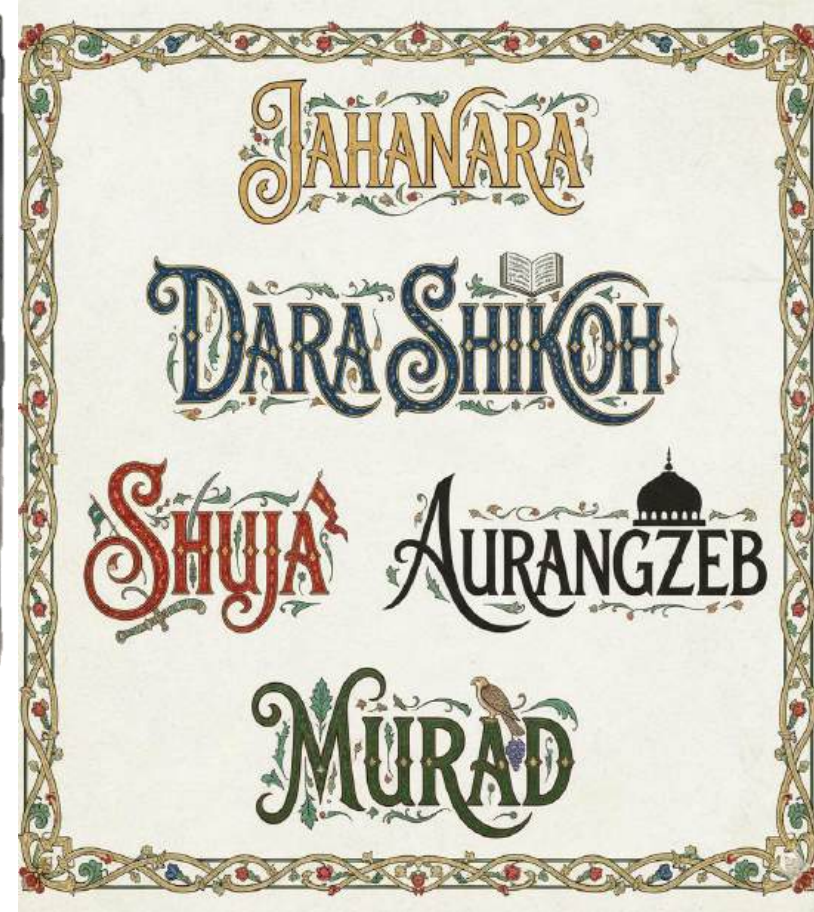
7) मृत्यु —————→ आगरा (1666)



- ताजमहल में दफनाया
- औरंगजेब ने 8 वर्षों तक आगरा में कैद रखा

8) प्रथम शिक्षक —————→ मुल्ला कासिम बेग

9) शाहजहाँ ने 1638 में अपनी राजधानी को आगरा से दिल्ली लाने के लिए यमुना नदी के दाहिने तट पर शाहजहाँनाबाद की नींव डाली।



6) **Shah Jahan + Mumtaz** → 7 surviving children out of 14



- **Daughters** - **Jahanara (1614)**, Roshan Ara (1617) and Gauharara (1624)
- **4 Sons** - Dara Shikoh (1615), Shuja (1616), Aurangzeb (1618) and Murad (1624)

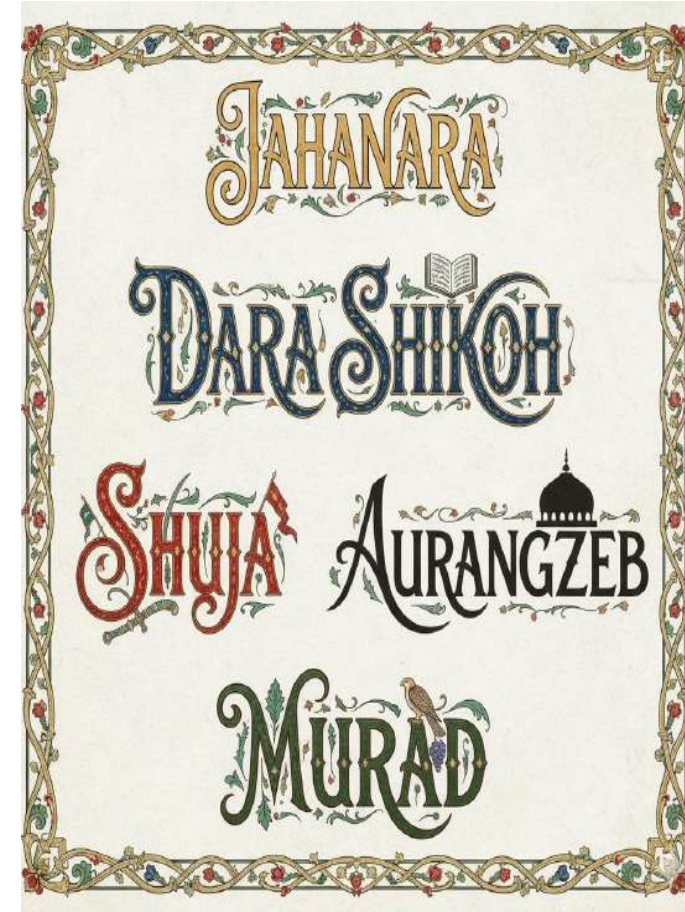
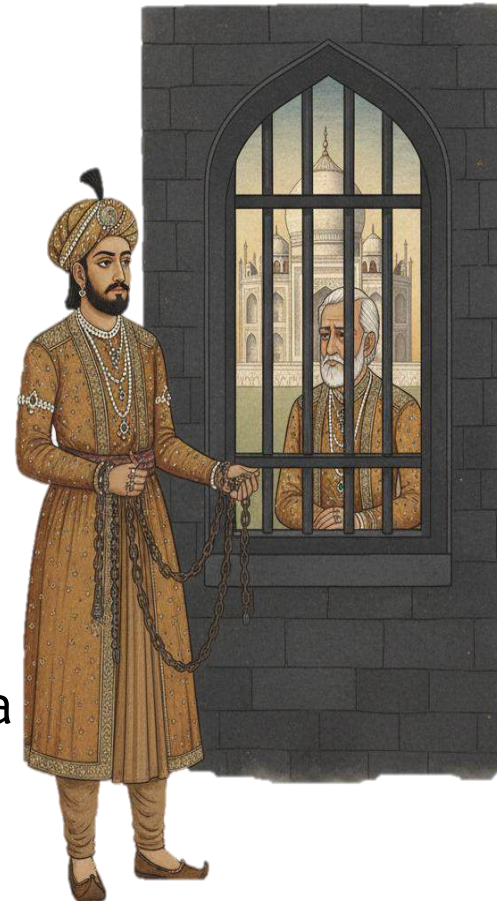
7) **Death** → **Agra (1666)**



- Buried in Taj Mahal
- Imprisoned by Aurangzeb in Agra for 8 years

8) **First Teacher** → Mulla Qasim Beg

9) In 1638, Shah Jahan laid the foundation of Shahjahanabad on the right bank of the Yamuna River to shift his capital from Agra to Delhi



22.6) शाहजहां : स्थापत्य कला का स्वर्ण काल

स्थापत्य कृति	स्थान	विशेषता
ताजमहल	आगरा	- हुमायूँ के मकबरा को ताजमहल का पूर्ववर्ती माना जाता है - मुमताज महल मकबरा; सफेद संगमरमर - रूपरेखा - उस्ताद ईशा; मुख्य कलाकार - उस्ताद अहमद लाहौरी
लाल किला (Red Fort)	दिल्ली	- शाहजहानाबाद में; लाहौरी दरवाजा (पश्चिमी) & दिल्ली दरवाजा (दक्षिणी) दीवान-ए-आम और दीवान-ए-खास प्रसिद्ध
जामा मस्जिद	दिल्ली	लाल पत्थर और संगमरमर का संयोजन
मोती मस्जिद	आगरा किला	सफेद संगमरमर से बनी, अत्यंत सुंदर और लघु आकार की मस्जिद
शालीमार बाग़	श्रीनगर	चारबाग़ शैली का श्रेष्ठ उदाहरण; फव्वारे और जल मार्गों से सुसज्जित
शीश महल	लाहौर	- इसका निर्माण 1631-32 में मुगल बादशाह शाहजहाँ ने करवाया था। - बाद में सिख महाराजा रणजीत सिंह ने इसमें बदलाव किए थे।

22.6) Shah Jahan : Golden Age of Architecture

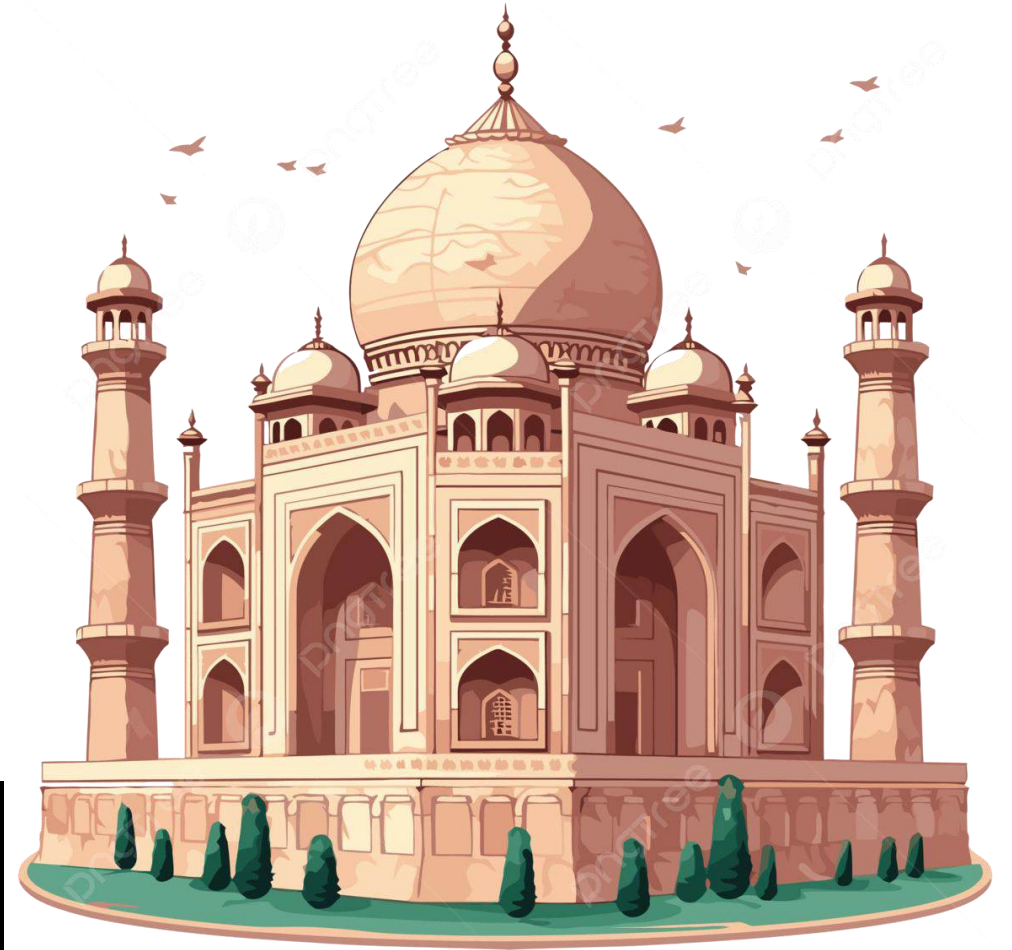
Architectural Work	Location	Specialty
Taj Mahal	Agra	○ Humayun's tomb is considered the predecessor of Taj Maha ○ Mumtaz Mahal's mausoleum; white marble ○ Blueprint - Ustad Isa; Chief artist - Ustad Ahmad Lahori
Red Fort	Delhi	○ In Shahjahanabad; Lahori Gate (western) and Delhi Gate (southern) ○ The famous Diwan-i-Aam and Diwan-i-Khas
Jama Masjid	Delhi	○ Combination of red stone and marble
Moti Masjid	Agra Fort	○ Built with white marble, extremely beautiful & miniature-sized mosque
Shalimar Bagh	Srinagar	○ Excellent example of Charbagh style; adorned with fountains and water channels
Sheesh Mahal	Lahore	○ It was constructed in 1631-32 by Mughal Emperor Shah Jahan ○ Later, Sikh Maharaja Ranjit Singh made modifications to it

- मयूर सिंहासन का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था।
- मुख्य कलाकार : **बे बादल खाँ**
- बादशाह के सिंहासन के पीछे पितरा-दुरा के जड़ाऊ काम की एक श्रृंखला बनाई गयी थी, जिससे **पौराणिक यूनानी देवता आर्फियस** को वीणा बजाते हुए चित्रित किया गया है।



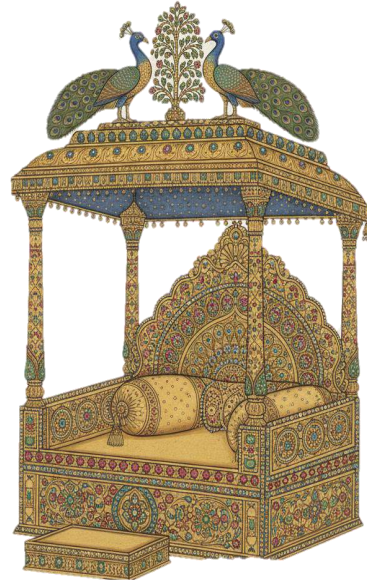
मीर जुमला : मुगलों में कोहिनूर सबसे पहले बादशाह शाहजहाँ के पास पहुंचा

- आगरे के जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ की पुत्री जहाँआरा ने करवाई
- शाहजहाँ - दिल्ली में दारुल सफ़ा व कॉलेज

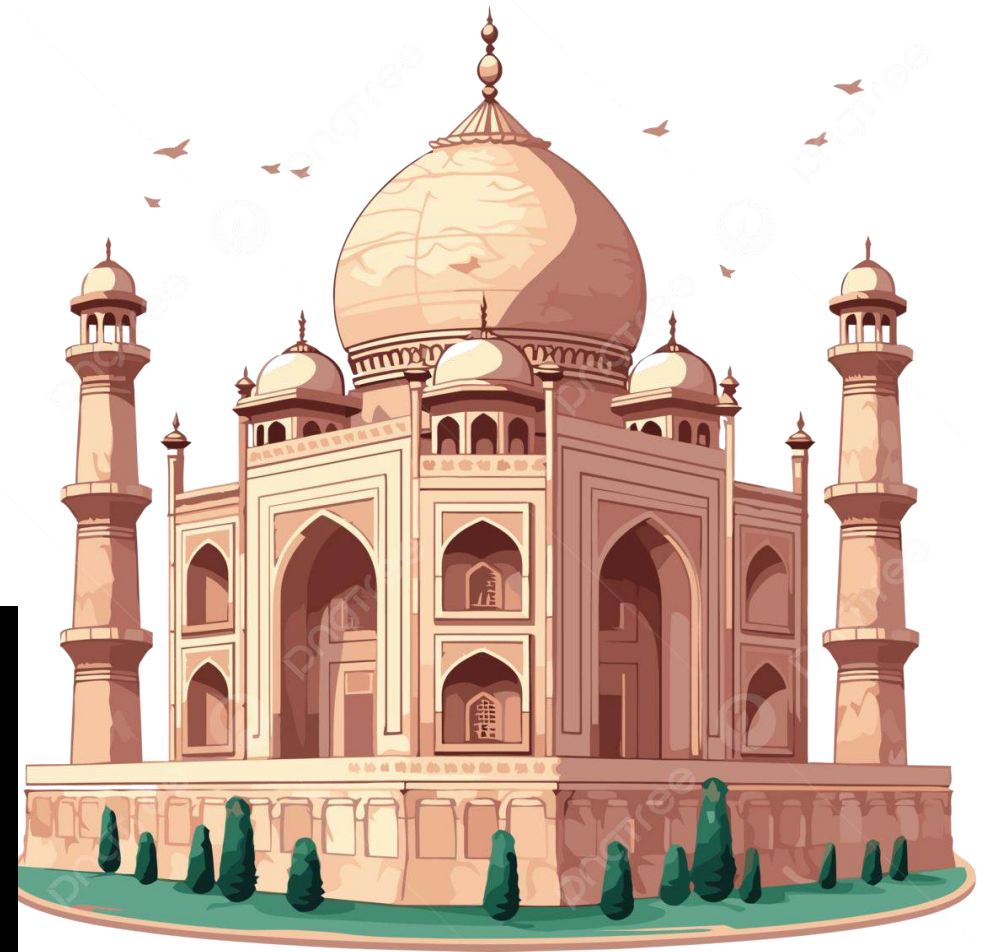


शाहजहाँ के शासन काल का वर्णन फ्रेंच यात्री बर्नियर, ट्रेवेनियर व इटालियन यात्री मनूची ने।

- The Peacock Throne was commissioned by Shah Jahan
- Chief artisan : **Bey Badal Khan**
- Behind the emperor's throne, a series of pietra dura inlay work was created, depicting the mythological Greek god Orpheus playing the lyre



Mir Jumla: Among the Mughals, the Kohinoor was first obtained by Emperor Shah Jahan.



- **Jama Masjid of Agra was constructed by Shah Jahan's daughter Jahanara**
- **Shah Jahan - Darul Safa and College in Delhi**

Shah Jahan's reign was chronicled by French travelers Bernier, Tavernier, and Italian traveler Manucci

22.7) अन्य तथ्य

1) प्रमुख चित्रकार :-

- ☀ मुहम्मद फकीर
- ☀ मीर हासिम

2) प्रमुख संस्कृत कवि :-

- ☀ वंशीधर मिश्र
- ☀ हरिनारायण मिश्र

3) उपाधि :-

- ☀ संगीतज्ञ लाल खां - गुण समंदर
- ☀ संगीतज्ञ जगन्नाथ - महाकविराय

4) जहाँआरा (पादशाह बेगम या बेगम साहब) :-

- ☀ शाहजहाँ : **पादशाह बेगम**
- ☀ औरंगजेब : **साम्राज्य की प्रथम महिला** (साहिबा तुज जमानी)
- ☀ **जहाँआरा के गुरु** - मुल्ला शाह बदखशी
- ☀ शाहजहाँ की जीवित सन्तानों में **सबसे ज्येष्ठ** जहाँआरा
- ☀ मख्फ़ी नाम से कविताएं
- ☀ जहाँआरा ने चांदनी चौक की डिजाइन बनाई।
- ☀ फ्रांसीसी चिकित्सक और इतिहासकार **फ्रांस्वा बर्नियर** :
जहाँआरा एवं शाहजहाँ के बीच अपवित्र सम्बन्धों का उल्लेख

5) शाहजहाँ के काल में 1630-32 ई. के बीच गुजरात व दक्षिण में भयंकर अकाल पड़ा। **इटली व्यापारी पीटर मुंडी** ने इसका वर्णन किया है।

22.7) Other Facts

1) Prominent Painters :-

- ☀ Muhammad Faqir
- ☀ Mir Hashim

2) Prominent Sanskrit Poets :-

- ☀ Vanshidhar Mishra
- ☀ Harinarayan Mishra

3) Titles :-

- ☀ Musician Lal Khan - Gun Samandar
- ☀ Musician Jagannath - Mahakaviray

4) Jahanara (Padshah Begum or Begum Saheb) :-

- ☀ Shah Jahan : **Padshah Begum**
- ☀ Aurangzeb = First Lady of Empire (Sahibat-uz-Zamani)
- ☀ **Jahanara's spiritual guide** - Mulla Shah Badakhshi
- ☀ Jahanara was the eldest among Shah Jahan's surviving children
- ☀ Wrote poetry under the pen name Makhfi
- ☀ Jahanara designed Chandni Chowk
- ☀ French physician & historian **François Bernier** :
Mentioned unholy relations between Jahanara and Shah Jahan

5) During Shah Jahan's reign, a severe famine occurred in Gujarat and the South between 1630-32 CE. Italian merchant Peter Mundy documented it.

दारा शिकोह : शाह बुलन्द इकबाल'

- जन्म : 1615 में अजमेर
- अकबर की भांति उदार विचार
 - लेनपूल : 'लघु अकबर'
- कादिरी संप्रदाय के सूफी **संत मुल्ला शाह के शिष्य** थे।
- **शाहजहाँ** ने कन्धार अभियान के समय **शाह बुलन्द इकबाल'** की उपाधि दी।
- 52 **उपनिषदों का सिर्र-ए-अकबर** नाम से फारसी अनुवाद
- भावगत गीता व योग वशिष्ट का फारसी अनुवाद कराया।
- दारा ने हिन्दू साहित्य के **वेदों को ईश्वरीय कृति** माना है।

- **मज्म-उल-बहरीन (दो समुद्रों का संगम)** नामक पुस्तक
- निर्वासित जीवन अलवर (राजस्थान) के कंकबाड़ी किला में
- इटालियन मनूची : दारा शिकोह के तोपची व चिकित्सक
- दारा शिकोह ने चित्रकारी का एक एलबम तैयार करवाकर अपनी बेगम को भेंट किया। यह एलबम आज भी इण्डिया हाउस, लाइब्रेरी लन्दन में सुरक्षित है।

☀ दारा ने सूफीमत के बारे में पांच ग्रंथ लिखे :-

- सफीनत-उल-औलिया
- सकीनत-उल-औलिया (कादिरी सूफियों का जीवन)
- हसनात-उल-आरफीन
- तरीकत-उल-हकीकत
- रिसालाए-हक-नुमा-(सूफी प्रथाओं का वर्णन)

Dara Shikoh: 'Shah Buland Iqbal'

- Birth : 1615 in Ajmer
- Liberal thoughts like Akbar
 - Lane-Poole: '**Little Akbar**'
- Was a disciple of Qadiri order Sufi saint Mulla Shah
- Shah Jahan conferred the title 'Shah Buland Iqbal' during the Kandahar campaign⁵²
- Persian translation of 52 Upanishads titled Sirr-e-Akbar
- Had the Bhagavad Gita and Yoga Vasistha translated into Persian
- Dara considered the Vedas of Hindu literature as divine creations

- **Book titled Majma-ul-Bahrain (Confluence of Two Seas)**
- Exiled life in Kankwari Fort of Alwar (Rajasthan)
- Italian Manucci: Dara Shikoh's artilleryman and physician
- Dara Shikoh had an album of paintings prepared and gifted it to his begum. This album is still preserved in India House Library, London.



Dara wrote five treatises on Sufism :-

- Safinat-ul-Awliya
- Sakinat-ul-Awliya
- (Lives of Qadiri Sufis)
- Hasanat-ul-Arifin
- Tariqat-ul-Haqiqat
- Risalah-i-Haq-Numa (Description of Sufi practices)

22.8) उत्तराधिकार के युद्ध

शूजा बंगाल, मुराद गुजरात एवं औरंगजेब दक्कन : ⑤ युद्ध : बहादुरपुर गढ़ युद्ध, धरमत युद्ध, सामूगढ़, खजुआ, दौराई।

युद्ध	पक्ष	प्रमुख परिणाम
बहादुरगढ़ (14 फरवरी, 1658)	शाहशुजा व शाही सेना	○ जीत: सुलेमान शिकोह (दारा शिकोह का बेटा)
धरमत का युद्ध (15 अप्रैल, 1658)	मुराद + औरंगज़ेब बनाम जसवंत सिंह	○ औरंगज़ेब-मुराद की विजय। ○ औरंगजेब ने फतेहाबाद नगर की स्थापना
सामूगढ़ का युद्ध (29 मई, 1658)	औरंगज़ेब व मुराद बनाम दारा शिकोह	○ दारा पराजित हुआ, आगरा की ओर भागा। ○ मुराद और शाहजहाँ को बन्दी
खजुआ का युद्ध (5 जनवरी, 1659)	औरंगज़ेब बनाम शुजा	○ शुजा, अराकान (बर्मा) भाग गया
देवराई का युद्ध (अप्रैल, 1659)	औरंगज़ेब बनाम दारा शिकोह (हुमायूँ के मकबरे में दफनाया)	○ विधर्मी : दारा शिकोह को 1659 में मृत्यु दंड : ○ बर्नियर : मृत्युदण्ड देते अपनी आंखों से देखा

22.8) War of Succession

Shuja in Bengal, Murad in Gujarat, and Aurangzeb in Deccan: 5 battles: Bahadurgarh battle, Dharmat battle, Samugarh, Khajuha, Deorai.

Battle	Parties	Major Outcome
Bahadurgarh (14 February, 1658)	Shah Shuja and Imperial Army	○ Victory: Sulaiman Shikoh (son of Dara Shikoh)
Battle of Dharmat (15 April, 1658)	Murad + Aurangzeb versus Jaswant Singh	○ Victory of Aurangzeb-Murad. ○ Aurangzeb founded the city of Fatehabad
Battle of Samugarh (29 May, 1658)	Aurangzeb and Murad versus Dara Shikoh	○ Dara was defeated, fled towards Agra. ○ Murad and Shah Jahan were imprisoned
Battle of Khajuha (5 January, 1659)	Aurangzeb versus Shuja	○ Shuja fled to Arakan (Burma)
Battle of Deorai (April, 1659)	Aurangzeb versus Dara Shikoh (buried in Humayun's tomb)	○ Vidharmi : Dara Shikoh was given death penalty in ○ Bernier : Witnessed the execution with his own eyes

23) मुईन-उद-दीन मोहम्मद औरंगज़ेब या आलमगीर प्रथम (1658-1707)

सामान्य परिचय

प्रमुख विद्रोह

औरंगज़ेब : धार्मिक जीवन

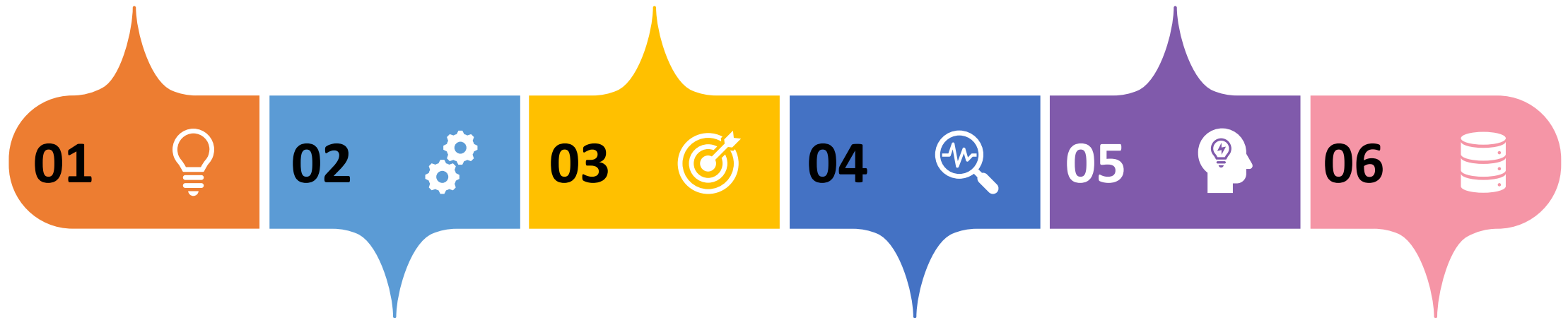


23) Muin-ud-din Mohammad Aurangzeb or Alamgir I (1658-1707)

General Introduction

Major Rebellions

Aurangzeb : Religious Life



Coronation

Military Campaigns

Miscellaneous

23.1) सामान्य परिचय

- 1) जन्म —————→ 3 नवंबर, 1618 (दोहाद, गुजरात)
- 2) शाहजहां तथा मुमताज की सातवीं संतान
- 3) गुरु —————→ मीर मुहम्मद हकीम
- 4) अन्य नाम —————→ आलमगीर, पीर ए दस्तगीर, बहादुर, जिंदापीर, हाफिज,

☀ बहादुर - शाहजहां

☀ जिंदापीर - कट्टर सुन्नी

☀ हाफिज - कंठस्थ कुरान

मुगल साम्राज्य का सर्वाधिक क्षेत्र

- 5) विवाह —————→ 18 मई 1637 —————→ दिलरास बानो बेगम (रबिया उद् दौसनी)

औरंगजेब के पुत्र आजमशाह —————→
द्वारा

बीबी का मकबरा (दक्कन ए
ताज : औरंगाबाद, महाराष्ट्र)



23.1) General Introduction

- 1) **Birth** —————→ **November 3, 1618 (Dohad, Gujarat)**
- 2) Seventh child of Shah Jahan and Mumtaz
- 3) **Teacher** —————→ Mir Muhammad Hakim
- 4) **Other Names** —→ Alamgir, Pir-e-Dastgir, Bahadur, Zinda Pir, Hafiz, Dervishes
 - ☀ **Bahadur** - Shah Jahan
 - ☀ **Zinda Pir** - Orthodox Sunni
 - ☀ **Hafiz** - One who memorized the Quran
- 5) **Marriage** —————→ May 18, 1637  **Dilras Banu Begum (Rabia-ud-Daurani)**

The largest area of the Mughal Empire



Built by Aurangzeb's son Azam Shah ← **Bibi Ka Maqbara (Taj of the Deccan:
Aurangabad, Maharashtra)**

बीबी का
मकबरा
(दक्कन ए
ताज :
औरंगाबाद,
महाराष्ट्र)



Bibi Ka
Maqbara (Taj
of the Deccan
: Aurangabad,
Maharashtra)



23.2) राज्याभिषेक

प्रथम : 31 जुलाई 1658



※ शालीमार बाग,
दिल्ली

※ उपाधि - आलमगीर
(विश्व विजेता)

※ औरंगजेब : हिंदी
कहावतों का प्रयोग



द्वितीय : 15 जून
1659



※ लाल किला, दिल्ली

※ "विश्व का शासक" (आलमगीर)

※ लगभग 80 करों (कर+अबवाव) को
माफ किया

※ अबवाव - मुगल काल में नियमित
करों के अलावा, सरकार द्वारा लगाए
गए अस्थायी और परिस्थितिजन्य
कर

- राहदारी (परिवहन शुल्क)
- वानदारी (चुंगी कर)

23.2) Coronation

First : July 31, 1658



- ✧ **Shalimar Bagh, Delhi**
- ✧ **Title** - Alamgir
(World Conqueror)
- ✧ Aurangzeb : Used
Hindi proverbs



Second : June 15, 1659



- ✧ **Red Fort, Delhi**
- ✧ Ruler of the World (Alamgir)
- ✧ Abolished approximately 80 taxes
(taxes + abwabs)
- ✧ **Abwabs** - Temporary and
circumstantial taxes imposed by the
government in addition to regular
taxes during the Mughal period

- Rahdari (Transportation
tax)
- Pandari (Toll tax)

B) औरंगजेब की दक्षिण नीति

- **औरंगजेब** —————> लंबे समय तक दक्षिण का सूबेदार (केंद्र : औरंगाबाद)
- **क्रम** —————> बीजापुर, गोलकुंडा तथा मराठा
- **कारण** —————> धार्मिक (बीजापुर + गोलकुंडा : शिया), साम्राज्यवादी महत्वकांक्षा, पुर्तगालियों पर नियंत्रण तथा मराठा शक्ति तोड़ना

1668 तक

1636 संधि के 50 परगने जो अहमदनगर से बीजापुर को दिये, वापस लेना।

1684 तक

बीजापुर व गोलकुण्डा को, मराठों के विरुद्ध अपने पक्ष में करना।



1684 के बाद

बीजापुर व गोलकुण्डा का स्वतंत्र अस्तित्व समाप्त कर मराठों के विरुद्ध उपयोग लेना

B) Aurangzeb's Deccan Policy

- **Aurangzeb** —————> Long-serving Governor of the Deccan (Centre: Aurangabad)
- **Sequence** —————> Bijapur, Golconda and Maratha
- **Reasons** —————> Religious (Bijapur + Golconda: Shia), imperialist ambition, control over Portuguese and breaking Maratha power

Till 1668



To recover the 50 parganas
given to Bijapur from
Ahmadnagar in the 1636 treaty

Till 1684



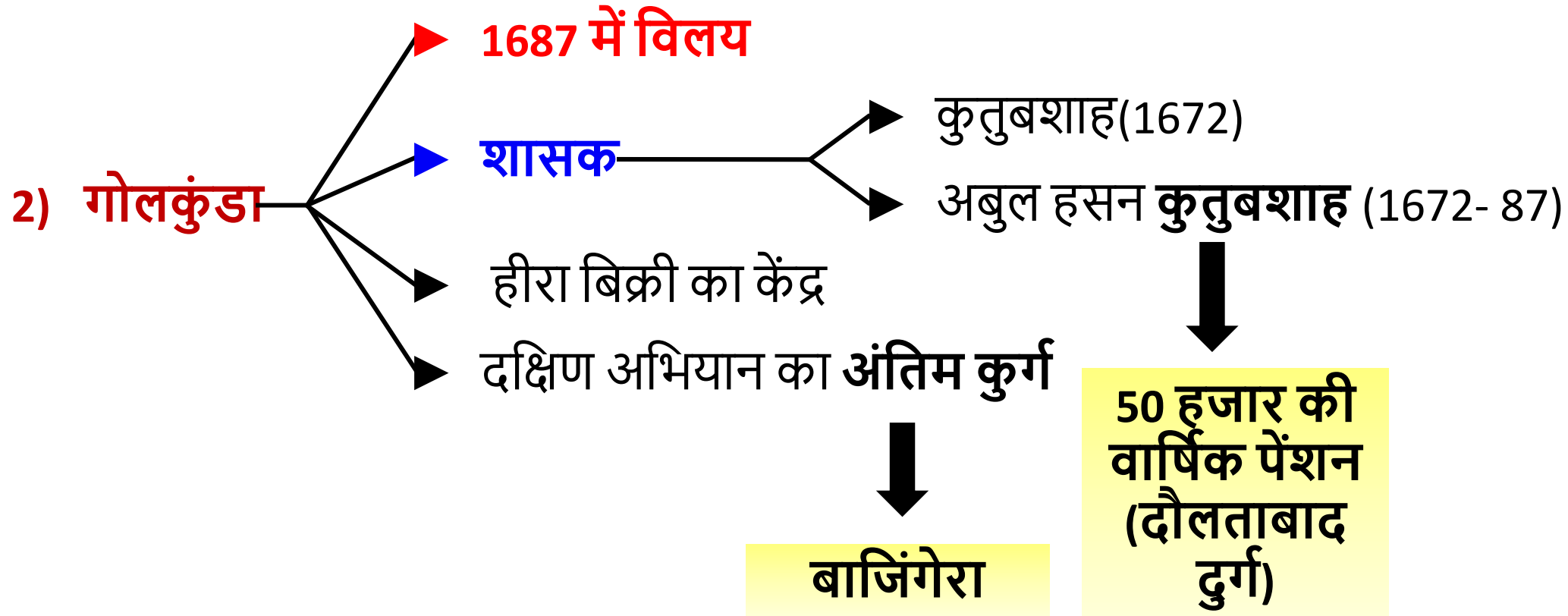
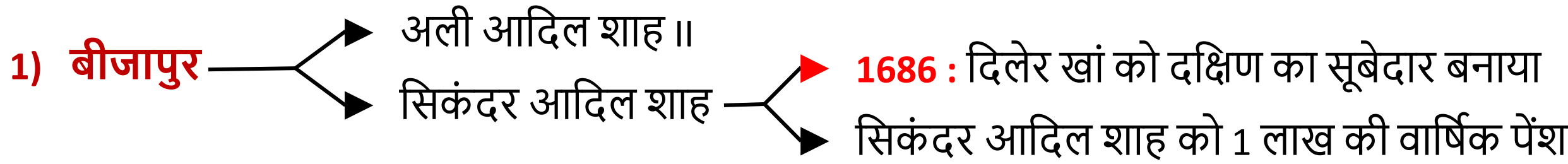
To bring Bijapur and Golconda
to his side against the Marathas.

After 1684

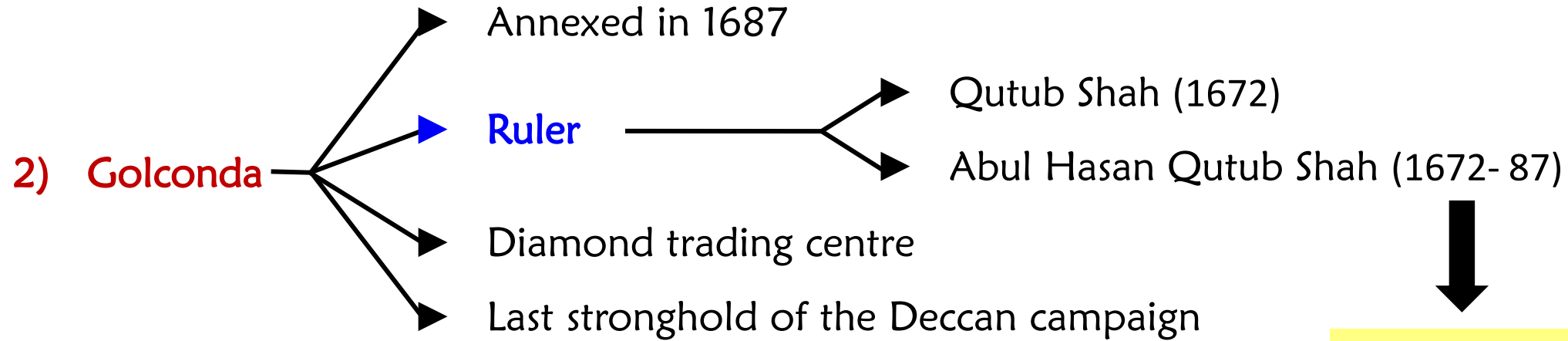
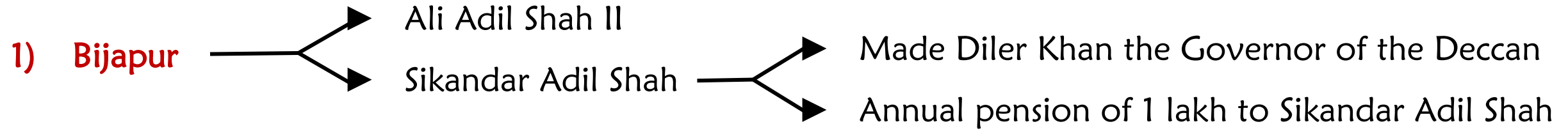


To end the independent existence
of Bijapur and Golconda and use
them against the Marathas





मदन्ना एवं अकन्ना नामक ब्राह्मणों का संबंध गोलकुण्डा के शासक अबुल हसन से था।



Maratha

Annual pension of
50 thousand
(Daulatabad Fort)

Brahmins named Madanna and Akkanna were associated with Golconda's ruler Abul Hasan

3) मराठा

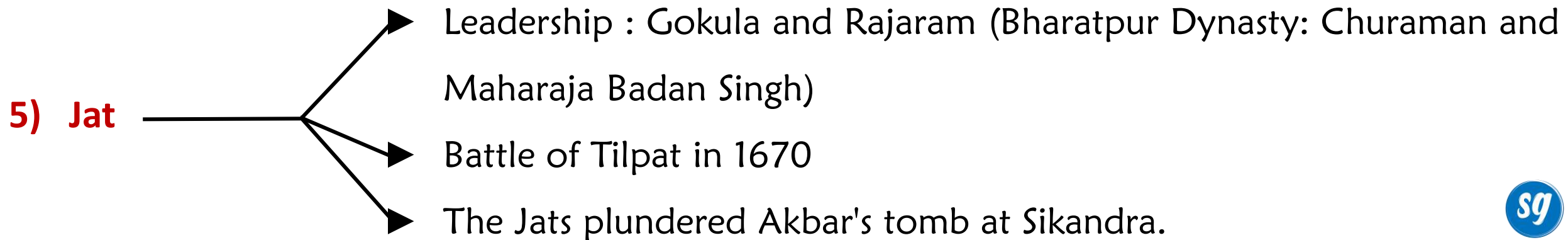
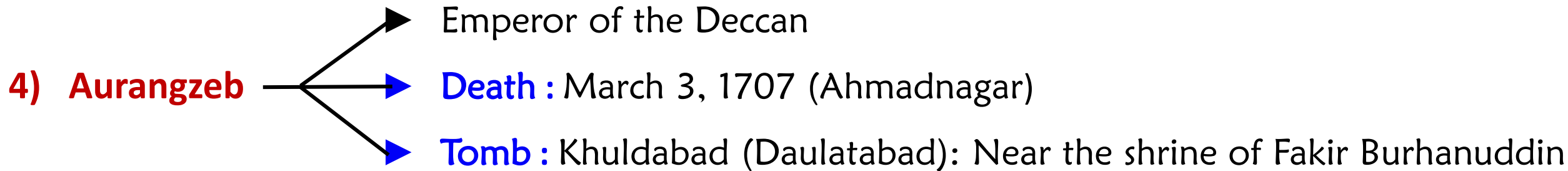
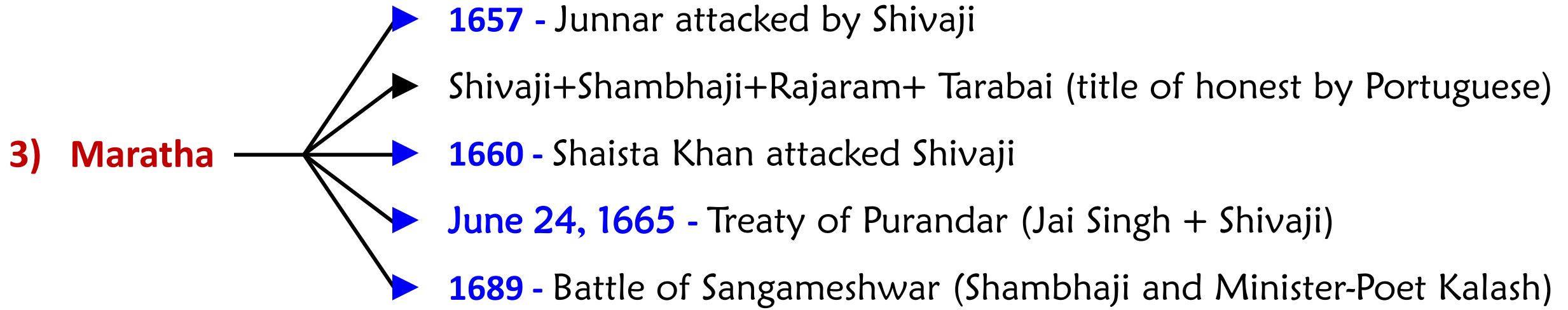
- ▶ 1657 - शिवाजी द्वारा जुन्नार आक्रमण
- ▶ शिवाजी+शंभाजी+राजाराम+ ताराबाई (पुर्तगालियों द्वारा ईमानदार की उपाधि)
- ▶ 1660 - शाइस्ता खां ने शिवाजी पर आक्रमण किया
- ▶ 24 जून 1665 - पुरंदर की संधि (जयसिंह + शिवाजी)
- ▶ 1689 - संगमेश्वर का युद्ध (शंभाजी व मंत्री कवि कलश)

4) औरंगजेब

- ▶ दक्कन का सम्राट
- ▶ मृत्यु : 3 मार्च 1707 (अहमदनगर)
- ▶ मकबरा : खुल्दाबाद(दौलताबाद) : फकीर बुरहानुद्दीन की मजार के पास

5) जाट

- ▶ नेतृत्व : गोकुला एवं राजाराम (भरतपुर राजवंश : चूड़ामन व महाराजा बदन सिंह)
- ▶ 1670 में तिलपत की लड़ाई
- ▶ जाटों ने सिकन्दरा में स्थित अकबर के मकबरे लूटा।



23.5) औरंगजेब : धार्मिक जीवन

1) कट्टर सुन्नी मुसलमान

- बन्द : सिक्कों पर कलमा, नौरोज का त्योहार. शराब, नाच गाना, जुआ, मीना बाजार.संगीत, तुलादान, झरोखा दर्शन, मुहर्रम तथा अपना जन्मदिवस
- हिन्दुओं पर तीर्थ यात्रा कर लगा दिया।
- 1669 : बनारस का विश्वनाथ मंदिर, मथुरा का केशवदेव मंदिर (वीरसिंह बुन्देला द्वारा निर्मित) तथा गुजरात का सोमनाथ मंदिर तोड़ा गया।

- मुहत्तसिब : मुसलमानों के धर्म आचरण की देखरेख (पहला : मुल्ला औजवाजीह)
 - 1679 : जजिया को पुनः लागू किया
 - लक्ष्य : दारुल हर्ब (काफिरों का देश) को दारुल इस्लाम (इस्लाम का देश) में परिवर्तित
- 3) 1663 में सती प्रथा पर प्रतिबंध : अकबर ने भी इसके लिए प्रयास किए थे, किन्तु औरंगजेब ने सती प्रथा को पूर्णतः प्रतिबन्धित कर दिया।
- 4) राजपूतों एवं मराठों को छोड़कर सभी हिन्दुओं को पालकी या अच्छे घोड़ों की सवारी पर प्रतिबंध लगा दिया तथा हथियार रखने पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

23.5) Aurangzeb : Religious Life

1) Orthodox Sunni Muslim

- Banned: Kalma on coins, the festival of Nowruz. Alcohol, singing and dancing, gambling, Meena Bazaar, music, Tuladan and Jharokha Darshan, Muharram, and one's own birthday.
- Pilgrimage tax imposed on Hindus.
- 1669 : Vishwanath Temple of Banaras, Keshavdev Temple of Mathura (built by Vir Singh Bundela), and Somnath Temple of Gujarat were demolished.
- Muhtasib : Supervisor of religious conduct of Muslims (First: Mulla Aujwazih)

- 1679 : Reimposed Jizya
- Aurangzeb banned music in the court
- Goal : To convert Darul Harb (Land of Infidels) into Darul Islam (Land of Islam)

3) Ban on Sati practice in 1663: Akbar had also attempted this, but Aurangzeb completely prohibited the Sati practice.

4) Except Rajputs and Marathas, all Hindus were banned from riding palanquins or good horses and also banned from carrying weapons.

-: जजिया कर :-

- यह गैर मुस्लिमों से लिया जाने वाला कर
- ब्राह्मण, संत, वृद्ध, निर्धन, पागल, अल्पवयस्क व स्त्रियों से नहीं लिया जाता था।
- भारत में **सर्वप्रथम मुहम्मद बिन क़ासिम ने 712 में सिंध विजय** के बाद जजिया की वसूली प्रारंभ की।
- **फिरोज तुगलक ने ब्राह्मणों** से भी जजिया वसूल किया।
- बाबर एवं हुमायूँ के काल में जजिया प्रचलित थी।
- **अकबर ने 1564 में इसे बंद** कर दिया था।
- औरंगजेब ने 1679 में जजिया की वसूली का आदेश दिया।
- जजिया की अंतिम रूप से **समाप्ति मोहम्मद शाह के समय 1720 ई.** में हुई।



औरंगजेब

- सर्वाधिक हिन्दू सेनापति
- सर्वाधिक हिन्दू मनसबदारों
- औरंगजेब सर्वाधिक हिन्दू अधिकारियों की नियुक्ति।
- मथुरा के दाउजी महाराज मन्दिर को 5 गाँव एवं बनारस के मन्दिरों को भू अनुदान
- भारतीय शास्त्रीय संगीत पर फारसी में सबसे अधिक पुस्तकें औरंगजेब के ही शासनकाल में लिखी गयीं।
- औरंगजेब : वीणा वादन

-: Jizya Tax :-

- ☯ This was a tax taken from non-Muslims
- ☯ It was not taken from Brahmins, saints, elderly, poor, insane, minors and women.
- ☯ In India, Muhammad ibn al-Qasim first started collecting Jizya after the conquest of Sindh in 712.
- ☯ Firoz Tughlaq also collected Jizya from Brahmins.
- ☯ Jizya was prevalent during the time of Babur and Humayun.
- ☯ **Akbar abolished it in 1564.**
- ☯ Aurangzeb ordered the collection of Jizya in 1679.
- ☯ Jizya was finally abolished during Muhammad Shah's time in 1720 AD.



Aurangzeb

- **Maximum Hindu generals**
- **Maximum Hindu mansabdars**
- **Aurangzeb appointed the maximum number of Hindu officials.**
- **Land grant of 5 villages to Dauji Maharaj Temple of Mathura and land grants to temples of Banaras**
- **The maximum number of books in Persian on Indian classical music were written during Aurangzeb's reign.**
- **Aurangzeb: Veena player**

23.6) विविध तथ्य

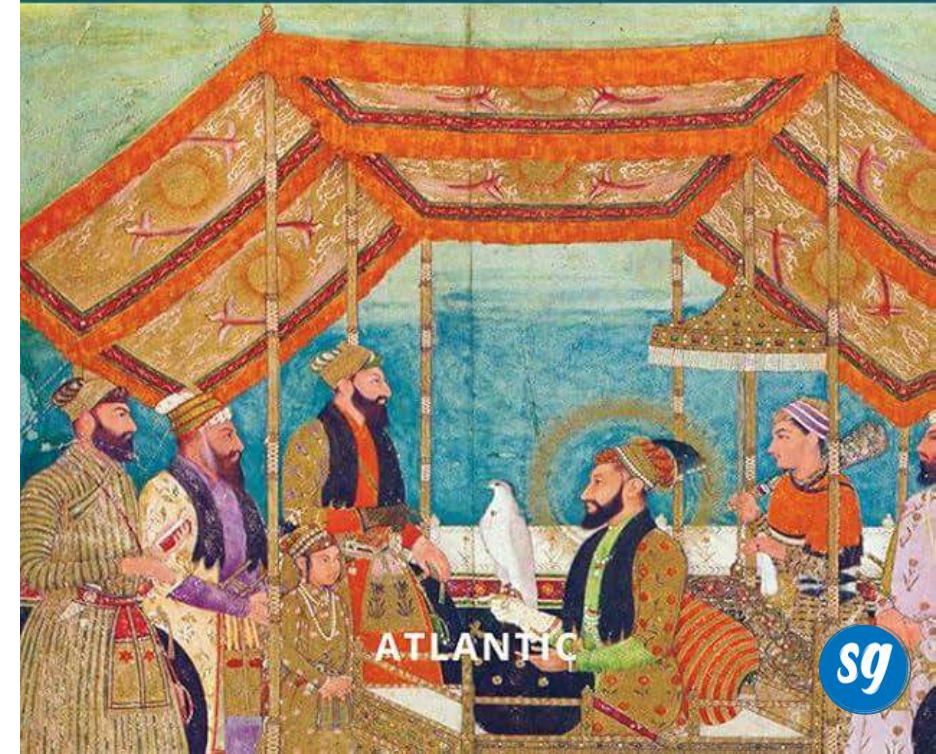
- 1) औरंगजेब की मृत्यु → **3 March, 1707**
 - मकबरा : **खुल्दाबाद, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)**
- 2) औरंगजेब के समय सूबों की **संख्या 21** थी ।
- 3) **फ्रांसीसी यात्री फ्रांकोइस बरनीयर** → "ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर"
- 4) मई, 1666 को आगरा के किले के दीवान-ए-आम में औरंगजेब के समक्ष शिवाजी उपस्थित हुए ।
 - यहाँ शिवाजी को कैद कर जयपुर भवन में रखा गया।
- 5) 1686 ई. में बीजापुर एवं 1687 ई. में गोलकुण्डा को औरंगजेब ने मुगल साम्राज्य में मिला लिया।

Travels in the Mogul Empire

AD 1656–1668

Francois Bernier

Second Edition Revised by Vincent A. Smith



23.6) Miscellaneous Facts

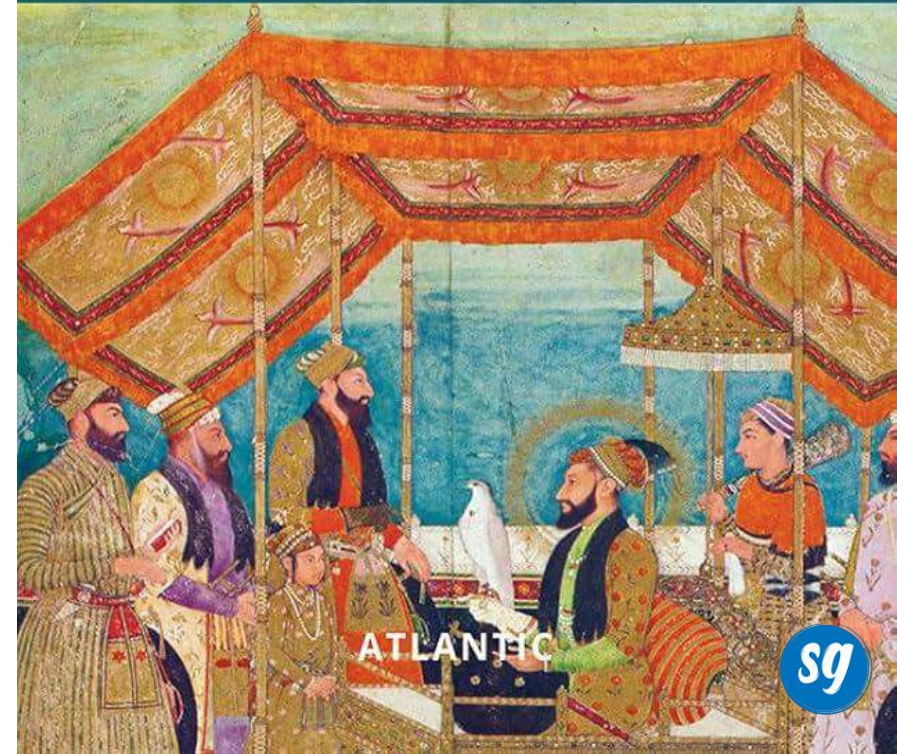
- 1) Aurangzeb's Death —→ **3 March, 1707**
 - Tomb: Khuldabad, Aurangabad (Maharashtra)
- 2) During Aurangzeb's time, the number of provinces was 21.
- 3) **French traveler Francois Bernier** —→ "Travels in the Mughal Empire"
- 4) In May 1666, Shivaji appeared before Aurangzeb in the Diwan-i-Aam of Agra Fort
 - Here Shivaji was imprisoned and kept in Jaipur Bhawan
- 5) In 1686 AD, Bijapur and in 1687 AD, Golconda were annexed to the Mughal Empire by Aurangzeb

Travels in the Mogul Empire

AD 1656–1668

Francois Bernier

Second Edition Revised by Vincent A. Smith



24) परवर्ती मुगल शासक (1707-1857)

1

बहादुरशाह (1707-1712)

2

जहांदारशाह
(1712-13)

3

फर्रुखसियर
(1713-1719)

4

मुहम्मदशाह (1719-1748)

5

अहमदशाह
(1748-1754)

6

आलमगीर द्वितीय
(1754-1759)

7

शाहआलम
द्वितीय (1759-1806)

8

अकबर द्वितीय
(1806-1837)

9

बहादुरशाह जफर
द्वितीय (1837-57)

24) Later Mughal Rulers (1707-1857)

1

Bahadur Shah
(1707-1712)

2

Jahandar Shah
(1712-13)

3

Farrukhsiyar
(1713-1719)

4

Muhammad Shah
(1719-1748)

5

Ahmad Shah
(1748-1754)

6

Alamgir II
(1754-1759)

7

Shah Alam II
(1759-1806)

8

Akbar II
(1806-1837)

9

Bahadur Shah
Zafar II (1837-57)



24.1) बहादुरशाह प्रथम : शाह ए बेखबर (1707-1712)

- 1) जन्म → 14 अक्टूबर 1643
- 2) माता → नवाबबाई
- 3) मूल नाम → मिर्जा मुहम्मद मुअज्जम या शाह आलम प्रथम
- 4) पिता → औरंगजेब
- 5) राज्यारोहण → 18 जून 1707 →
 - जाजऊ का युद्ध (1707)
 - 65 वर्ष की आयु में सुल्तान
- 6) शाह ए बेखबर → राजनैतिक लापरवाही
- 7) मृत्यु →
 - 27 फरवरी 1712, लाहौर
 - बंदा बहादुर के विरुद्ध युद्ध में

8) शांतिपूर्ण नीति

- 1707 में शाहू की रिहाई
- गुरु गोविंद सिंह से मित्रता
- बुंदेला व जाटों से मित्रता
- पुर्तगाल महिला : **जूलियाना (बीबी या फ़िदवा) : सराय जुलेना, दिल्ली**



जाजऊ का युद्ध
(1707) :
औरंगजेब के दो
पुत्रों मुअज्जम
और आजम

24.1) Bahadur Shah I : Shah-e-Bekhbar (1707-1712)

- 1) **Birth** → October 14, 1643
- 2) **Mother** → Nawab Bai
- 3) **Original Name** → **Mirza Muhammad Muazzam or Shah Alam I**
- 4) **Father** → Aurangzeb
- 5) **Accession to Throne** → 18 June 1707 →
 - Battle of Jajau (1707)
 - Became Sultan at age 65
- 6) **Shah-e-Bekhbar** → **Political Negligence**
- 7) **Death** →
 - February 27, 1712, Lahore
 - During war against Banda Bahadur

8) Peaceful Policy

- Released Shahu in 1707
- Friendship with Guru Govind Singh
- Friendship with Bundelas and Jats
- Portuguese Woman:

Juliana (Known as Bibi or Fidwa): Sarai Julena, Delhi



Battle of Jajau (1707)
Between
Aurangzeb's two
sons Muazzam and
Azam

24.2) जहांदार शाह : पहला कठपुतली शासक (1712-13)



- 1) बहादुर शाह प्रथम का पुत्र : पहला कठपुतली शासक
- 2) **वजीर** → **जुल्फिकार खां** ← औरंगजेब के वजीर असद खां का पुत्र
- 3) **दीवान** → राजा सुभागचंद्र
- 4) **1712** → **जजिया कर की समाप्ति**

- 5) **आमेर के राजा जय सिंह II** →
 - ▶ औरंगजेब → **सवाई**
 - ▶ जहांदारशाह → **मिर्जा राजा**
 - ▶ मुहम्मद शाह → **राज राजेश्वर**
 - ▶ जयपुर के संस्थापक + श्री राजाधिराज
 - ▶ **अप्रैल 1721** → सरमद-ए-राजा-ए-हिंद
 - ▶ पाँच वेधशालाएँ (जंतर मंतर)

1733 : जय सिंह द्वितीय ने
लिखी : खगोलीय पुस्तक
'जिज मुहम्मदशाही'



24.2) Jahandar Shah : First Puppet Ruler (1712-13)

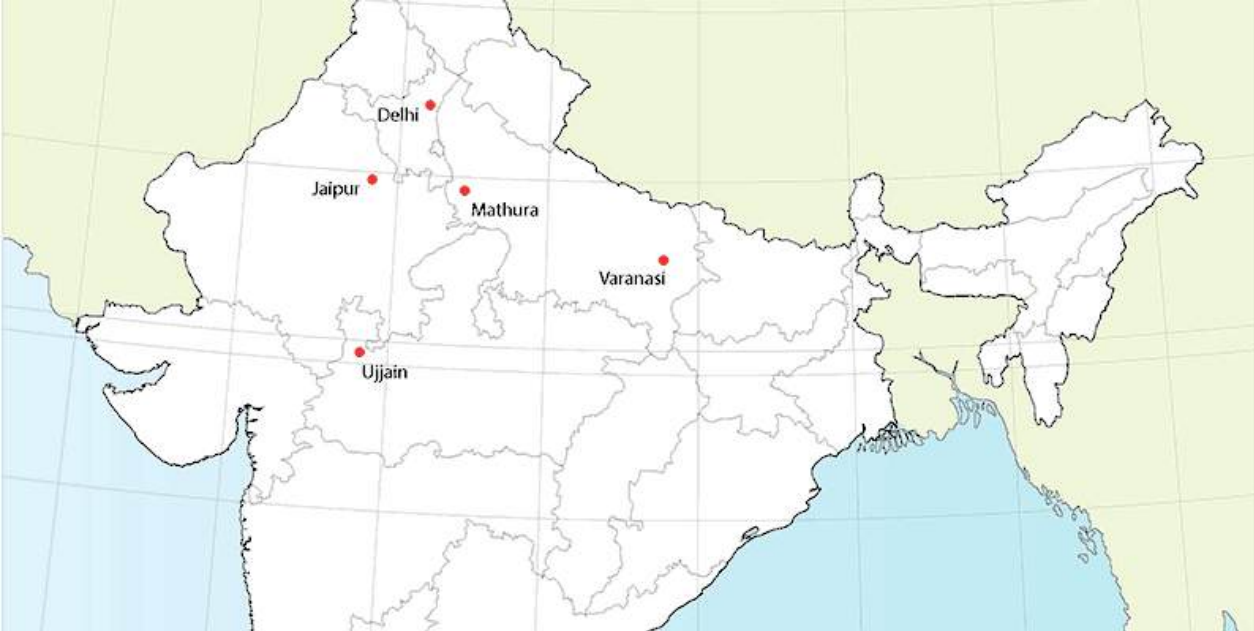


- 1) Son of Bahadur Shah I
- 2) **Vizier** → **Zulfiqar Khan** ← Son of Aurangzeb's Vizier Asad Khan
- 3) **Diwan** → Raja Subhag Chand
- 4) **1712** → Abolition of Jizya Tax

- 5) **Raja Jai Singh II of Amber**
 - **Aurangzeb** → **Sawai**
 - **Jahandar** → **Mirza Raja**
 - **Muhammad Shah - Raja Rajeshwar**
 - Founder of Jaipur + Lord of Kings
 - **April 1721** → Sarmad-e-Raja-e-Hin
 - Five Observatories (Jantar Mantar)

1733 : Jai Singh II authored
"Zij Muhammad Shahi," an
astronomical treatise





पाँच वेधशालाएँ (जंतर मंतर) : खगोलीय मापन, ग्रहणों की भविष्यवाणी और खगोलीय पिंडों की निगरानी के।

- 1) दिल्ली
- 2) जयपुर
- 3) उज्जैन
- 4) मथुरा
- 5) वाराणसी

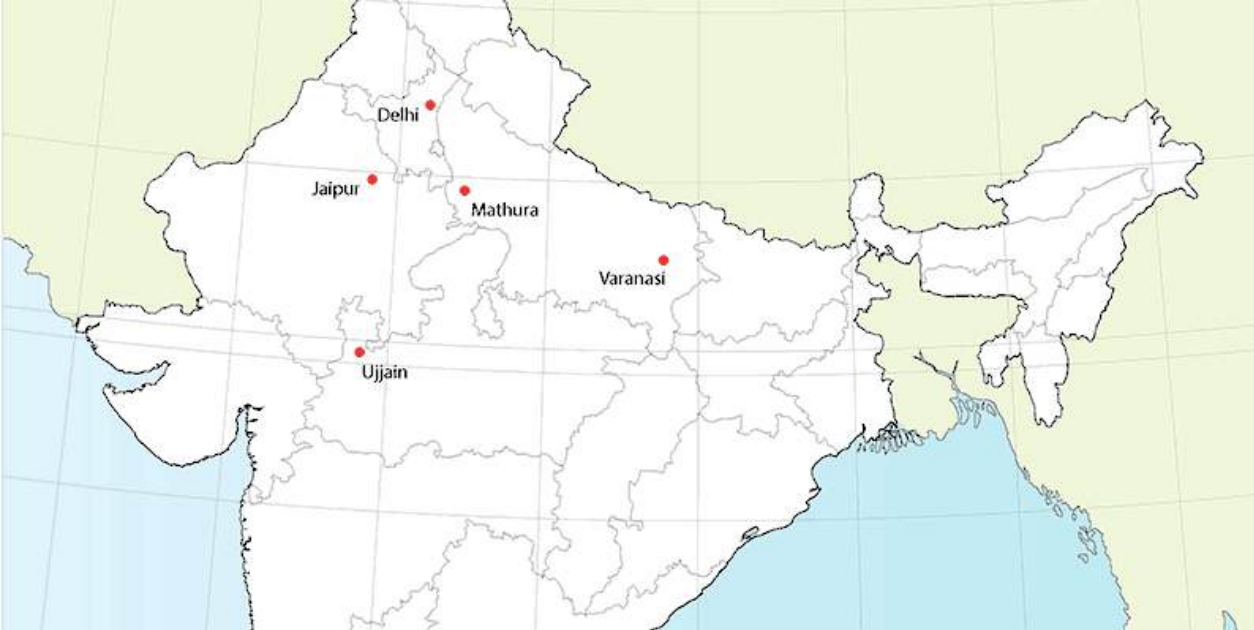


Humble tribute to the founder of Jaipur

Maharaja Sawai Jai Singh II

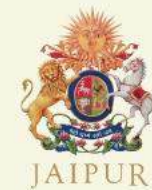
on his death anniversary

3 November 1688 - 21 September 1743



For astronomical measurements, eclipse predictions,
and celestial monitoring

- 1) Delhi
- 2) Jaipur
- 3) Ujjain
- 4) Mathura
- 5) Varanasi



Humble tribute to the founder of Jaipur

Maharaja Sawai Jai Singh II

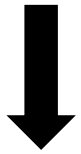
on his death anniversary

3 November 1688 - 21 September 1743

- 6) मारवाड़ के राजा अजीत सिंह → महाराजा की उपाधि
7) अनैतिक संबंध → लाल कुंवर नामक महिला
8) इतिहासकार ताराचंद्र → लंपट मूर्ख
9) मृत्यु → 11 फरवरी 1713

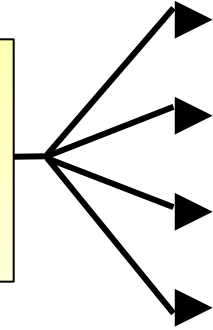
सैय्यद बंधु

(अब्दुल खां व हुसैन अली खां)



KINGMAKER

(4शासक)



फ़र्रुख़सियर (1713-1719)

रफ़ी-उद्-दरजात (1719)

रफ़ी-उद्-दौला या शाहजहाँ द्वितीय (1719)

मुहम्मद शाह 'रंगीला' (1719-1748)



ABTULLAH KHAN



HUSAIN ALI KHAN

- 6) Raja Ajit Singh of Marwar → Granted title of Maharaja
- 7) Immoral Relationships → Woman named Lal Kunwar
- 8) Historian Tarachandra → Called "Lustful Fool"
- 9) Death → February 11, 1713



ABTUALLAH KHAN

Sayyid Brothers
(Abdul Khan and Husain Ali Khan)

- Farrukhsiyar (1713-1719)
- Rafi-ud-Darzat (1719)
- Rafi-ud-Daula or Shah Jahan II (1719)
- Muhammad Shah "Rangila" (1719-1748)

KINGMAKER
(4Rulers)



HUSAIN ALI KHAN

24.3) फर्रुखशियर : घृणित कायर (1713-1719)

1) सैय्यद बंधुओं के सहयोग से शासक

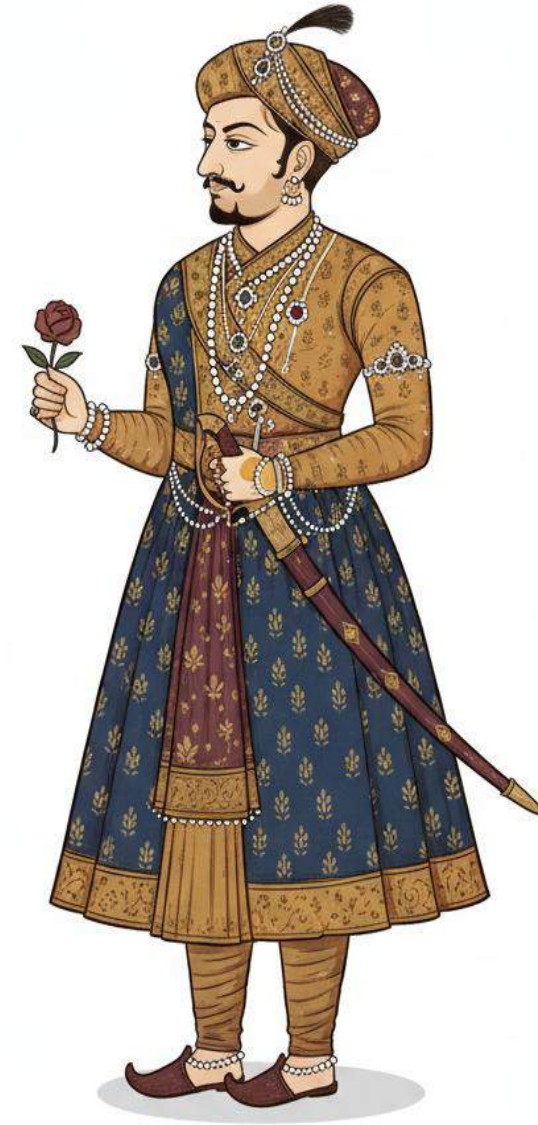
- वजीर : अब्दुल्ला खां
- मीर बख्शी : हुसैन अली खां

- हुसैन अली - बिहार का नायब सूबेदार
- अब्दुल्ला खां - इलाहाबाद का नायब सूबेदार

2) 1713

चिनकिलिज खां

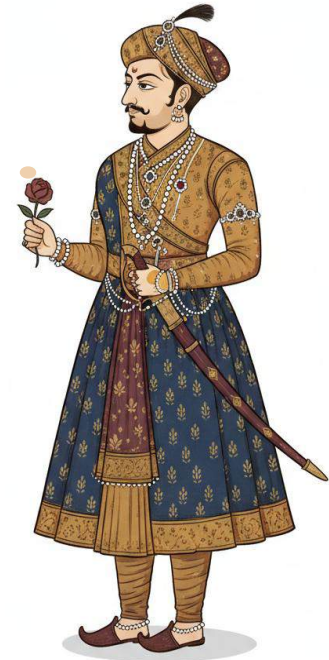
- तूरानी (मध्य एशिया : तुर्क, तातारी और मंगोल)
- 1713 : छः दक्कन सूबों की सूबेदारी
- उपाधि - निज़ाम-उल-मुल्क फतेह जंग
- 1724 में हैदराबाद की स्वतंत्रता
- मुहम्मद शाह द्वारा आसफ जाह की उपाधि



FARUKHSIYAR

दक्कन के 06 सूबे : खानदेश, बीजापुर, बरार, औरंगाबाद, हैदराबाद और बीदर

24.3) Farrukhsiyar : Despicable Coward (1713-1719)



FARUKHSIYAR

1) Ruler with support of Sayyid Brothers

- Vizier : Abdullah Khan
- Mir Bakshi : Husain Ali Khan

- Husain Ali - Deputy Governor of Bihar
- Abdullah Khan - Deputy Governor of Allahabad

2) 1713

Nizam-ul-Mulk

- Turani (Central Asian: Turk, Tatar, and Mongol)
- 1713 : Appointed Governor of six Deccan provinces
- Title - Nizam-ul-Mulk Fateh Jung
- Independence of Hyderabad in 1724
- Granted title "Asaf Jah" by Muhammad Shah

Six Deccan Provinces: Khandesh, Bijapur, Berar, Aurangabad, Hyderabad, and Bidar

3) 19 जून 1716 → बंदाबहादुर की दिल्ली में निर्मम हत्या
→ लाहौर का सूबेदार - अब्दुस्समद

4) 1717 → अंग्रेजों को शाही फरमान (दस्तक : EIC का मैग्राकार्टा)
→ अंग्रेज जॉन सरमन तथा डॉक्टर विलियम हैमिल्टन



5) फर्रुखसियर ने पुनः जजिया लगाया
☀ अंतिम रूप से समाप्त : 1720, मुहम्मद शाह रंगीला

6) मृत्यु → 19 अप्रैल 1719



हुसैन अली
द्वारा

दिल्ली की संधि (1719) : हुसैन अली व पेशवा
बालाजी विश्वनाथ

मराठों को दक्षिण के 6 सूबों में चौथ व
सरदेशमुखी का अधिकार

फर्रुखसियर : घृणित कायर

- 3) 19 June 1716 → Banda Bahadur's Brutal Execution in Delhi
→ Governor of Lahore - Abdu-Samad



- 4) 1717 → Royal Firman Granted to English (Dastak: Magna Carta of EIC)
→ English representatives John Surman and Dr. William Hamilton

- 5) Farrukhsiyar Reimposed Jizya Tax

☀ Finally Abolished : 1720 by Muhammad Shah Rangila

- 6) Death → 19 April 1719



By Husain Ali

Treaty of Delhi (1719) : Between Husain Ali and Peshwa Balaji Vishwanath

Granted Marathas right to collect Chauth and Sardeshmukhi in 6 southern provinces

Farrukhsiyar: Despicable Coward

24.4) मुहम्मदशाह रंगीला (1719-1748)

- 1) बहादुरशाह प्रथम का 18 वर्षीय पोता
- 2) **सैय्यद बंधुओं द्वारा नियुक्त अंतिम बादशाह**
 - ☀ **1720** - हुसैन अली खा की हैदर खां द्वारा हत्या
 - ☀ **1722** - अब्दुल्ला खां की हत्या
 - ☀ **कारण** - तूरानी गुट (निजामुल मुल्क + अमीन खां) का शक्तिशाली होना
- 3) **मुहम्मदशाह के शासनकाल में स्वतंत्र हुए राज्य**
- 4) **संगीत की टप्पा शैली** का विकास : ग्वालियर घराना
- 5) उर्दू (राजकीय संरक्षण) व संगीत का सर्वाधिक विकास
 - प्रसिद्ध संगीतज्ञ : सदारंग व अदारंग

राज्य	संस्थापक
कर्नाटक	सादतुल्ला खाँ - 1710
फर्रुखाबाद	मुहम्मद खाँ बंगश - 1715
बंगाल	मुर्शिद कुली खाँ - 1717
कटेहर (रूहेला)	अली मोहम्मद खान - 1721
अवध	सआदत खाँ - 1722
भरतपुर	बदनसिंह - 1722
हैदराबाद	निजामुल मुल्क - 1724

24.4) Muhammad Shah "Rangila" (1719-1748)

- 1) 18-year-old grandson of Bahadur Shah I
- 2) **Last Emperor appointed by Sayyid Brothers**
 - ☀ **1720** - Husain Ali Khan assassinated by Haider Khan
 - ☀ **1722** - Abdullah Khan assassinated
 - ☀ **Reason** - Rise of Turani faction (Nizam-ul-Mulk + Amin Khan)
- 3) **Independent States Emerged During Muhammad Shah's Reign**
- 4) Development of Tappa Music Style: Gwalior School
- 5) Greatest Development of Urdu (Royal Patronage) and Music
 - Famous Musicians: Sadarang and Adarang

Kingdoms	Founder
Karnataka	Sadatullah Khan - 1710
Farrukhabad	Muhammad Khan Bangash - 1715
Bengal	Murshid Quli Khan - 1717
Katehr (Rohilla)	Ali Mohammad Khan - 1721
Awadh	Sadat Khan - 1722
Bharatpur	Badan Singh - 1722
Hyderabad	Nizam-ul-Mulk - 1724

6) आधुनिक उर्दू शायरी के जन्मदाता → 'वली दक्कनी' → दीवान नाम से संग्रह

7) विदेशी आक्रमण → नादिरशाह (1739)

अहमद शाह अब्दाली
(1748)

- अफगान का दुर्रे दुरानी
- कुल 7 आक्रमण - 1748 से 1767
- सर्वाधिक 3 आक्रमण - शाह आलम द्वितीय (1759-1806)
- पानीपत का III युद्ध
 - 14 जनवरी 1761 : मराठा पराजय
- अंतिम - सिक्ख

▶ ईरान का नेपोलियन

▶ कारण : मुहम्मदशाह द्वारा नादिर के विरोधियों को शरण + धन

▶ 24 फरवरी 1739 - करनाल युद्ध में मुगल सेना की पराजय (मुगल सेनापति : खान दौलत)

▶ 20 मार्च 1739 → 57 दिन तक दिल्ली की लूट
70 करोड़ + मयूर सिंहासन + कोहीनूर हीरा

▶ सआदत खा (अवध का संस्थापक) ने आत्महत्या की

पेशवा बाजीराव प्रथम ने 1737 में दिल्ली पर आक्रमण किया

6) Father of Modern Urdu Poetry → **'Wali Deccani'** → **Collection named**

"Divan"



7) **Foreign Invasions** → **Nadir Shah (1739)**

Ahmad Shah Abdali (1748)

- **Ahmad Shah Abdali of Afghanistan**
- Total 7 invasions from 1748 to 1767
- Maximum 3 invasions during Shah Alam II (1759-1806)
- **Third Battle of Panipat**
 - **January 14, 1761: Maratha Defeat**
- Last - Sikhs

▶ **Napoleon of Iran**

▶ **Reason :** Muhammad Shah sheltered Nadir's enemies and provided funds

▶ **24 February 1739 -** Mughal Army Defeated at Battle of Karnal

▶ **20 March 1739** → **Delhi Plundered for 57 Days**
→ **70 crore rupees + Peacock Throne + Koh-i-Noor Diamond**

▶ **Sadat Khan (Founder of Awadh) Committed Suicide**

Peshwa Bajirao I attacked Delhi in 1737

24.5) अहमदशाह (1748-1754)



Ahmed Shah



Safdarjung

Imad-ul-Mulk

- 1) मुहम्मदशाह का पुत्र
- 2) वजीर : अवध सूबेदार सफदरजंग
 - मराठा सरदार मल्हार राव के सहयोग से **इमादुलमुल्क वजीर** बन गया।
 - इमादुल मुल्क का वास्तविक नाम : **गाजीउद्दीन** था
- 3) **किन्नर तथा महिलाओं का प्रशासन में अत्यधिक हस्तक्षेप**
 - राजमाता उधमबाई (किबला-ए-आलम)
 - किन्नर जाविद खान (नवाब बहादुर)
- 4) मुगल बादशाह अहमद शाह को अपनी सेना को **वेतन देने के लिए शाही सामान बेचने पड़े** थे, जो कि उनके शासनकाल के दौरान मुगल साम्राज्य की कमजोर अर्थव्यवस्था का एक प्रमाण था।

24.5) Ahmad Shah (1748-1754)



Ahmed Shah



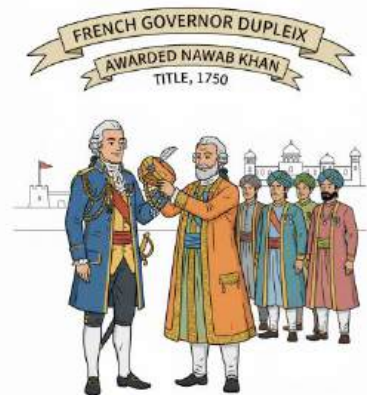
Safdarjung

Imad-ul-Mulk

- 1) Son of Muhammad Shah
- 2) Vizier : Safdarjung, Governor of Awadh
 - With assistance of Maratha Chief Malhar Rao, Imad-ul-Mulk became Vizier
 - Imad-ul-Mulk's real name was Ghazi-ud-Din
- 3) Excessive interference of eunuchs and women in administration
 - Queen Mother Udham Bai (Kibla-e-Alam)
 - Eunuch Javed Khan (Nawab Bahadur)
- 4) Emperor Ahmad Shah had to sell royal goods to pay army wages, which proved the weak economy of Mughal Empire during his reign.

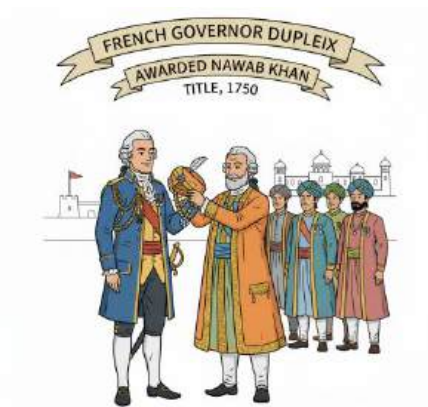
24.6) आलमगीर द्वितीय (1754-59)

- 1) जहांदार शाह का पुत्र
- 2) मूल नाम —————→ अजीनुद्दीन
- 3) वजीर —————→ इमादुल मुल्क
- 4) अब्दाली के तीन आक्रमण
- 5) फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले को नबाव खां की उपाधि
- 6) प्लासी का युद्ध (1757) —————→ सिराजुद्दौला बनाम BEIC



24.6) Alamgir II (1754-59)

- 1) Son of Jahandar Shah
- 2) **Original Name** —————→ Aziz-ud-Din
- 3) **Vizier** —————→ Imad-ul-Mulk
- 4) **Three invasions by Abdali**
- 5) French Governor Dupleix granted title "Nawab Khan"
- 6) **Battle of Plassey (1757)** —————→ Siraj-ud-Daula vs.
British East India Company



24.7) शाह आलम द्वितीय (1759-1806)

- 1) आलमगीर द्वितीय का पुत्र
- 2) मूल नाम —————> अली गौहर
- 3) बक्सर का युद्ध (1764) —> अंग्रेज
—> **शाह आलम II** + मीर कासिम + शुजाउद्दौला

इलाहाबाद की पहली संधि (12 अगस्त

1765)

अंग्रेजों का पेंशनर बनने वाला प्रथम
मुगल बादशाह (1764-1772)

- 4) 1772 ई. में महादजी सिन्धिया ने शाह आलम द्वितीय को दिल्ली की राजगद्दी पर बैठाया।



BATTLE OF BUXAR, 1764



TREATY OF ALLAHABAD,

24.7) Shah Alam II (1759-1806)

1) Son of Alamgir II

2) Original Name → Ali Gauhar

3) Battle of Buxar (1764) → British
→ Shah Alam II + Mir Qasim + Shuja-ud-Daula

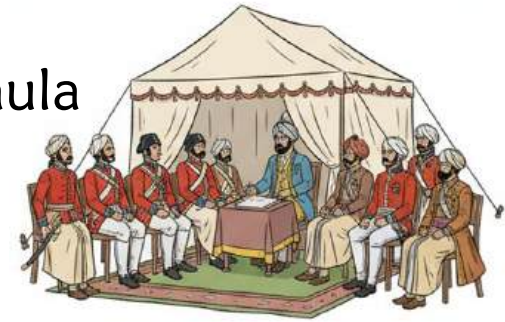
First Treaty of Allahabad (12 August 1765)

First Mughal Emperor to become
British Pensioner (1764-1772)

4) In 1772 CE, Mahadaji Sindhia placed Shah Alam II back on Delhi's throne.



BATTLE OF BUXAR, 1764



TREATY OF ALLAHABAD,

24.8) अकबर द्वितीय (1806-37 ई.)

- 1) अकबर द्वितीय शाहआलम द्वितीय का पुत्र था।
- 2) अंग्रेजों के संरक्षण में बनने वाला वह प्रथम मुगल बादशाह था। अब बादशाह लाल किले का कैदी मात्र रह गया।
- 3) अकबर द्वितीय के शासनकाल में मुगल सिक्के 1835 ई. में बन्द हो गए।

- 4) **राजा राममोहन राय**
- राजा की उपाधि
 - **4 दिसंबर, 1829 : बंगाल सती विनियमन**
 - 1830 : पेंशन हेतु लंदन भेजा
 - 1833 में ब्रिस्टल में उनकी मृत्यु हो गई और उन्हें अर्नोस वेले कब्रिस्तान में दफनाया गया

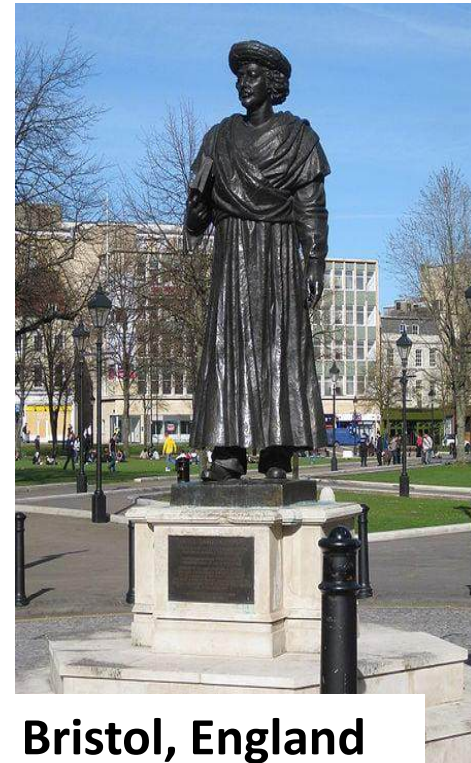


Bristol, England

24.8) Akbar II (1806-37 CE.)

- 1) Akbar II was the son of Shah Alam II.
- 2) He was the first Mughal Emperor to become the British protégé.
- 3) Now the Emperor became mere prisoner of the Red Fort.
- 4) During Akbar II's reign, Mughal coins ceased production in 1835 CE.

- 5) **Raja Ram Mohan Roy**
- Granted title "Raja"
 - December 4, 1829 : Bengal Sati Regulation**
 - 1830 : Sent to London for pension
 - He died in Bristol in 1833 and was buried in Arnos Vale Cemetery



Bristol, England

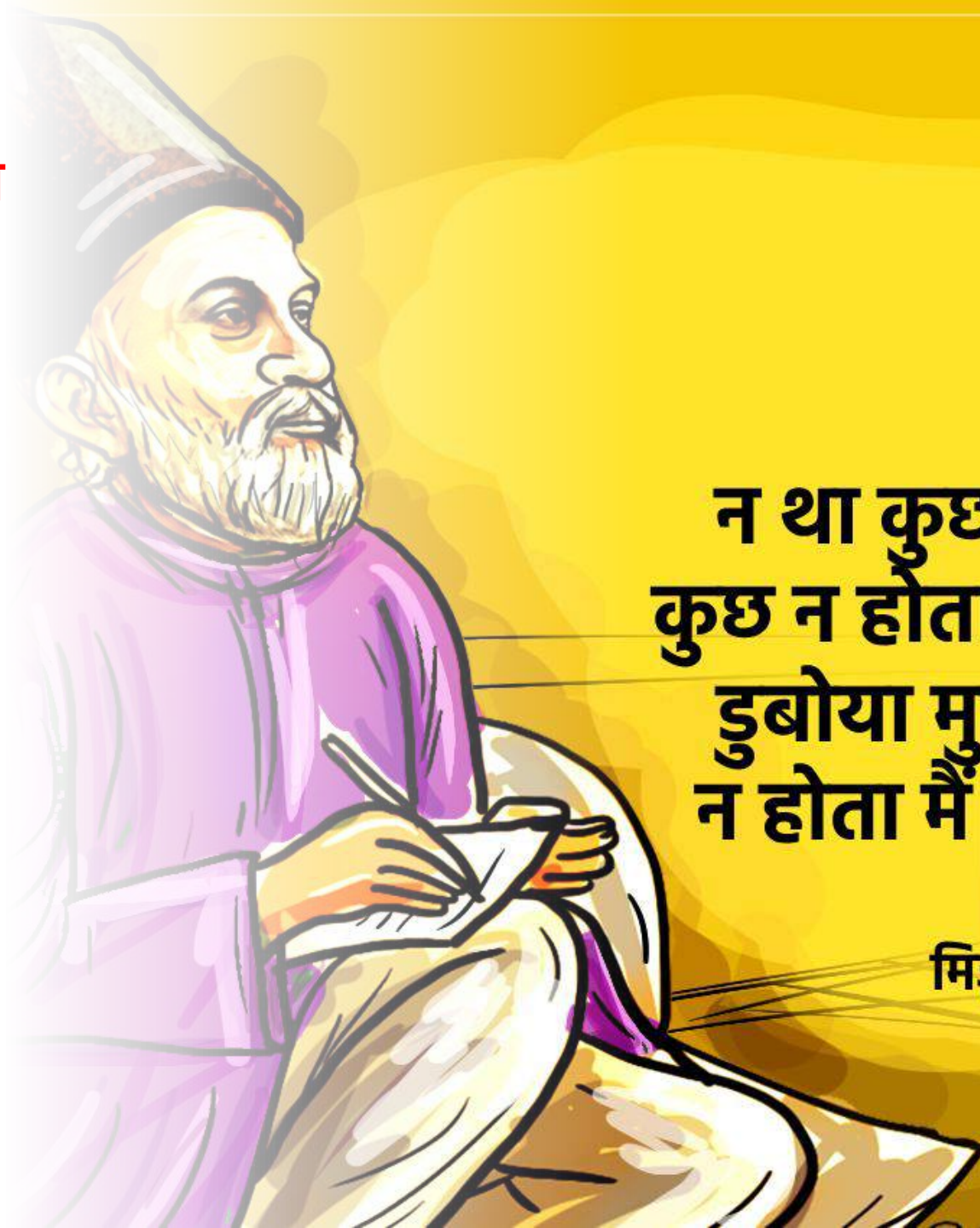
24.9) बहादुर शाह द्वितीय 'जफर' (1837-1858 ई.)

- 1) अन्तिम मुगल बादशाह
- 2) पिता: **अकबर शाह द्वितीय**
- 3) माता (Mother): लाल बाई
- 4) जफर उपनाम से शायरी एवं कविता
- 5) आध्यात्मिक गुरु : हसन अस्करी
- 6) कविता के शिक्षक : इब्राहिम जौक एवं **मिर्जा गालिब**
(मिर्जा असदुल्लाह बेग खान)
 - बहादुर शाह जफर ने उपाधि : '**दबीर-उल-मुल्क**', '**नज़्म-उद-दौला**' और '**मिर्जा नोशा**' की उपाधि से सम्मानित किया
- 7) 1857 ई. की क्रान्ति के दौरान विद्रोहियों ने बहादुर शाह को हिन्दुस्तान का बादशाह घोषित किया।
- 8) मेजर हडसन ने दिल्ली में हुमायूं के मकबरे पर बहादुर शाह को गिरफ्तार
- 9) **मृत्यु: 7 नवम्बर 1862, रंगून (बर्मा)**
- 10) उनका मकबरा रंगून (यांगून) में स्थित है।
 - "कितना है बदनसीब ज़फर, दफ्न के लिए दो गज ज़मीन भी न मिली कुए-यार में।"
 - सर जदुनाथ सरकार : 'जब स्वर्ण को ही जंग लग जाये, तो लोहा क्या करेगा।'

24.9) Bahadur Shah II 'Zafar' (1837-1858 CE.)

- 1) Last Mughal Emperor
- 2) Father : **Akbar Shah II**
- 3) Mother : Lal Bai
- 4) Wrote poetry and verses under pen name "Zafar"
- 5) Spiritual Guru : Hasan Askari
- 6) Poetry Teachers : Ibrahim Jauq and Mirza Ghalib (Mirza Asadullah Beg Khan)
 - Bahadur Shah Zafar was honored with titles: 'Dabir-ul-Mulk,' 'Nazm-ud-Daula,' and 'Mirza Nausha'
- 7) During the 1857 Revolt, rebels proclaimed Bahadur Shah as Emperor of India
- 8) Major Hudson arrested Bahadur Shah at Humayun's Tomb in Delhi
- 9) **Death : November 7, 1862, Rangoon (Burma)**
- 10) His tomb is located in Rangoon (Yangon)
 - How unfortunate is Zafar, even two yards of earth for burial were not granted in the beloved's abode."
 - Sir Jadunath Sarkar: 'When gold itself gets rust, what can iron do?'

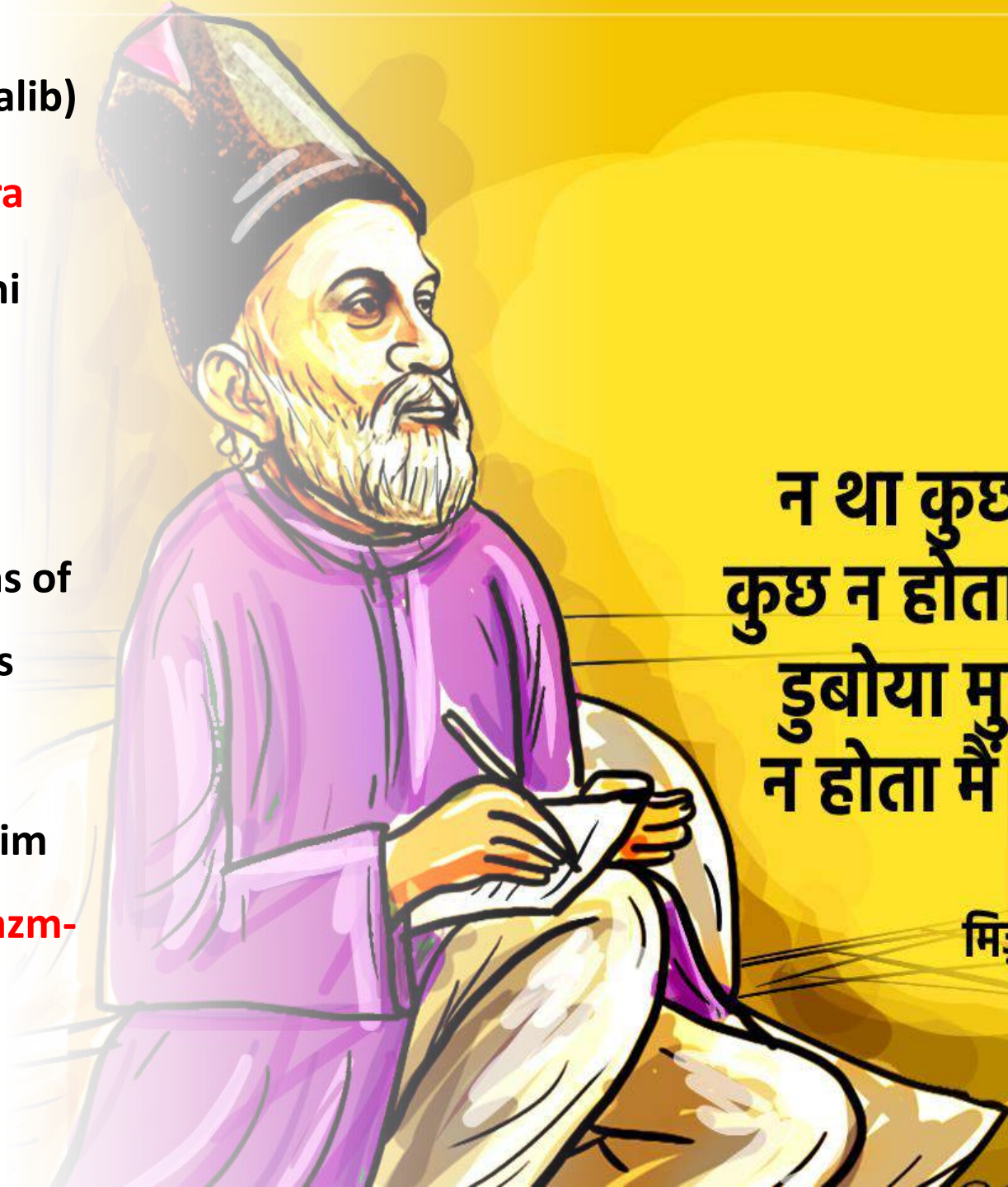
- मिर्ज़ा असदुल्ला बेग ख़ाँ
- जन्म : 27 दिसंबर 1797, आगरा
- मृत्यु : 15 फरवरी 1869, दिल्ली
- भाषाएँ : उर्दू, फ़ारसी
- प्रसिद्ध ग्रंथ : दीवान-ए-ग़ालिब
- 1857 के सैनिक विद्रोह के दौरान दिल्ली के हालात का जिक्र ग़ालिब ने अपनी किताब 'दस्तंभो' में भी किया है
- बहादुर शाह जफर ने उपाधि : 'दबीर-उल-मुल्क', 'नज़्म-उद-दौला' और 'मिर्ज़ा नोशा' की उपाधि से सम्मानित किया



न था कुछ तो ख़ुदा था
कुछ न होता तो ख़ुदा होता
डुबोया मुझ को होने ने
न होता मैं तो क्या होता

मिर्ज़ा ग़ालिब

- Mirza Asadullah Beg Khan (Ghalib)
- Birth : December 27, 1797, Agra
- Death: February 15, 1869, Delhi
- Languages : Urdu, Persian
- Famous Work : Divan-e-Ghalib
- Ghalib described the conditions of Delhi during 1857 Mutiny in his book '**Dastanbu**'
- Bahadur Shah Zafar honored him with titles: '**Dabir-ul-Mulk,**' '**Nazm-ud-Daula,**' and '**Mirza Nausha**'



न था कुछ तो ख़ुदा था
कुछ न होता तो ख़ुदा होता
डुबोया मुझ को होने ने
न होता मैं तो क्या होता

मिर्ज़ा ग़ालिब

24.10) मुगल साम्राज्य के पतन का कारण

1) जदुनाथ सरकार	○ पुस्तक - FALL OF THE MUGHAL EMPIRE ○ औरंगजेब की नीतियां = धार्मिक कट्टरता + असहिष्णु राजपूत नीति + दक्कन नीति + जागीरदारी संकट
2) सतीश चंद्र	○ पुस्तक : PARTIES AND POLITICS AT THE MUGHAL COURT ○ जागीरदारी संकट : जमींदारों, जागीरदारों व किसानों के मध्य त्रिपक्षी संबंध में असंतुलन ○ दक्कन में प्रशासनिक व्यवस्था हेतु अत्याधिक जागीरदारों की नियुक्ति ○ जागीरों की कमी

24.10) Causes of Fall of Mughal Empire

1) Jadunath Sarkar

- Book - **FALL OF THE MUGHAL EMPIRE**
- Aurangzeb's Policies = Religious Extremism + Intolerant Rajput Policy + Deccan Policy + Jagirdari Crisis

2) Satish Chandra

- Book : **PARTIES AND POLITICS AT THE MUGHAL COURT**
- **Jagirdari Crisis** : Imbalance in three-way relationship between zamindars, jagirdars, and peasants
- Excessive appointment of jagirdars for administrative purposes in the Deccan
- Shortage of jagirs (fiefs)

3) इरफान हबीब	○ पुस्तक : THE AGRARIAN SYSTEM OF MUGHAL INDIA ○ कृषि संकट का सिद्धांत - विद्रोह व आर्थिक संकट ○ अत्याधिक लगान, राजस्व बकाया व राजस्व वसूलने के निर्मम तरीके
4) करेन लियोनार्ड	○ महान फर्म सिद्धांत (Great firm theory) ○ 1650 के बाद वणिक वर्ग (बैंकर / व्यापारी / उद्योगपति) जो पहले मुगल के साथ थे, वे राजनीति से हमेशा दूर रहे, वे अब क्षेत्रीय शासकों व ईस्ट इण्डिया कम्पनी के साथ हो गए थे। इस कारण मुगल शासन आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर हो गया ।
5) मोरलैंड	○ पुस्तक : FROM AKBAR TO AURANGZEB : A STUDY IN INDIAN ECONOMIC HISTORY ○ सिद्धांत : कृषि व जागीरदारी सिद्धांत

3) Irfan Habib	○ Book : THE AGRARIAN SYSTEM OF MUGHAL INDIA ○ Agricultural Crisis Theory: Rebellion and Economic Crisis ○ Excessive taxation, revenue arrears, and harsh revenue collection methods
4) Karen Leonard	○ Great firm theory ○ After 1650, merchant class (bankers/traders/industrialists) who were formerly with Mughals gradually withdrew and aligned with regional rulers and East India Company. This caused the Mughal administration to become extremely economically weakened.
5) Moreland	○ Book : FROM AKBAR TO AURANGZEB : A STUDY IN INDIAN ECONOMIC HISTORY ○ Theory : Agricultural and Jagirdari System Theory

25) मुगल कालीन प्रशासन व अन्य

मुगल प्रशासन

साहित्य

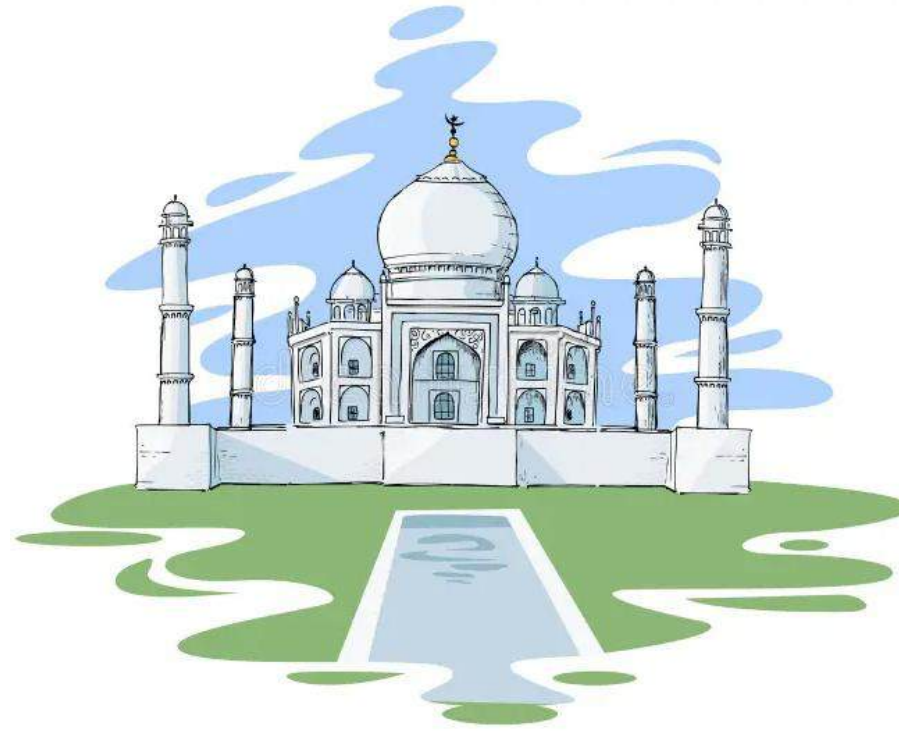
चित्रकला

वास्तुकला व
स्थापत्य

संगीत व अन्य



- सामान्य परिचय
- राजस्व
- न्याय
- सैन्य
- युद्ध
- मनसबदारी



मुगलों की राजधानी

- 1) आगरा : 1556-1569
- 2) फतेहपुर सीकरी : 1569-1584
- 3) लाहौर : 1585-1599
- 4) आगरा : 1600-1648
- 5) शाहजहांबाद (दिल्ली) : 1648
- 6) दक्षिण : बुरहानपुर

25) Mughal Administration & Other Aspects

**Mughal
Administration**

Literature

Painting

**Architecture and
Construction**

**Music and
Others**



- General Introduction
- Revenue
- Justice
- Military
- Warfare
- Mansabdari System



Capitals of the Mughals

- 1) **Agra : 1556-1569**
- 2) **Fatehpur Sikri : 1569-1584**
- 3) **Lahore : 1585-1599**
- 4) **Agra : 1600-1648**
- 5) **Shahjahanabad (Delhi): 1648**
- 6) **South : Burhanpur**

25.1) मुगल प्रशासन

1) मुगल प्रशासनिक मॉडल का संस्थापक :- **अकबर**

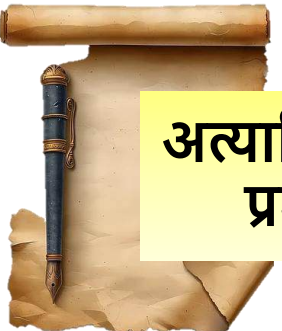
2) भारतीय + अरबी + फारसी + मंगोल + तुर्की

3) **प्रकृति :-**

☀ केंद्रीय व निरंकुश

☀ पैतृक अधिकारी तंत्र

☀ **सैनिक राज्य** - सद्र व काजी को छोड़कर शेष सभी अधिकारी सैन्य कार्य भी



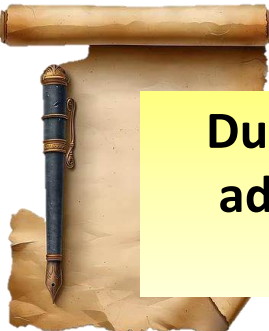
अत्याधिक कागजों के उपयोग के कारण मुगल प्रशासन को पेपर स्टेट भी कहा गया है



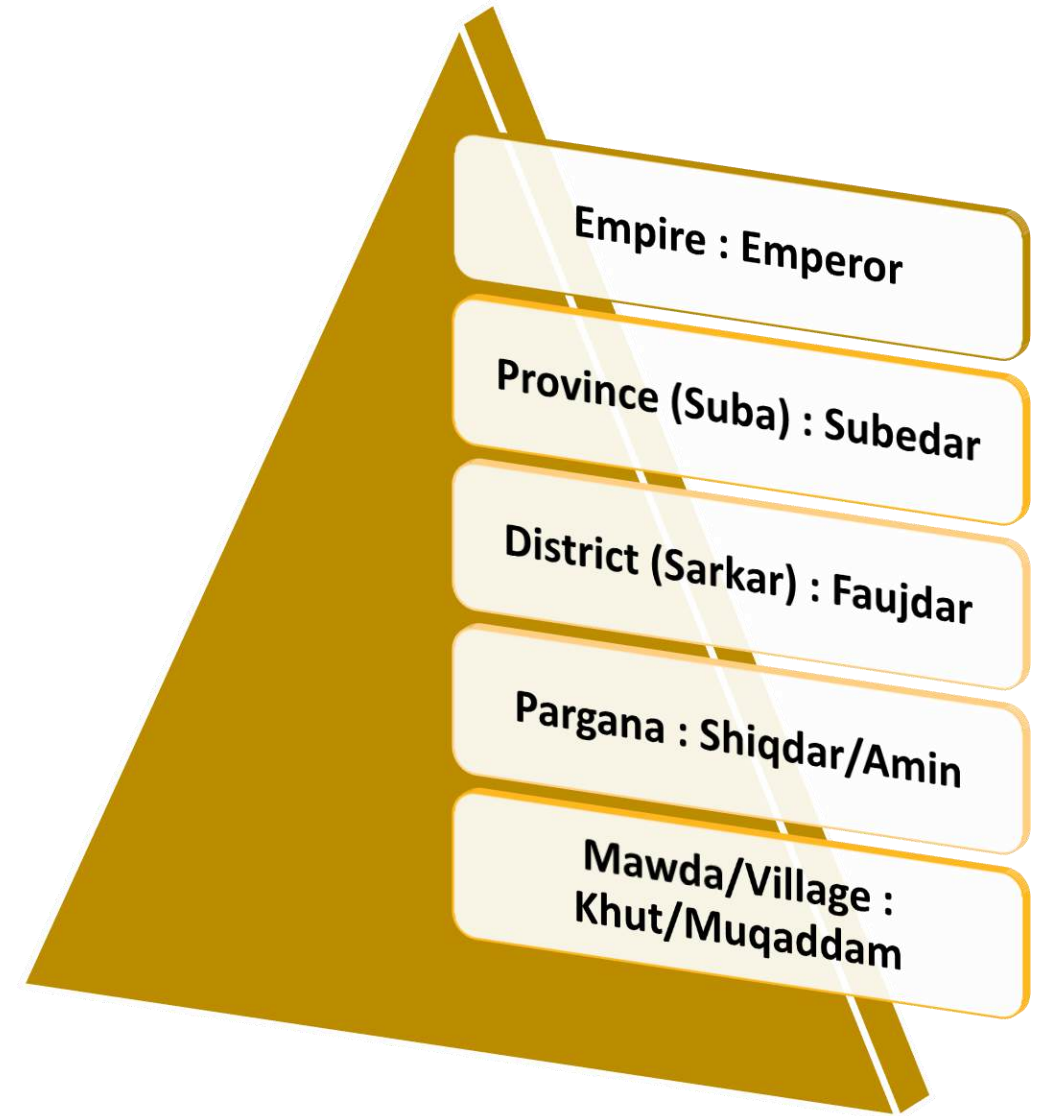
चकला : शाहजहाँ के शासनकाल में सरकार और परगना के बीच एक नई इकाई

25.1) Mughal Administration

- 1) Founder of Mughal Administrative Model : **Akbar**
- 2) Indian + Arabic + Persian + Mongol + Turkish
- 3) **Nature :-**
 - ☀ Centralized and Autocratic
 - ☀ Hereditary Officer System
 - ☀ **Military State** - Except Sadr and Qazi, all other officials also performed military duties



Due to excessive use of papers, Mughal administration was also called a Paper State



Chakla : A new unit between Sarkar and Pargana during Shah Jahan's reign

4) मुगल कालीन राजत्व :-

☀ **राजत्व** → शक्ति का स्रोत क्या होगा, सुल्तान किन सिद्धांतों पर प्रजा पर शासन करेगा?

☀ **जानकारी** → **आइन ए अकबरी (अबुल फजल)**



- ईश्वर का अनुग्रह, यह उसी को प्राप्त होता है जिसके पास हजारों गुण हों
- **बादशाह** - पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि है
- बादशाह - '**फर्र-ए-इजादी**' (ईश्वरीय प्रकाश)

सूफी संत शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी द्वारा विकसित

- अकबर ने 1579 में महजर की घोषणा की

4) Mughal Period Sovereignty :-

☀ **Sovereignty** → What will be the source of power, on what principles will the Sultan rule over the subjects?

☀ **Information** → **Ain-e-Akbari (Abul Fazl)**



- Grace of God, it is attained only by one who possesses thousands of virtues
- **Emperor** - Representative of God on Earth
- Emperor - '**Farr-e-Izadi**' (Divine Light)

Developed by Sufi Saint Shihabuddin Suhrawardi

- Akbar proclaimed the Mahzar in 1579

25.2) केंद्रीय प्रशासन (खाशा ए शरीफा)

जहाँ बानी : राज्य की
रक्षा

सर्वोच्च : बादशाह

सहायता तंत्र :
विजारत

वकील-ए-
मुतलक
(प्रधानमंत्री)

वज़ीर या
दीवान-ए-कुल
(राजस्व व
वित्त)

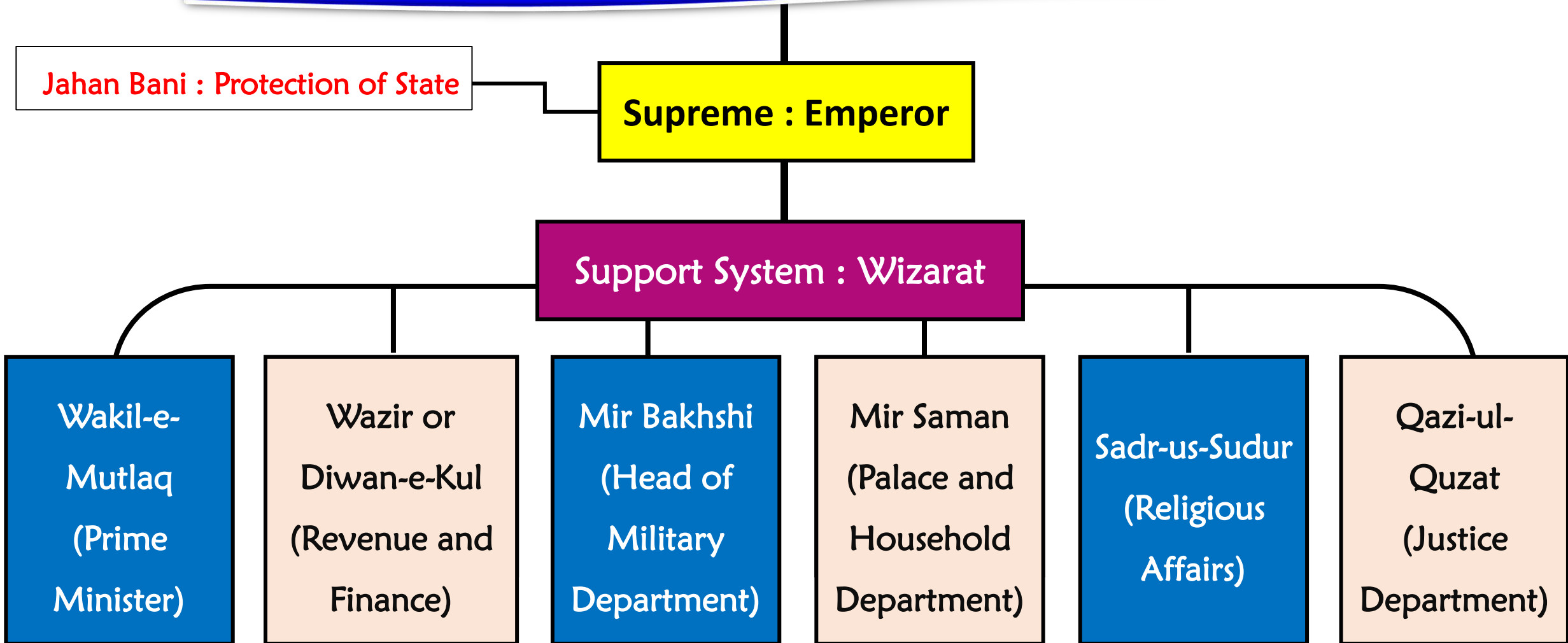
मीर बख्शी
(सैन्य
विभाग का
प्रमुख)

मीर सामाँ
(महल व
घरेलू
विभाग)

सद्र-उस-
सुदूर
(धार्मिक
मामले)

काजी-उल-
कुजात
(न्याय
विभाग)

25.2) Central Administration (Khasa-e-Sharifa)



1) वकील ए मुतलक़

- मंत्रिपरिषद का प्रमुख (सैन्य+आर्थिक+वित्त)
- अकबर का वकील : बैरम ख़ाँ
- अकबर द्वारा शक्तियों का विभाजन व नाममात्र पद
- अकबर द्वारा सृजित - **दीवान, मीरबख़्शी, सद्र-उस-सह व मीर समन**
- मुगल सम्राट शाह आलम ने 1783 में महादजी सिंधिया को वकील-ए-मुतलक़ की उपाधि दी थी।

2) वज़ीर या दीवान-ए-कुल

- वित्त व राजस्व : इस पद का निर्माण अकबर ने 8वें वर्ष में किया था
- व्यय की स्वीकृति
- कर्मचारियों की नियुक्ति व पदोन्नति
- **प्रथम दीवान** - मुजफ़्फ़र ख़ाँ

1) Wakil-e-Mutlaq

- Head of Council of Ministers (Military + Economic + Finance)
- Akbar's Wakil : Bairam Khan
- Division of powers by Akbar and nominal position
- Created by Akbar - **Diwan, Mir Bakhshi, Sadr-us-Sah and Mir Saman**
- Mughal Emperor Shah Alam conferred the title of Wakil-e-Mutlaq on Mahadji Scindia in 1783.

2) Wazir or Diwan-e-Kul

- Finance and Revenue: This position was created by Akbar in his 8th year
- Approval of Expenditure
- Appointment and Promotion of Employees
- **First Diwan** - Muzaffar Khan

शासक	दीवान
1) अकबर	मुजफ्फर खाँ, राजा टोडरमल, एवाज शाह मंसूर, ख्वाजा शाह मीर फतह उल्लाह
2) जहाँगीर	एतमादुदौला
3) औरंगजेब	मीर जुमला, फाजिल खाँ, जफर खाँ, असद खाँ
4) बहादुर शाह ।	मुनीम खाँ

औरंगजेब : असद खाँ सर्वाधिक लंबे समय (31 वर्ष) तक मुगल दीवान रहा।

Ruler	Diwan
1) Akbar	Muzaffar Khan, Raja Todar Mal, Ewaz Shah Mansur, Khwaja Shah Mir Fatehullah
2) Jahangir	Itimad-ud-Daulah
3) Aurangzeb	Mir Jumla, Fazil Khan, Zafar Khan, Asad Khan
4) Bahadur Shah I	Munim Khan

Aurangzeb: Asad Khan served as Mughal Diwan for the longest period (31 years).

3) मीर बख्शी

- **सैन्य विभाग का प्रमुख** : सेनापति अथवा सेनाध्यक्ष नहीं
- मनसबदारों का ब्यौरा व मनसबदारों की नियुक्ति की सिफारिश
- मीरबख्शी द्वारा '**सरखत**' नाम के पत्र पर **हस्ताक्षर के बाद ही सेना को हर महीने वेतन मिल पाता था।**
- सम्राट की यात्राओ (शिकार) व अभियानों में साथ
- मीरबख्शी की सहायता हेतु 2 और बख्शी : दूसरा / तीसरा बख्शी
- अकबर के साम्राज्य में **सैन्य कमांडरों को फौजदार** कहा जाता था

4) सद्र-उस-सुदूर

- धर्म और दान विभाग का प्रमुख : जब कभी सत्र न्याय विभाग के प्रमुख का कार्य करता था, तब उसे **काजी** कहा जाता था।
- 'सयूरगाल' : मुगल काल के दौरान विद्वानों, धार्मिक नेताओं और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को दी जाने वाली कर-मुक्त भूमि थी
- लगानहीन भूमि (**मदद-ए-माश**) का निरीक्षण

3) Mir Bakhshi

- **Head of Military Department** : Not the Commander-in-Chief or Army Chief
- Details of Mansabdars and Recommendation for appointment of Mansabdars
- Only after the Mir Bakhshi signed the letter called '**Sarkhat**', the army could receive monthly salary.
- Accompanied the Emperor on travels (hunting) and campaigns
- 2 more Bakhshis to assist Mir Bakhshi: Second/Third Bakhshi
- In Akbar's empire, military commanders were called Faujdars

4) Sadr-us-Sudur

- Head of Religion and Charity Department: When he performed the work of head of criminal justice department, he was called **Qazi**.
- 'Suyurghal': Tax-free land granted to scholars, religious leaders and other distinguished persons during the Mughal period
- Inspection of revenue-free land (**Madad-i-Maash**)

5) मीर सामाँ	○ शाही परिवार व साम्राज्य के भण्डारों का नियंत्रण ○ राजपरिवार की घरेलू आवश्यकताओं व सुख सुविधाओं की जिम्मेदारी	❑ दीवान-ए-तन : वेतन एवं जागीरों की देखभाल ❑ मुशरिफ - राज्य द्वारा अंकेक्षित (Audited) आय-व्यय की जांच ❑ मुस्तर्फी (ऑडिटर) : मुशर्रफ द्वारा तैयार किए गए आय-व्यय के खातों की जांच ❑ वाकिया नवीस : समाचार लेखक
6) अन्य	○ दीवान-ए-इंशा - पत्राचार और संचार : नेतृत्व = दबीर-ए-खास ○ मीर-ए-अर्ज - याचिकाओं का प्रभारी ○ परवानची - सम्राट की मुहर की आवश्यकता के बिना आज्ञाएँ लिखता था। ○ मीर-ए-तुजुक - शाही समारोहों के प्रबंधन और देखरेख ○ कोतवाल - पुलिस प्रमुख (कानून व्यवस्था बनाए रखना) ○ काजी - न्यायाधीश ○ मुहतसिब - शरियत के प्रतिकूल कार्य करनेवालों को रोकना : औरंगजेब द्वारा निर्मित ○ दरोगा-ए-डाक चौकी :- सूचना व गुप्तचर विभाग	

5) Mir Saman	○ Control of royal family and imperial stores ○ Responsibility for domestic needs and comforts of the royal family
6) Others	○ Diwan-e-Insha - Correspondence and Communication: Leadership = Dabir-e-Khas ○ Mir-e-Arz - In charge of Petitions ○ Parwanchi - Wrote orders without requiring the Emperor's seal. ○ Mir-e-Tuzuk - Management and supervision of royal ceremonies ○ Kotwal - Police Chief (maintaining law and order) ○ Qazi - Judge ○ Muhtasib - Preventing those acting against Shariat: Created by Aurangzeb ○ Daroga-e-Dak Chauki: Information and Intelligence Department

- ❑ **Diwan-e-Tan** : Care of salaries and Jagirs
- ❑ **Mushrif** - Examination of audited income-expenditure by the state
- ❑ **Mustarfi (Auditor)** : Examination of income-expenditure accounts prepared by Musharraf
- ❑ **Waqia Navis**: News Writer

25.6) मुगल : राजस्व व्यवस्था

मुख्य कर



जनक - अकबर (प्रेणता : शेर शाह सूरी)

भूराजस्व, जजिया, जकात

राजगामिता कानून - बिना उत्तराधिकारी की संपत्ति का राज्य में विलय

नजर - बादशाह को दी जाने वाली नकद पेशकश।

नियाज - शाहजादों द्वारा बादशाह को दिये गये उपहार।

निसार - अमीरों द्वारा बादशाह को दिये गये उपहार।

मुख्य राजस्व प्रणालियां

बंटाई या गल्लाबख्शी या माओली

शिहाबुद्दीन अहमद : नस्क तथा कनकूत प्रणाली

मुजफ्फर खान तुरबती : भूमिका का वर्गीकरण व पैमाईश

टोडरमल (1580) : दहसाला / जब्ती / आरजी

- 'जमा' भूमि- राजस्व का अनुमानित या निर्धारित मूल्य था, जो राज्य को प्राप्त होने की उम्मीद थी,
- 'हासिल' वास्तविक रूप में वसूला गया राजस्व था

25.6) Mughal : Revenue System

Main Taxes



Originator - Akbar (Inspirer: Sher Shah Suri)

Land Revenue, Jizya, Zakat

Escheat Law - Merger of property without heir into the state

Nazar - Cash offering given to the Emperor.

Niyaz - Gifts given by princes to the Emperor.

Nisar - Gifts given by nobles to the Emperor.

Revenue Systems

Bantai or Gallabakhshi or Maoli

Shihabuddin Ahmad : Nasq and Kankut system

Muzaffar Khan Turbati : Classification and measurement of land

Todar Mal (1580) : Dahsala/Zabti/Arzi

- 'Jama' was the estimated or assessed value of land revenue, which the state expected to receive,
- 'Hasil' was the revenue actually collected

भूमि की पैमाईश : गज ए सिकंदरी (39 अंगुल) के स्थान पर गज ए इलाही (41 अंगुल/33 इंच)

- 1) **पोलज** : प्रतिवर्ष बोयी जाने वाली उत्कृष्ट भूमि
- 2) **परती** : वर्ष में एक बार बोया जाता था।
- 3) **चाचर** : 3-4 वर्ष में एक बार बोयी जाती थी।
- 4) **बंजर** : पांच साल या उससे अधिक समय के लिए खेती नहीं

- 1) **जमींदार** :- ये अपनी जमीन (भूमि) के मालिक स्वयं
- 2) **जागीरदार / तयुलदार** :- वे मनसबदार जिनको वेतन भूमि रूप में दिया जाता था। सभी मनसबदार जागीरदार नहीं थे। क्योंकि अनेक को नकद वेतन भी दिया जाता था।
- 3) **खालसा भूमि** :- सीधे तौर पर केन्द्र के नियन्त्रण में थी। इसकी सम्पूर्ण मालगुजारी शाही कोष में। जागीर के रूप में आवण्टन नहीं।

इनाम भूमि (कर रहित) :- यह उन लोगों को इनाम स्वरूप दी जाती थी, जिनके पास आय का कोई स्रोत नहीं था,

Measurement of land : Gaz-e-Ilahi (41 angul/33 inches) instead of Gaz-e-Sikandari (39 angul)

- 1) **Polaj** : Excellent land sown annually
- 2) **Parauti** : Sown once a year
- 3) **Chachar** : Sown once in 3-4 years
- 4) **Banjar** : Not cultivated for five years or more

- 1) **Zamindar** :- They themselves were owners of their land
- 2) **Jagirdar/Tayuldar** :- Those Mansabdars who were given salary in the form of land. All Mansabdars were not Jagirdars. Because many were also given cash
- 3) **Khalisa Land** :- Was directly under the control of the center. Its entire revenue went to the royal treasury. Not allocated as Jagir

Inam Land (tax-free) :- This was given as reward to those people who had no source of income

25.9) मनसबदारी व्यवस्था



1) सामान्य परिचय :-

- ☀ **मनसब** —————> अरबी शब्द मंसिब
- ☀ **मनसबदार** —————> पद धारण करने वाला अधिकारी
- ☀ **आरंभ** —————> खलीफा अब्बा सईद
- ☀ **भारत** —————> अकबर (शासन का 19वां वर्ष : 1575)
- ☀ **महत्व** —————> **कुलीन वर्गीय सैन्य व्यवस्था** जो मुगल काल में नागरिक व्यवस्था का भी आधार बनी
- ☀ शासन काल का 40वां वर्ष (1595-1596) —————> द्वितीय मनसब : जात व सवार

ओहदा/पद और
वेतन



घोड़े +
सैनिक

25.9) Mansabdari System

1) General Introduction :-

- ☀ **Mansab** → Arabic word Mansib
- ☀ **Mansabdar** → Officer holding a rank
- ☀ **Beginning** → Caliph Abba Said
- ☀ **India** → Akbar (19th year of reign: 1575)
- ☀ **Importance** → Noble class military system which also became the basis of civil system in Mughal period
- ☀ 40th year of reign (1595-1596) → Second Mansab: Zat and Sawar



Rank/Position and salary



Horses + Soldiers



2) उद्देश्य :-

- ☀ प्रशासनिक और सैन्य व्यवस्था को एकीकृत करना।
- ☀ सम्राट के प्रति अधिकारियों की निष्ठा सुनिश्चित।
- ☀ प्रशासनिक तंत्र अधिक हो जाने के कारण राजस्व व्यय बढ़ गया था।

3) विशेषताएं :-

- ☀ सम्राट व न्यायिक अधिकारी को छोड़कर शेष पूरा प्रशासन मनसबदार व्यवस्था में विलय कर दिया गया।
- ☀ नियुक्ति : योग्यता के आधार पर सम्राट द्वारा
 - आनुवांशिक नियुक्ति नहीं
 - स्थानान्तरण या हटाना : सम्राट

☀ वेतन : नकद या जागीर

☀ मुख्य मनसबदारी प्रबंधन अधिकारी : **मीर बखशी**

☀ मनसबदार ताबीनान (सवार वेतन) से अपने खर्च के रूप में अधिकतम 5% कटौती कर सकता था

☀ अकबर ने न्यूनतम 10 व अधिकतम 7000 का मनसब - **राजा मानसिंह को 7000** का मनसब

☀ **अहदी** : मनसबदारों के अलावा, मुगल बादशाह व्यक्तिगत फुटकर घुड़सवार रखते

4) श्रेणियाँ :-

☀ प्रथम : 'जात' पद के बराबर 'सवार'

☀ द्वितीय : 'जात' पद के आधे या उससे अधिक 'सवार'

☀ तृतीय : 'जात' पद के आधे से कम 'सवार' ।

2) Objectives :-

- ☀ To integrate administrative and military systems.
- ☀ ensure loyalty of officers towards the Emperor.
- ☀ Revenue expenditure had increased due to expansion of administrative machinery.

3) Features :-

- ☀ Except the Emperor and judicial officers, the entire remaining administration was merged into the Mansabdari system.
- ☀ Appointment: By Emperor on basis of merit
 - Not hereditary appointment
 - Transfer or removal : Emperor

☀ Salary : Cash or Jagir

☀ Chief Mansabdari management officer: Mir Bakhshi

☀ Mansabdar could deduct maximum 5% from Tabinan (Sawar salary) as his expenses

☀ Akbar fixed minimum 10 and maximum 7000 Mansab - Raja Man Singh was given 7000 Mansab

☀ Ahadi : Apart from Mansabdars, Mughal Emperors kept personal individual cavalrymen

4) Categories :-

☀ First: 'Sawar' equal to 'Zat' rank

☀ Second: 'Sawar' half or more than 'Zat' rank

☀ Third: 'Sawar' less than half of 'Zat' rank.

5) मनसबदारी व्यवस्था का विकासक्रम :-

☀ जहांगीर कालीन मनसबदारी

- **दुह-अस्पा और सिंह-अस्पा** : (जात) पद को बढ़ाए अधिक घुड़सवार रखने की अनुमति
- सर्वप्रथम दुहअस्पा : महावत खाँ

☀ शाहजहाँ कालीन मनसबदारी

- **माहवारी जागीर व्यवस्था**
- हासिल / महसूल (वास्तविक लगान वसूली) तथा जमा (निर्धारित लगान) में अन्तर बढ़ गया

- 10 से 500 तक मनसब : मनसबदार
- 500 से 2500 तक मनसब : अमीर
- 2500 से ऊपर तक मनसब : अमीर-ए-आजम

औरंगजेब :-

- ☀ सवार पद में '**मशरूत**' का एक नया पद जोड़ दिया।
- ☀ **बेजागिरी या जागीरदारी संकट** : औरंगजेब के समय मनसबदारों की संख्या में भारी वृद्धि होने से उन्हें देने के लिए जागीर नहीं बची।
- ☀ हिन्दू मनसबदारों की 33 प्रतिशत हो गई।
 - 71 राजपूत, 27 मराठा और 7 अन्य समुदाय
- ☀ औरंगजेब के समय आमेर के जयसिंह, मारवाड़ के जसवन्तसिंह एवं मराठा शाहू को 7000 का मनसब दिया गया।

5) Evolution of Mansabdari System :-

☀ Mansabdari during Jahangir period

- **Duh-aspa and Sih-aspa** : Permission to keep more cavalrymen by increasing (Zat) rank
- First Duh-aspa: Mahavat Khan

☀ Mansabdari during Shah Jahan period

- **Monthly Jagir system**
- Difference between Hasil/Mahsul (actual rent collection) and Jama (assessed rent) increased

- **10 to 500 Mansab: Mansabdar**
- **500 to 2500 Mansab: Amir**
- **Above 2500 Mansab: Amir-e-Azam**

Aurangzeb :-

- ☀ Added a new rank called '**Mashrut**' to Sawar rank.
- ☀ **Bezagiri or Jagirdari crisis** : During Aurangzeb's time, due to huge increase in number of Mansabdars, no Jagirs were left to give them.
- ☀ Hindu Mansabdars became 33 percent.
 - 71 Rajputs, 27 Marathas and 7 other communities
- ☀ During Aurangzeb's time, Jai Singh of Amber, Jaswant Singh of Marwar and Maratha Shahu were given 7000 Mansab.

मुगलकालीन सिक्के

मुहर	यह मुगल काल का सर्वाधिक प्रचलित सोने का सिक्का था
शंसब (शहंशाह)	सोने का सबसे बड़ा सिक्का : 102 तोला
इलाही	अकबर के शासनकाल में स्वर्ण का सर्वाधिक प्रचलित
रहस	यह गोल एवं चौकोर दोनों तरह का सोने का सिक्का था यह साढ़े पाँच तोले का था।
अत्माह व विन्सात	सोने का सिक्का ।
दाम	दैनिक लेन-देन हेतु ताँबे का सिक्का (1 रुपया - 40 दाम)
रुपया	चाँदी का सिक्का

चाँदी के अन्य सिक्के : जलाली, दरब, चरन, चंदन, दह, कल व सुकी

Mughal Period Coins

Mohar	This was the most prevalent gold coin of Mughal period
Shansab (Shahenshah)	Largest gold coin: 102 tola
Ilahi	Most prevalent gold coin during Akbar's reign
Rahas	This was a gold coin of both round and square types, it was of five and a half tola.
Atmah and Vinsat	Gold coin
Dam	Copper coin for daily transactions (1 Rupee = 40 Dams)
Rupee	Silver coin

Other silver coins: Jalali, Darab, Charan, Chandan, Dah, Kal and Suki

MUGHAL EMPIRE



Question : 1



On their mother side, the Mughals were descendants of which of the following?

मातृ पक्ष (माँ की ओर से) से मुगल किसके वंशज थे?

- (a) Timur/तैमूर
- (b) Genghis Khan/चंगेज़ ख़ान
- (c) Muhammad bin Qasim/मुहम्मद बिन क़ासिम
- (d) Sabuktigin/सबुक्तगीन



[SSC CHSL, 26 Nov 2025, Shift-3]

ANSWER:- b

Question : 2

What is Tulughama?

तुलुगमा क्या है?

- (a) Punishment given by Jahangir to criminals/जहांगीर द्वारा अपराधियों को दी जाने वाली सज़ा
- (b) Water conservation method used by Akbar/अकबर द्वारा उपयोग की जाने वाली जल संरक्षण विधि
- (c) Military strategy used by Babur/बाबर द्वारा उपयोग की जाने वाली सैन्य रणनीति
- (d) Tax/Levy levied by Jahangir/जहांगीर द्वारा लगाया गया कर



[RRB NTPC 2021]

ANSWER:- c

Question : 3



Daulat Khan sent a messenger to Babur to pledge his allegiance to Kabul in return for his assistance against Emperor _____.

दौलत खान ने बाबर के पास एक दूत भेजकर काबुल के प्रति निष्ठा व्यक्त की और सम्राट _____ के खिलाफ सहायता मांगी।

- (a) Ibrahim Lodi/इब्राहिम लोदी
- (b) Sikandar Lodi/सिकंदर लोदी
- (c) Ghazi Khan Lodi/गाज़ी खान लोदी
- (d) Bahlol Lodi/बहलोल लोदी



[RRB Group-D 2018]

ANSWER:- a

Question : 4



In which of the following battles did Babur use cannon and ammunition effectively for the first time in India?

निम्नलिखित में से किस युद्ध में बाबर ने भारत में पहली बार तोप और बारूद का प्रभावी उपयोग किया था?

- (a) Battle of Khanwa/खानवा का युद्ध
- (b) First Battle of Panipat/पानीपत का प्रथम युद्ध
- (c) Battle of Chanderi/चंदेरी का युद्ध
- (d) Battle of Ghaghra/घाघरा का युद्ध



[SSC CPO 2022]

ANSWER:- b

Question : 5



In 1527 AD, who assumed the title 'Ghazi' after defeating Rana Sanga in the Battle of Khanwa?

1527 ई. में खानवा के युद्ध में राणा सांगा को हराने के बाद 'गाज़ी' की उपाधि किसने धारण की?

- (a) Babur/बाबर
- (b) Daulat Khan Lodi/दौलत खान लोदी
- (c) Mahmud Shah I/महमूद शाह प्रथम
- (d) Humayun/हुमायूँ



[SSC MTS
2022]

ANSWER:- a

Question : 6



Where was Babur buried for the first time in 1530 AD?

1530 ई. में बाबर को पहली बार कहाँ दफनाया गया था?

- (a) Kabul/काबुल
- (b) Agra/आगरा
- (c) Delhi/दिल्ली
- (d) Fargana/फरगना



[SSC CGL Tier-1 2022]

ANSWER:- b

Question : 7



Which of the following rulers died after falling from the stairs of his library?

निम्नलिखित में से किस शासक की मृत्यु अपने पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरने के कारण हुई थी?

- (a) Jahangir/जहांगीर
- (b) Shah Jahan/शाहजहाँ
- (c) Babur/बाबर
- (d) Humayun/हुमायूँ



[SSC CGL Tier-1 2021]

ANSWER:- d

Question : 8

Suri dynasty was founded by Sher Shah, who ruled till _____.

सूरी वंश की स्थापना शेरशाह ने की, जिन्होंने _____ तक शासन किया।

- (a) 1540 to 1545 AD/1540 से 1545 ई.
- (b) 1535 to 1545 AD/1535 से 1545 ई.
- (c) 1538 to 1545 AD/1538 से 1545 ई.
- (d) 1530 to 1545 AD/1530 से 1545 ई.



[RRB Group-D
2018]

ANSWER:- a

Question : 9

During the reign of which emperor was the first currency of India 'Rupee' issued?

निम्नलिखित में से किस शासक के शासनकाल में भारत की पहली मुद्रा 'रुपया' जारी की गई थी?

- (a) Akbar/अकबर
- (b) Humayun/हुमायूँ
- (c) Sher Shah Suri/शेरशाह सूरी
- (d) Samudragupta/समुद्रगुप्त



[SSC CHSL Tier-1 2021]

ANSWER:- c

Question : 10

Who built the road from East Bengal to Peshawar called 'Sadak-e-Azam'?

‘सड़क-ए-आज़म’ नामक सड़क, जो पूर्वी बंगाल से पेशावर तक बनाई गई थी, किसने बनवाई?

- (a) Akbar/अकबर
- (b) Jahangir/जहांगीर
- (c) Islam Shah/इस्लाम शाह
- (d) Sher Shah/शेरशाह



[CGPSC Pre 2019]

ANSWER:- d

Question : 11



Kalinjar Fort, which was a strategically important fort during the medieval period, is located in _____.

कालिंजर किला, जो मध्यकाल में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक किला था, _____ में स्थित है।

- (a) Rajasthan/राजस्थान
- (b) Uttar Pradesh/उत्तर प्रदेश
- (c) Sindh/सिंध
- (d) Punjab/पंजाब



[SSC CPO 2020]

ANSWER:- b

Question : 12

The forum called 'Takht-i-Akbari', where Akbar was coronated as emperor, is located in which state?

‘तख्त-ए-अकबरी’ नामक मंच, जहाँ अकबर का राज्याभिषेक हुआ था, किस राज्य में स्थित है?

- (a) Rajasthan/राजस्थान
- (b) Uttar Pradesh/उत्तर प्रदेश
- (c) Haryana/हरियाणा
- (d) Punjab/पंजाब



[RRB NTPC 2021]

ANSWER:- d

Question : 13

Which Mughal emperor built the city called 'Makhsudabad', which was later known as Murshidabad?

किस मुगल सम्राट ने 'मकसूदाबाद' नामक शहर का निर्माण किया, जो बाद में 'मुर्शिदाबाद' कहलाया?

- (a) Bahadur Shah Zafar/बहादुर शाह ज़फर
- (b) Humayun/हुमायूँ
- (c) Akbar/अकबर
- (d) Shah Jahan/शाहजहाँ



[SSC CHSL Tier-1 2021]

ANSWER:- c

Question : 14



Who was the last Hindu ruler to sit on the throne of Delhi?

दिल्ली के सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम हिंदू शासक कौन था?

- (a) Harshavardhana/हर्षवर्धन
- (b) Hemachandra/हेमचंद्र (हेमू)
- (c) Rao Tolaram/राव तोलाराम
- (d) Mohan Singh/मोहन सिंह



[HSSC 2018]

ANSWER:- b

Question : 15



Name the Englishman who tried to obtain a farman from Akbar to trade in Gujarat.

उस अंग्रेज का नाम बताइए जिसने गुजरात में व्यापार करने के लिए अकबर से फ़रमान प्राप्त करने का प्रयास किया था।

- (a) Rolf Finch/रॉल्फ फिंच
- (b) John Mildenhall/जॉन माइल्डेनहॉल
- (c) Sir Thomas Roe/सर थॉमस रो
- (d) Tomas Stephens/टॉमस स्टीफेंस



[UPPSC Pre 2022]

ANSWER:- b

Question : 16



Which Mughal emperor built the Buland Darwaza at Fatehpur Sikri?

फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाज़ा किस मुगल सम्राट ने बनवाया था?

- (a) Akbar/अकबर
- (b) Jahangir/जहांगीर
- (c) Aurangzeb/औरंगज़ेब
- (d) Humayun/हुमायूँ



[SSC CHSL Tier-2 2022]

ANSWER:- a

Question : 17

Which queen died fighting Mughal armies while defending Garha Katanga in 1584?

1584 में गढ़ा-कटंगा की रक्षा करते हुए मुगल सेना से लड़ते समय किस रानी की मृत्यु हुई?

- (a) Rani Durgavati/रानी दुर्गावती
- (b) Rani Avantibai/रानी अवंतीबाई
- (c) Rani Rudramba/रानी रुद्रम्बा
- (d) Rani Ahilyabai/रानी अहिल्याबाई



[SSC CHSL Tier-1 2019]

ANSWER:- a

Question : 18

In which fort of Rajasthan were 'Chhatris' built in honour of the Jamal and Kalla warriors who sacrificed their lives in the siege of Akbar in 1568?

राजस्थान के किस किले में 1568 में अकबर की घेराबंदी के दौरान शहीद हुए जमाल और कल्ला योद्धाओं के सम्मान में छतरियाँ बनाई गईं?

- (a) Amer Fort/आमेर किला
- (b) Chittorgarh Fort/चित्तौड़गढ़ किला
- (c) Ranthambore Fort/रणथंभौर किला
- (d) Kumbhalgarh Fort/कुंभलगढ़

[SSC CGL Tier-1 2018]



ANSWER:- b

Question : 19

Which queen of Ahmednagar fought against Emperor Akbar?

अहमदनगर की कौन-सी रानी ने सम्राट अकबर के खिलाफ युद्ध किया था?

- (a) Chandbibi/चांद बीबी
- (b) Razia Sultan/रज़िया सुल्तान
- (c) Durgavati/दुर्गावती
- (d) Roopmati/रूपमती



[RRB NTPC 2021]

ANSWER:- a

Question : 20

In which year did Akbar start 'Din-i-Ilahi'?

अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' की शुरुआत किस वर्ष की थी?

- (a) 1482 AD/1482 ई.
- (b) 1578 AD/1578 ई.
- (c) 1532 AD/1532 ई.
- (d) 1582 AD/1582 ई.



[SSC CGL Tier-1 2020]

ANSWER:- d

Question : 21



Statement I: Abul Fazl shaped, represented and articulated the ideas relating to Akbar's reign.

Statement II: Abul Fazl's qualities impressed Akbar and Akbar found him to be a suitable counsellor and spokesman for his policies.

कथन II: अबुल फ़ज़ल के गुणों से अकबर प्रभावित हुए और अकबर ने उन्हें अपनी नीतियों के लिए उपयुक्त सलाहकार और प्रवक्ता माना।

कथन I: अबुल फ़ज़ल ने अकबर के शासन से संबंधित विचारों को आकार दिया, प्रस्तुत किया और स्पष्ट रूप से व्यक्त किया।

(a) Both statements I and II are true and Statement II is the correct explanation of Statement I./दोनों कथन I और II सही हैं तथा कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।

(b) Both statements I and II are true, but Statement II is not the correct explanation of Statement I./दोनों कथन सही हैं, परन्तु कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) Statement I is true, but Statement II is false./कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।

(d) Statement I is false, but Statement II is true./कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

[NDA 2019]



ANSWER:- a

Question : 22

Who among the following wives of Jahangir committed suicide?

जहाँगीर की निम्नलिखित पत्नियों में से किसने आत्महत्या की थी?

- (a) Mehrunnisa Begum/मेहरुन्निसा बेगम
- (b) Shah Begum (Manbai)/शाह बेगम (मानबाई)
- (c) Karamsi/करमसी
- (d) Maki-i-Jahan/मकी-ए-जहाँ



[UPPSC (Pre) 2019]

ANSWER:- b

Question : 23

Who among the following was not a member of the 'Nur Jahan Junta'?

निम्नलिखित में से कौन 'नूरजहाँ जुंटा' का सदस्य नहीं था?

(a) Itmad-ud-Daula/इत्माद-उद-दौला

(b) Asaf Khan/आसफ खान

(c) Mahabat Khan/महाबत खान

(d) Khurram/खुर्रम (शाहजहाँ)



[UPPSC (Pre) 2019]

ANSWER:- c

Question : 24



Whose killer was rewarded by Jahangir?

जहाँगीर ने किसके हत्यारे को पुरस्कार दिया था?

- (a) Abul Fazl/अबुल फ़ज़ल
- (b) Veer Singh Bundela/वीर सिंह बुंदेला
- (c) Jai Singh/जय सिंह
- (d) Mansingh/मान सिंह



[UPPSC (Pre) 2019]

ANSWER:- a

Question : 25



Amar Singh, the Sisodiya Rajput ruler of Mewar, accepted Mughal service during the reign of:

मेवाड़ के सिसोदिया राजपूत शासक अमर सिंह ने मुगलों की सेवा किस सम्राट के शासनकाल में स्वीकार की थी?

- (a) Akbar/अकबर
- (b) Jahangir/जहाँगीर
- (c) Aurangzeb/औरंगज़ेब
- (d) Babur/बाबर



[SSC CGL Tier-1 2023]

ANSWER:- b

Question : 26

Where did Shah Jahan shift the capital of the Mughal Empire from Agra?

शाहजहाँ ने मुगल साम्राज्य की राजधानी आगरा से कहाँ स्थानांतरित की?

- (a) Delhi/दिल्ली
- (b) Fatehpur Sikri/फतेहपुर सीकरी
- (c) Surat/सूरत
- (d) Varanasi/वाराणसी



[UPPSC (Pre) 2019]

ANSWER:- a

Question : 27

Pandit Raj Jagannath was the royal poet of which Mughal emperor?

पंडित राज जगन्नाथ किस मुगल सम्राट के राजकवि थे?

- (a) Humayun/हुमायूँ
- (b) Akbar/अकबर
- (c) Shah Jahan/शाहजहाँ
- (d) Aurangzeb/औरंगज़ेब



[SSC CGL Tier-1 2020]

ANSWER:- c

Question : 28



Who was defeated by Aurangzeb in the Battle of Deorai?

देवराई के युद्ध में औरंगज़ेब ने किसे पराजित किया था?

- (a) Shah Jahan/शाहजहाँ
- (b) Shah Shuja/शाह शुजा
- (c) Dara Shikoh/दारा शिकोह
- (d) Murad Bakhsh/मुराद बख़्श



[SSC MTS 2021]

ANSWER:- c

Question : 29

Jharokha Darshan was stopped during the reign of which ruler?

झरोखा दर्शन की परंपरा किस शासक के समय बंद कर दी गई थी?

- (a) Akbar/अकबर
- (b) Jahangir/जहाँगीर
- (c) Shah Jahan/शाहजहाँ
- (d) Aurangzeb/औरंगज़ेब



[HSSC 2021]

ANSWER:- d

Question : 30

In which year did the Battle of Dharmat take place?

धर्मत का युद्ध किस वर्ष हुआ था?

- (a) 1656 AD/1656 ई.
- (b) 1657 AD/1657 ई.
- (c) 1658 AD/1658 ई.
- (d) 1659 AD/1659 ई.



[UK ACE (Pre) 2021]

ANSWER:- c